रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, सोमवार 16 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 13 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 159 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

सर्वजन की सरकार
सभी के हितों से सरोकार

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की स्वीकृति मिल गई है। मेरे आवेदन को बैंक से जोड़कर उच्च शिक्षा हेतु रियायती दर पर मुझे ऋण उपलब्ध हो सकेगा। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण मुझे उच्च शिक्षा ग्रहण करने में समस्या आ रही थी। योजना का लाभ मिलने से मेरे जैसे कई युवाओं को पढ़ाई में काफी मदद मिलेगी।
आदित्य कुमार, बोकारो

रक्षा बंधन पर हेमन्त भैया ने हमें उपहार दिया है। हर माह हमें एक हजार और साल में 12 हजार रुपया प्राप्त होगा। मुझे दूसरी किस्त भी प्राप्त हो गई है। यह पैसा मेरी जरूरतों को पूरा करने में सहयोग करेगा।
दिव्या तिवारी, विश्रामपुर, पलामू।

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना
राज्य की 18 से 50 वर्ष तक की लाखों बहनों को हर साल **₹12 हजार** की सम्मान राशि

बैंक क्रेडिट/लिंकेज
राज्य की **2,60,994** महिला समूह को **₹11,225 करोड़** की राशि उपलब्ध करायी गयी

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना
20 हजार से अधिक स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार हेतु करोड़ों की राशि वितरित

राज्य संपोषित अबुआ आवास योजना
20 लाख गरीब परिवार को रसोई घर युक्त तीन कमरे का पक्का आवास

मुख्यमंत्री बिरसा स्वास्थ्य सुरक्षा योजना
15 लाख तक का स्वास्थ्य बिमा, **66 लाख** राशनकार्ड धारियों को लाभ

मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाली योजना
200 यूनिट तक बिजली उपभोग करने वाले **38.41 लाख** लाभुक का बिजली बकाया माफ

झारखण्ड कृषि ऋण माफी योजना
लगभग **6.5 लाख** किसानों को राहत, **₹1 हजार 900 करोड़** का ऋण माफ
ऋण माफी की राशि **₹50 हजार** से बढ़कर **₹2 लाख** की गई

साइकिल वितरण योजना
8 लाख बच्चों को मिली साइकिल

CM उत्कृष्ट विद्यालय
80 स्कूलों में CBSE पाठ्यक्रम से पढ़ाई शुरू, पंचायत स्तर पर कुल **5 हजार** स्कूलों को उत्कृष्ट बनाया जा रहा है

प्री एवं पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप
35 लाख बच्चों को मिला लाभ

सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना
9 लाख किशोरियों को **₹40 हजार** (प्रति किशोरी) की सहायता राशि

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड
15 लाख तक का ऋण, हजारों युवाओं को मिल रहा लाभ

मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना
विदेश में उच्च शिक्षा के लिए वंचित वर्ग के युवाओं को राज्य सरकार दे रही **100% स्कॉलरशिप**

साइकिल की राशि मिलने से हम जैसे ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले बच्चों के लिए स्कूल जाने में सहूलियत रहती है। साइकिल मिल जाने से अब आने-जाने का कोई खर्च अलग से नहीं उठाना पड़ेगा, इसके लिए राज्य सरकार को बहुत-बहुत धन्यवाद।
गायत्रु मुंडा, कुडापूर्ति, मुरहू, खूंटी

अबुआ आवास के लिए मुझे दूसरी किस्त की राशि मिल चुकी है। इस राशि से मैंने घर के छत लेवल का काम पूर्ण कर लिया है। तीसरी किस्त की राशि जल्द मिलेगी, ऐसा प्रखंड कार्यालय द्वारा बताया गया है। किस्त मिलते ही घर के छत की ढलाई पूरा करूँगा। मेरा घर मिट्टी का था, लेकिन सरकार ने मुझे पक्का आवास दिया है। हेमंत सोरेन को जोहार।
सुजीत मुंडा, कांके, ग्राम चौबे खटंगा, रांची

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

चिंताजनक : राज्य के 16 जिलों में 59,249 हेक्टेयर कृषि भूमि हो गई है अम्लीय

छह जिलों की कृषि भूमि सबसे अधिक अम्लीय, घट गई उत्पादन क्षमता

- 24 जिलों में कुल 7970 हे. कृषि भूमि ही सिंचित क्षेत्र के दायरे में
- कृषि विभाग के आंकड़ों से हुआ खुलासा

रवि भारती। रांची

झारखंड के 16 जिलों की 59,249 हेक्टेयर कृषि भूमि अम्लीय हो गई है. इस हिसाब से एक लाख 46 हजार 407 हेक्टेयर कृषि भूमि अम्ल के चपेट में हैं. इसका खुलासा कृषि विभाग के आंकड़ों में हुआ है. आंकड़ों के अनुसार सबसे अधिक रांची और खूंटी को मिलाकर 7,698 हेक्टेयर, पश्चिमी सिंहभूम में 7,182 हेक्टेयर, गुमला में 5320 हेक्टेयर, गिरिडीह में 4941 हेक्टेयर, रामगढ़ और हजारीबाग को मिलाकर 5049 हेक्टेयर, और दुमका में 4410 हेक्टेयर भूमि अम्लीय हो गई है.

उत्पादन क्षमता पर पड़ रहा विपरित प्रभाव : मिट्टी के अम्लीय होने के कारण पौधों और खाद्यान की उत्पादन क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है. अम्लीय मिट्टी के कारण पौधों में पोषक तत्वों की कमी हो गई है. कृषि विभाग के अनुसार पौधों के मुख्य पोषक तत्वों नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटेशियम, सल्फर, कैल्शियम, मैग्नीशियम और ट्रेस तत्व मोलिब्डेनम की उपलब्धता कम होने से उत्पादन पर विपरित असर हो रहा है.

किस जिले में कितने हेक्टेयर भूमि हो गई है अम्लीय

जिला	अम्लीय भूमि (हेक्टेयर में)
पाकुड़	1805
गोड्डा	2110
दुमका	4410
देवघर	2479
जामताड़ा	1802
गिरिडीह	4941
धनबाद	2086
बोकारो	2861
रामगढ़- हजारीबाग	5049
रांची-खूंटी	7698
सरायकेला-खरसांवा	2725
पूर्वी सिंहभूम	3533
पश्चिमी सिंहभूम	7182
लोहरदगा	1491
गुमला	5320
सिमडेगा	3757

किस जिले में कितने हेक्टेयर भूमि है सिंचित

जिला	पूर्ण सिंचित भूमि (हे. में)
साहिबगंज	202
गोड्डा	232
पाकुड़	182
दुमका	379
जामताड़ा	179
देवघर	248
धनबाद	204
गिरिडीह	493
बोकारो	289
कोडरमा	130
हजारीबाग-रामगढ़	605
रांची-खूंटी	758
सरायकेला-खरसांवा	237
पूर्वी सिंहभूम	557
पश्चिमी सिंहभूम	563
चतरा	376
लोहरदगा	154
लातेहार	319
गुमला	539
सिमडेगा	372
पलामू	525
गढ़वा	429

प्रदेश में सिर्फ 7970 हेक्टेयर ही है सिंचित क्षेत्र : प्रदेश के सभी जिलों में पूर्ण रूप से सिंचित क्षेत्र 7970 हेक्टेयर ही है. इस हिसाब से 19,716.54 एकड़ ही पूर्ण रूप से सिंचित क्षेत्र के दायरे में है. बताते चलें कि झारखंड में 38 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि है. इसमें सिर्फ 12 फीसदी कृषि भूमि पर ही सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है. 26 से 27 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि पर होने वाली खेती वर्षा पर ही निर्भर है.

अपनों को उल्लू बनाया, पहले चढ़ाया, मतलब निकला, तो ढुला-ढुला के साइड लगाया

संजय सिंह

ई है कोईला नगरिया तू देख बबुआ... जी ई कोयला नगरिया ने ढेरे कोईला चोर, कोईला माफिया पैदा किया है. कोईला की कमाई से बउरईनी धरीश तो कई गो नेताजी भी पैदा किहीस है. ई हे कोईला नगरिया से एगो कोयला बेचेवाले नेतई करे लगे. अब तो नेताजी दिल्ली देने उड़ गईल हैं. लेकिन कोईला नगरिया की पैदाईश हैं, तो ईहां तो रहबे न करेंगे. फिर कोईला के खेला-मेला भी तो करेला है न भाई. न तो माल केने से आएगा. कोईला के खेला में वर्चस्व बनाइले रखेला लोकल स्तर पर अपन लोगबाग के फिट रखे पड़ेगा ना भाई. तो जन्मस्थली से अपनी जनाना न तो भाई जी के कमल ब्रांड क्लीनिंग मशील लगी पेरवी-पउवा भिड़ावे में जुटल हैं. लेकिन जब नेताजी दिल्ली जाए लगी टिकट हथायाले आए थे, तो पार्टियावाला लोगबाग खूब चिल्लपों मचाईले था. बेचारे विरोध करेवाले लोगन के घरे-घरे खूबे छिछिआए थे. लेकिन बुझा गईल था कि विरोध करेवाला लोग को भितरिए-भितरिए घात करबे करेगा, तो छह गो विधानसभा वाला इलाका में कुछ अपन करीबी लोगन के पटियाए. ऊ लोगन के खूबे तेल-मालिश किहिन... हांका खीचें, बस-बस, एक बेर तो तनिका जंग जीत लेवे दो भाई, तू लोग के तो चांदिए-चांदिए रहेगा. अरे, जीते तो हमरे न चलेगा. बाकी बड़का नेताजी लोगन के पटियाएवे में हमरा से के सकेगा रे भाई. अपने लोगन को अईसन सब्जबाग दिखाया कि पूछिए मत. अब विधानसभा चुनाउवा नियराईल है, तो खासमखाश लोग ललकाईल है. अब नेताजी के अकबकईनी ढुकल है. ई तो अपने ही चक्कर में लगल हैं.. काहें कि पहिले घरवा भरेगा, तबे न दूसर खातिर कुछ करे सकेंगे. तो नेताजी ऐने-ऊने खुदे ढुलकल फिर रहे हैं और अपने लोगन को ढुला-ढुला के साईड लगाईले हैं. बुझाईए न रहा कि ऊ लोग के कईसे टैकल करें. वईसे ई नेताजी और अपने जईसन अउरो कोल ग्रुपवाला चंगु-मंगुअन के साथ एगो टाईगर ग्रुप भी बनाईले थे. तैयारी तो एगो बड़का वाला गांव देने से लेकर पूरा कोईला पट्टी में टाईगर गिरोह के दबदबा बनावे ला था. लेकिन गच्चा का गिये.सफलता नहीं मिली, लेकिन टाईगर ग्रुपवा के कई गो चंगु-मंगुअन के नेतागीरी के चस्का लगा दीहिन. जब दिल्ली जाए लगी नेताजी एड़ी-चोटी एक कईले थे, पसीने से तरबतर थे, तो ई टाईगर ग्रुप के चंगु-मंगुवन सबके चढ़ाईले थे. कहे लगे थे, बस-बस यारा, एक बेर दिल्ली पहुंचे न दो, तू लोग के तो मस्ती रहेबे करेगा. ढेरे टाईगरवन के चढ़ा-चढ़ा के एतना फुला दीहिन कि पूछिए मत. खैर ई नेताजी दिल्ली तो पहुंच गईन, लेकिन जेकरा-जेकरा चढ़ाईले थे, उ सब हांफले है. ऊ लोग दांत निपोरले था टिकट लगी, लेकिन नेताजी ऊ लोग से भागल-भागल फिर रहे हैं. अपन लोग के जेने-तेने ढुलका-ढुलका के साइड धराइले हैं. दिल्ली लगी पैडल मारे समय नेताजी अपन जे-जे लोग के सब्जबाग दिखाइले थे, ऊ लोग के बुझाए लगा है कि नेताजी उल्लू बना दीहिन हैं. कहे लगे हैं कि पहिले नेताजी ऊ लोगन के खूब चढ़ाईले थे. अईसन ललचाईले थे कि पूछिए मत. लेकिन चुनाउवा जीते के बाद तो नेताजी पलटनिया मार दीहिन हैं. अब भला बताई न..य अपन लोग के ढुला-ढुला के ढुलकी खेलावेवाले नेताजी भला कहां से सीटिंग, वेटिंग फॉर सीटिंग के साइड लगाके अपन लोग के सेट करे पाएंगे. इसीलिए खुद हूं ढुलमुलाईले फिर रहे हैं. जाने लगे हैं कि ढेर ई सब के चक्कर में पड़ेंगे, तो न तो अपन जनाना के आगे कर पाएंगे, न छोटकवा के भाई नेताजी तो हैं बहुते चतुर चालाक. उनके बुझाए लग गईल है कि भले ही दिल्ली पहुंच गिये हैं, लेकिन सच तो ईहे है कि ई बड़की पार्टिया में उनकी हैसियत बिल्लईए जईसन है. वईसे नेताजी फोकसिया टाइटे कईले फिरते हैं. लेकिन ई बुझाए लगा है कि ईहां ढेरे टरर-टरर कईला से कोई फायदा न होवेवाला है. नेताजी के मालूम है कि खिसियाईल-रिसाईल साथी लोगन के कईसे पटावे ला है. अरे तनिका-तनिका कोल ब्रांड मालवा पियावेंगे, तो बात बनिए जाएगा. वईसे ई महोदय जी अभी अपन जनानी और छोटका लगी माल-पत्तर छीटले हैं. अब देखिए आगे-आगे ई नेताजी का गुल खिलाते हैं. बीवी-भाई के कमल ब्रांड क्लीनिंग मशीनवा में ढुकावे सकते हैं, हबकुनिए फेंकाते हैं. वईसे खुदे ढेरे केस मुकदमा में अझुराईल हैं, लेकिन कमल ब्रांड क्लीनिंग मशीनवा में आवे के बाद से नेताजी के भरोसा हो गईल है कि दागिया छूट जाएगा. वईसे ई पार्टिया के बड़का नेताजी लोगन तो ईहो कहते हैं, भाई ई दाग अच्छे हैं.

चुनावी चकल्लस

ब्रीफ खबरें

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा से एक बंदी हुआ रिहा

रांची। बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा से रविवार को एक बंदी हुआ रिहा. झालसा निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार जेल अदालत का आयोजन किया गया था. यह आयोजन डालसा सचिव कमलेश बेहरा की अध्यक्षता में किया गया. इस दौरान विभिन्न न्यायालयों में लंबित वाद निष्पादन के निमित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार में संसीमित आठ बंदियों का आवेदन जेल अदालत के लिए समर्पित किया गया था, जिसमें वादों का निष्पादन करते हुए एक बंदी को दोष स्वीकार के बाद जेल अदालत का लाभ देते हुए कारा से मुक्त किया गया. इसके अलावा जेल अदालत सह-विधिक जागरूकता शिविर में बंदियों को विधिक जागरूकता के अंतर्गत एलएडीसी अधिवक्ता, रांची द्वारा नालसा और डालसा द्वारा बंदियों को दी गई कानूनी सुविधाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया और उनके द्वारा प्रतिक्रिया भी ली गई.

स्क्रीनिंग के नाम पर की जा रही खानापूर्ति, करमा पर्व के मौके पर प्रत्याशियों का इंटरव्यू लिया

विधानसभा चुनाव की तैयारी या आईवॉश

कौशल आनंद। रांची

- प्रत्याशी कैसे ला पाएंगे समर्थक-हर विस से आठ से दस दावेदार आ रहे हैं सामने
- प्रत्याशी बता रहे हैं वे क्यों हैं दावेदार, शहरी सीट कांग्रेस को ही लड़ने का दबाव
- दावेदारी के दावे और पार्टी की जमीनी हकीकत जानने के लिए कांग्रेस ने सर्वे कराने के लिए उतारे तीन-तीन टीम

हर पार्टी की तरह कांग्रेस भी विधानसभा चुनाव तैयारी पूरे जोर-शोर से कर रही है. नए प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश लगातार जिलों के दौरे पर हैं. निजी तौर पर कांग्रेस कार्यकर्ता से संवाद स्थापित कर रहे हैं. इसके साथ ही पार्टी पूरी 81 सीट पर चुनाव तैयारी को लेकर अपनी ताकत आंकने में जुटी है. प्रत्याशियों के चयन के लिए स्क्रीनिंग कमेटी भी सक्रिय है. हर दिन पांच से सात विधानसभा सीट के लिए आए आवेदन और आवेदकों का इंटरव्यू किया जा रहा है. मगर इंटरव्यू का जो तरीका और टाइमिंग तय किया जा रहा है. उस पर सवाल उठने लगे हैं. झारखंड में करमा आदिवासी-मूलवासियों का अहम त्योहार के रूप में जाना जाता है. अधिकांश लोगों तीन से चार दिन उस पर्व में न चाहते हुए भी बिजी रहते हैं. अब ऐसे वक्त पर दावेदारों का इंटरव्यू बंद कमरे में कराना कहां से उचित है. चुनाव लड़ने के इच्छुक व्यक्ति चाह कर भी अपने समर्थकों की भीड़ नहीं जुटा पा रहे हैं. यानि कि दावेदारों की दावेदारी को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है. सवाल उठाया जा रहा है कि स्क्रीनिंग कमेटी के पदाधिकारी भले दूसरे राज्य के हैं, मगर स्थानीय नेता क्यों करमा जैसे पर्व पर इंटरव्यू का तिथि तय कर रहे हैं. रविवार को लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, कोलेबिरा, सिसई, विशुनपुर और खूंटी विधानसभा सीट के दावेदारों की स्क्रीनिंग होगी. जबकि यह सीट पूर्णतः आदिवासी बहुल है और रविवार को करमा पर्व का बसौड़ी है, जिसमें आदिवासी समुदाय बिजी रहेंगे. इसलिए इस इंटरव्यू को आईवॉश ही कहा जा रहा है. अंततः सीट और प्रत्याशी तो प्रदेश के बड़े नेता और पार्टी नेतृत्व ही करेगी, क्योंकि कांग्रेस तो इंडिया गठबंधन के तहत ही चुनाव लड़ेगी, सीट भी करीब-करीब तय है.

हटिया सीट पर अजय नाथ शाहदेव को अपनों से ही अधिक खतरा

हटिया सीट से प्रबल और स्वाभाविक दावेदार अजय नाथ शाहदेव ही हैं. मगर उन्हें दूसरों से अधिक अपनों से ही खतरा है. गत दिवस हुए स्क्रीनिंग और इंटरव्यू में हटिया सीट के प्रबल दावेदार अजय नाथ शाहदेव, आलोक कुमार दूबे, विनय सिन्हा दीपू, लाल प्रेमनाथ शाहदेव, किशोर शाहदेव, आलोक दूबे, अमरेंद्र सिंह और अभिलाष साहू आदि शामिल हुए. जिसमें करीब-करीब सभी ने अजय नाथ शादहेव की दावेदारी को चुनौती दी. कहा कि अगर वे चाहते तो 2019 में ही चुनाव जीत जाते, मगर वे हार गए. दूसरा वे दूसरे पार्टी के भी संपर्क में बने हुए हैं. कब वे कहां चले जाएंगे, पता नहीं. वे ग्रास रूट कांग्रेसी भी नहीं रहे हैं. इसलिए हटिया सीट से ग्राम रूट कांग्रेसी को ही टिकट दिया जाना चाहिए.

रांची सहित अन्य शहरी सीट कांग्रेस के लिए छोड़ने का दिया जा रहा स्क्रीनिंग कमेटी को तर्क

गत दिवस रांची, हटिया, खिजरी, कांके, मांडर और सिल्ली के लिए स्क्रीनिंग और इंटरव्यू हुआ. जिसमें शहरी सीट रांची और हटिया को लेकर अधिक दावेदार सामने आए. सभी का इंटरव्यू हुआ, जिसमें स्क्रीनिंग कमेटी के पदाधिकारियों को दावेदारों ने तर्क दिया कि रांची वैश्य बहुल सीट है. उपर से यह शहरी सीट रहा है. कभी इस सीट पर कांग्रेस का एकछत्र राज चलता था. इसलिए यह सीट कांग्रेस को ही लड़ना चाहिए. इतना ही राज्य के अन्य शहरी सीट पर भी कांग्रेस को लड़ने का सुझाव दिया जा रहा है. दावेदारों से उनके दावेदारी का तर्क और कारण पूछा जा रहा है.

कांग्रेस पार्टी ने उतारी सर्वे टीम, कई बिंदुओं पर कर रही है रिपोर्ट तैयार

कांग्रेस पार्टी दावेदारों के दावेदारी और पार्टी की ग्राऊंड लेबल स्थिति जानने के लिए तीन-तीन सर्वे टीम तैनात कर दी है. यह टीम तीन से चार बिंदुओं पर सर्वे करके अपनी रिपोर्ट पार्टी केंद्रीय नेतृत्व को देगी. सर्वे टीम कौन सा प्रत्याशी जिताऊ होगा? पार्टी किस सीट पर अधिक मजबूत है? सीटिंग विधायक की वर्तमान में क्या स्थिति है अर्थात फिर से जीतने की स्थिति में है या नहीं? हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही गठबंधन की सरकार की काम-काज को लेकर ग्राउंड में क्या स्थिति है? आदि बिंदुओं पर रिपोर्ट तैयारी करेगी.

यह दुष्प्रचार किया गया कि झारखंड आदिवासी बहुल राज्य है : मंच

ओबीसी एकता अधिकार मंच सभी विस सीटों पर चुनाव लड़ेगा: बीडी प्रसाद

संवाददाता। रांची

मीडिया को जानकारी देते बीडी प्रसाद व अन्य

ओबीसी एकता अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा है कि ओबीसी एकता अधिकार मंच राज्य की सभी 81 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में है. हमारा राज्य ओबीसी बहुल है. इसलिए स्वाभाविक रूप से हम राजनीति में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेंगे. उन्होंने कहा कि जहां अनारक्षित सीट होगी वहां हम ओबीसी प्रत्याशी देने की तैयारी करेंगे. इसके अलावा जहां आरक्षित सीट है, वहां हम ओबीसी एकता अधिकार मंच के समर्थित प्रत्याशियों को टिकट देने का काम करेंगे. इस संबंध में श्री प्रसाद ने शनिवार को एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया है.

श्री प्रसाद ने कहा कि झारखंड में यह लंबे समय से यह प्रोपगेंडा फैलाया गया कि झारखंड आदिवासी बहुल राज्य है. उन्होंने दावा किया कि पलामू प्रमंडल में 11 सीटों पर हमारे प्रत्याशी मजबूती से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि पलामू प्रमंडल और उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल और रांची सहित कई अन्य जिलों में ओबीसी की आबादी करीब 65 प्रतिशत है. पूरे राज्य के अन्य हिस्सों में हमारी आबादी करीब 52-53 प्रतिशत है. हम ओबीसी समाज के हक-अधिकार के लिए कृत संकल्पित हैं. इससे हमें कोई डिगा नहीं सकता. अब ओबीसी समाज राजनीति में प्रमुख रूप से अपनी सहभागिता निभाएगा, क्योंकि हमारे समाज के बिना राज्य में सरकार नहीं बन सकती.

उन्होंने कहा कि 2020 से लटक रहे नगर निकाय चुनाव को टालने का राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है. झारखंड हाईकोर्ट में बार-बार सरकार को फटकार पड़ रही है. इसके बावजूद सरकार कोई न कोई बहाने बनाकर चुनाव से पल्ला झाड़ना चाह रही है. इससे सरकार की मंशा का पता चलता है. उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार ओबीसी को समुचित आरक्षण देने की वकालत करती है वहीं दूसरी ओर कोर्ट में निकाय चुनाव को रोकने पर भी आमादा है. उन्होंने कहा कि सरकार ने जनवरी में राज्य में एक साथ सभी नगर निकायों का चुनाव कराने का निर्णय लिया था, जिसकी तैयारी फरवरी 2023 में लगभग पूरी हो चुकी थी.

मूलवासी सदान मोर्चा रांची जिला की ओर से विचार गोष्ठी आयोजित

आंदोलन से जुड़े लोगों को राष्ट्रीय दल उम्मीदवार बनाएं: राजेंद्र

संवाददाता। रांची

मूलवासी सदान मोर्चा

हम सदान राजनीतिक दलों के लिए अपना जीवन दे देते हैं लेकिन सदानों के अधिकारों को लेकर संघर्ष करने वाले लोगों की बाल बच्चों के भविष्य और अधिकार के लिए कोई दल कुछ नहीं करते हैं. वैसे सदान, सांसद विधायक भी हमारे कोई काम के नहीं जो मूलवासी सदानों की उपेक्षा पर चुप रहते हैं. जिन्हें हम जिता सकते हैं, उन्हें हरा भी सकते हैं. उक्त बातें रविवार को मूलवासी सदान मोर्चा रांची जिला की ओर से आयोजित विचार गोष्ठी रातू के आम टांड़ में मुख्य अतिथि मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने कही.

राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि 65% मूलवासी सदानों के लिए झारखंड में विकट स्थिति पैदा हो गई है. अब सदानों की भाषा संस्कृति पर भी हमला हो रहा है. सदानों ने सामाजिक संगठन के रूप में राजनीतिक दल को जिताने और हराने के लिए काम करते रहे हैं. अब उन राजनीतिक दलों का दायित्व है, की मूलवासी सदान संगठन से जुड़े लोगों को भी विधानसभा का टिकट दें.

जिला अध्यक्ष मुरारी गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया. प्रदीप प्रकाश ने कहा कि मूलवासी सदानों की मांगों को राजनीतिक दल अपने मेनिफेस्टो में शामिल करें. बासुदेव महतो ने कहा कि कुछ ऐसे राजनीतिक दल है, जिसका झारखंड में कोई जनाधार नहीं है. इसके बावजूद राष्ट्रीय पार्टी गठबंधन कर विधानसभा में टिकट मांग रही है. कार्यक्रम का संचालन हजारी प्रसाद मोदी ने किया. धन्यवाद ज्ञापन इंद्राणी देवी ने किया.

कायस्थ महासभा ने सांसद संजय सेठ व रेल मंत्री को भेजा पत्र

रांची से भोपाल होते हुई इंदौर के लिए सीधी ट्रेन सेवा शुरू हो

रांची। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की झारखंड शाखा के प्रवक्ता सह रांची जिला अध्यक्ष शैलेश कुमार सिन्हा ने राजधानी रांची से मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल होते हुए इंदौर तक सीधी रेल सेवा की मांग करते हुए सांसद सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और रेल मंत्री को ज्ञापन सौंपा है. सिन्हा ने कहा है कि रांची की इंदौर से सीधी रेल कनेक्टिविची नहीं होने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. नतीजतन आम लोगों को भोपाल और इंदौर जाने के लिए 8 से 10 घंटे ज्यादा बर्बाद हो जाते हैं और वरिष्ठ नागरिकों को एक की जगह दो -दो बार ट्रेन पकड़ने के लिए प्लेटफार्म बदलना पड़ता है. ऐसे में खास कर बुजुर्गों को भारी समस्या होती है. रांची से इंदौर के लिए सीधी ट्रेन सेवा की सुविधा नहीं होने के कारण परिवार के बुजुर्ग अपने परिजनों से मिलने से वंचित हो जाते हैं.

क्लासिफाइड

आंकड़ा डेढ़ महीने पहले राज्य की जेलों में 5312 सजायफ्ता कैदी थे

झारखंड की जेलों में 127 सजायफ्ता कैदी कम हुए

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड की जेलों में 127 सजायफ्ता कैदी कम हुए, इसके साथ ही अंडर ट्रायल कैदी की संख्या में भी कमी आयी है. आज से डेढ़ महीने पहले राज्य के जेल में 5312 सजायफ्ता कैदी बंद थे. वर्तमान में 5194 कैदी बंद है. वहीं दूसरी तरफ डेढ़ महीने पहले 12397 अंडर ट्रायल कैदी जेल में बंद थे. वर्तमान में जिसकी संख्या कम होकर 12339 रह गयी है. झारखंड में कुल 31 जेल हैं. जिनमें सात सेंट्रल जेल, 16 डिस्ट्रिक्ट जेल, हजारीबाग में एक ओपन जेल और सात सब-जेल हैं. इन जेलों में कुल 17533 कुल कैदी बंद हैं.

856 महिला कैदी, पर अब तक नहीं बन सकी एक भी महिला जेल : झारखंड में कुल 868 महिला कैदी हैं. लेकिन यहां अब तक महिला कैदियों के लिए अलग से जेल नहीं बनाई गई है. जबकि पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल और बिहार में महिलाओं के लिए अलग से जेल है. तमिलनाडु में 13 महिला जेल हैं, जिसमें 790 महिला कैदी को रखा गया है. केरल के चार महिला जेलों में 186 महिला बंदी हैं. राजस्थान में सात महिला जेल में 688 महिला बंदी हैं. बिहार में 2890 महिलाएं जेल में बंद हैं. बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, गुजरात जैसे राज्य में दो-दो महिला जेल हैं.

जानें किस जेल में कितने कैदी हैं बंद

जेल	सजायफ्ता	अंडर ट्रायल	जेल	सजायफ्ता	अंडर ट्रायल
रांची	1334	1821	लातेहार	07	399
देवघर	110	300	लोहरदगा	32	260
दुमका	651	533	पाकुड	33	282
जमशेदपुर	995	694	साहिबगंज	38	248
गिरिडीह	122	575	साकची	35	184
हजारीबाग	1079	547	सरायकेला	10	427
पलामू	336	712	सिमडेगा	10	360
चाईबासा	62	803	बरही	00	05
चास	77	230	घाटशिला	06	176
चतरा	19	447	खूंटी	06	493
धनबाद	63	585	मधुपुर	27	123
गढ़वा	57	416	रामगढ़	03	255
गोड्डा	05	324	राजमहल	01	102
गुमला	42	456	तेनुघाट	17	168
जामता	04	151	ओपन जेल	05	64
कोडरमा	09	197	कुल	5194	12339

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, सोमवार 16 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 13 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 159

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	24.8	23.9
जमशेदपुर	25.3	22.6
डालटनगंज	27.4	23.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	69,500
चांदी (किलो)	90,000

पीएम ने दी कई सौगातें

- 660 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं की डिजिटल माध्यम से शुरुआत की
- देवघर में मधुपुर बाईपास लाइन-हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो की आधारशिला रखी
- कुरकुरा-कनारौन रेल दोहरीकरण परियोजना भी राष्ट्र को समर्पित की
- पीएमएवाई-जी के तहत 32, 000 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए
- घरों के लिए 32 करोड़ की पहली किश्त जारी की
- देश भर में पीएमएवाई – जी के 46,000 लाभार्थियों को चाबियां भी सौंपी

ब्रीफ खबरें

एक देश-एक चुनाव पर सरकार गंभीर

नयी दिल्ली। भाजपानीत एनडीए सरकार अपने इसी कार्यकाल में एक देश, एक चुनाव को लागू कर सकती है. एनडीए को भरोसा है कि इस पर सभी दलों का साथ मिलेगा. पीएम नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर यह जानकारी सामने आई है. पीएम ने पिछले महीने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में एक देश, एक चुनाव की जोरदार वकालत की थी.

भूटान भी नहीं होने देगा भारत विरोधी गतिविधियां

नयी दिल्ली। हिमालय की गोद में बसा देश भूटान अपने शांतिपूर्ण जीवन, प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है. भूटान ने घोषणा की है कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल नहीं होने देगा. भूटान ने कहा है कि आतंकवाद के मुद्दे पर वह पूरी तरह भारत के साथ है.

पीएम मोदी ओडिशा की महिलाओं को देंगे तोहफा

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी अपने जन्मदिन 17 सितंबर को ओडिशा की महिलाओं के लिए सुभद्रा योजना का शुभारंभ करने जा रहे हैं. केंद्रीय शिक्षा मंत्री और पश्चिम ओडिशा का केंद्र कहे जाने वाली संबलपुर लोकसभा सीट से बड़ी जीत हासिल करने वाले धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि सुभद्रा योजना को लेकर ओड़िशा की मातृशक्ति में अद्भुत उत्साह है.

जादू-टोना के शक में 5 को उतारा मौत के घाट

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल सुकमा जिले के एक गांव में रविवार को जादू-टोना करने के शक में दो दंपती समेत एक अन्य महिला की कथित तौर पर पीट-पीटकर पांच लोगों की हत्या कर दी गई. पुलिस ने बताया कि हत्या के सिलसिले में एक ही गांव के पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है. पुलिस ने बताया कि हत्या की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए.

मालदा में कांग्रेस नेता की गोली मारकर हत्या

मालदा। पश्चिम बंगाल के मालदा में रविवार को बदमाशों ने दिनदहाड़े कांग्रेस के एक नेता की हत्या कर दी. घटना मानिकचक के धरमपुर स्टैंड के पास स्थित बाजार में घटी. मृतक का नाम शेख सैफुद्दीन था, जो कांग्रेस से जुड़ा हुआ था. हमले में कांग्रेस नेता ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. मृतक के बेटे ने इस हमले का आरोप टीएमसी के अपराधियों पर लगाया है.

विज ने कर दी सीएम पद की दावेदारी

चंडीगढ़। हरियाणा विस चुनाव को लेकर रस्साकशी लगातार बढ़ती जा रही है. इसी कड़ी में, भाजपा नेता और मंत्री अनिल विज ने सीएम पद पर दावा ठोक दिया है. उन्होंने कहा, भाजपा में सबसे सीनियर होने के नाते मैं यह मांग रखूंगा कि अगर पार्टी सत्ता में आए, तो उन्हें सीएम बनाया जाना चाहिए.

झारखंड दौरा : पीएम नरेंद्र मोदी ने जमशेदपुर में फूंका विधानसभा चुनाव का बिगुल, कहा

झामुमो में घुस गया कांग्रेस का भूत, हो जाएं सावधान

शुभम संदेश टीम। जमशेदपुर/रांची

पीएम नरेंद्र मोदी ने झारखंड गठबंधन सरकार पर जम कर निशाना साधा है. कहा कि झारखंड के तीन बड़े दुश्मन हैं. झामुमो, आरजेडी और कांग्रेस. यहां के लोग इन्हें जल्दी पहचान लेंगे, तो ही राज्य का भाग्य सुधरेगा. कांग्रेस को झारखंड से नफरत है. राजद आज भी झारखंड निर्माण का बदला ले रहा है. कांग्रेस ने दलित, पिछड़ों-आदिवासियों को आगे बढ़ने नहीं दिया. पीएम मोदी रविवार को जमशेदपुर के गोपाल मैदान में जनसभा में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि भाजपा केंद्र में रह कर भी सेवा भाव से काम कर रही है. झारखंड में भाजपा को मौका दें. मौके पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, हिमंता विस्वा सरमा, संजय सेठ, बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा, चंपाई सोरेन, अमर बाउरी समेत कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे.

पनप रहे नौकरी बेचने वाले गिरोह : पीएम ने कहा कि हर साल जेएसएससी परीक्षा करवाने का वादा किया. लेकिन वादा पूरा करने की जगह सरकार के संरक्षण में नौकरी बेचने वाले गिरोह पनप रहे हैं. यहां पेपर लीक करने वालों को सह दी जा रही. युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली ऐसी सरकार को हटाना ही होगा. जनता झारखंड के विकास के लिए वोट करेगी.

देश की महाबेईमान पार्टी है कांग्रेस : पीएम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की महाबेईमान और भ्रष्ट पार्टी है कांग्रेस पार्टी. इस देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है कांग्रेस का परिवार. भ्रष्टाचार की सारी धाराएं वहीं से निकलती हैं. जेएमएम वाले भी उसी स्कूल से ट्रेनिंग लेते हैं. उस स्कूल का नाम है कांग्रेस स्कूल ऑफ करप्शन. झामुमो ने पांच साल में केवल एक ही काम किया है. झारखंड की लूट और चारों तरफ भ्रष्टाचार. पीएम ने कहा कि झामुमो में भी कांग्रेस का भूत घुस गया है. झामुमो भी कांग्रेस की तरह परिवार की राजनीति कर रहा. परिवारवादियों ने ही देश को लूटा है. इनसे सावधान रहें.

मंईयां और अबुआ आवास के नाम पर हो रही वसूली

पीएम ने मईंया सम्मान योजना और अबुआ आवास योजना को लेकर भी हेमंत सरकार पर तंज कसा. कहा कि मंईंया सम्मान योजना के नाम पर 3000-3000 और अबुआ आवास के नाम पर 25 हजार तक की वसूली हो रही है. केंद्र की योजनाओं पर भी ये पिछले दरवाजे से घुस कर वसूली कर रहे हैं. राज्य सरकार ने पेट्रोल-डीजल देने की बात कही थी. यह योजना भी झूठा दिलासा देने वाली निकली. महिलाओं को पैसे देने के नाम पर नए-नए तिकड़म लगा रहे हैं. ऐसे लोगों को सरकार से निकालना है. झारखंड में झूठ की दुकान खोली जा रही है. जेएमएम वाले भी जब कुछ देने की बात करें, तो सावधान रहने की जरूरत है. जब भी ये देने की बात करें, तो आपकी ही जेब में डाका डालेंगे.

दौड़ में हुई की मौतों की कराएंगे जांच

मोदी ने कहा कि भर्ती के नाम पर 15 से अधिक युवाओं की जान गई. राज्य सरकार की गलत व्यवस्था के कारण युवा जान गंवा बैठे. जिनकी जिंदगी गई, उनको मैं श्रद्धांजलि देता हूं. वादा करता हूं कि कुछ ही महीनों के बाद बीजेपी की सरकार बनेगी,तो इसकी जांच कराई जाएगी. जिम्मेवार लोगों पर शिकंजा कसा जाएगा. झारखंड में सरकार के संरक्षण में खनिज की लूट हो रही है. सेना की जमीन को भी नहीं छोड़ा. जमीन बचाने के लिए बोर्ड लगाना पड़ता है, कि जमीन बिकाऊ नहीं है. जेएमएम के जाने की बेला आ गई है. सत्ता जाने के डर से इन्होंने झूठ का पिटारा खोल दिया है. बेरोजगारी भत्ता, नौकरी, शहरी रोजगार की सभी योजनाएं बंद हो गईं.

चंपाई और सीता सोरेन को अपमानित किया गया

जेएमएम वाले वोट लेने के नाम पर आदिवासियों के नाम पर राजनीति करते हैं. लेकिन जेएमएम के लिए आदिवासी समाज का सम्मान नहीं अपना सियासी फायदा सबसे ऊपर है. जिस तरह चंपाई सोरेन से मुख्यमंत्री की कुर्सी हथियाने के लिए उनको अपमानित करके हटाया गया. उससे झारखंड के हर गरीब आदिवासी को दिल को गहरी चोट पहुची है. सीता सोरेन को अपने ही परिवार ने अपमानित और बेदखल किया. इसका जवाब झारखंड का हर आदिवासी देगा.

सबसे बड़ा मुद्दा है संथाल में बांग्लादेशी घुसपैठ

झारखंड का बड़ा मुद्दा है बांग्लादेशी घुसपैठ. हर झारखंडी के लिए चिंता का विषय है. दो तीन दिन पहले ही झारखंड हाईकोर्ट ने स्वतंत्र पैनल से घुसपैठ की जांच का आदेश दिया है. लेकिन यहां की सरकार मानने को तैयार नहीं कि राज्य में घुसपैठ हुई है. संथाल और कोल्हान में बांग्लादेशी-रोहिंग्या घुसपैठ बहुत बड़ा खतरा है. इस पूरे क्षेत्र की पहचान यहां की डेमोग्राफी बहुत तेजी से बदल रही है.

कांग्रेस पार्टी ने किया था खटा-खट का वादा

पीएम मोदी ने कहा कि ढेर सारी घोषणाएं कांग्रेस पार्टी ने भी की थी. कांग्रेस ने पिछले लोकसभा चुनाव में युवाओं और महिलाओं को एक-एक लाख रुपए देने का वादा किया था. महिलाएं कांग्रेस दफ्तर पर पैसे मांगने गईं, तो उन्हें अपमानित किया गया. जहां-जहां कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां-वहां ऐसी ही झूठ की दुकान खोली जा रही है. दशकों तक आदिवासी युवाओं को पिछड़ा रखा गया.

बोले पीएम

- देश की महाबेईमान और भ्रष्ट पार्टी है कांग्रेस
- झामुमो ने ली है कांग्रेस स्कूल ऑफ करप्शन से ट्रेनिंग
- मंईयां व अबुआ आवास योजना के नाम पर हो रही वसूली
- सत्ता जाने के डर से खोल दिया है झूठ का पिटारा
- दौड़ में हुए अभ्यर्थियों की मौत की कराएंगे जांच

हर परीक्षा में गड़बड़ी

पीएम मोदी ने कहा कि झारखंड की वर्तमान सरकार को किसी की चिंता नहीं है. उन्होंने कहा कि हर परीक्षा गड़बड़ी का शिकार है. युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली ऐसी सरकार को हमें झारखंड से हटाना ही होगा. आपसे यहां की सरकार झूठ बोल सकती है, झूठे वादे कर सकती है. इन्होंने गरीबों को पेट्रोल-डीजल देने की योजना चलाई. उनकी यह योजना भी झूठी दिलासा थी. उसे भी दो महीने में बंद कर दिया.

पीएम ने दिखाई छह वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी, कहा

सबका साथ-सबका विकास ने प्राथमिकताओं को बदल दिया

प्रमुख संवाददाता। रांची

इन वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी
- टाटानगर-पटना
- ब्रह्मपुर-टाटानगर
- राउरकेला-हावड़ा
- देवघर-वाराणसी
- भागलपुर-हावड़ा
- गया-हावड़ा

पीएम नरेंद्र मोदी ने रांची एयरपोर्ट से वर्चुअल मोड में छह वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई. इसके साथ ही झारखंड की कुछअन्य योजनाओं का भी वर्चुअल उद्घाटन और शिलान्यास किया. मौके पर पीएम ने कहा कि सबका साथ सबका विकास के मंत्र ने देश की सोच और प्राथमिकताओं को बदल दिया है. पिछड़ा, दलित, महिला, वंचित, युवा, किसान और गरीब देश की प्राथमिकता है. वंदे भारत ट्रेन के संचालन से अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी. कारोबारियों और छात्रों को लाभ होगा. आज हर राज्य- हर शहर वंदे भारत जैसी ट्रेन चाहता है. दूसरे राज्यों की तरह झारखंड को भी वंदे भारत जैसी हाइटेक ट्रेन मिल रही है. काशी से देवघर के लिए वंदे भारत ट्रेन की सुविधा होगी. काफी संख्या में लोग बाबा बैद्यानाथ के दर्शन करने भी आएंगे. पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा. -शेष पेज 11 पर

खराब मौसम की वजह से सड़क मार्ग से जमशेदपुर पहुंचे : पीएम मोदी जमशेदपुर में भाजपा की एक विशाल रैली को भी संबोधित किया. खराब मौसम की वजह से पीएम मोदी सड़क मार्ग से जमशेदपुर पहुंचे. पीएम मोदी ने कहा कि आज मैं इन सभी परियोजनाओं की शुरुआत आपके बीच रह कर करना चाहता था, लेकिन प्रकृति ने मेरा साथ नहीं दिया. इस वजह से अब मैं यह सारे काम ऑनलाइन माध्यम से कर रहा हूं. जमशेदपुर में पीएम का रोड शो भी रद्द कर दिया गया.

पीएम को सीएम ने एयरपोर्ट पर दी विदाई

रांची। सीएम हेमंत सोरेन ने रविवार को पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम से दूरी बना ली. प्रधानमंत्री का केवल वंदे भारत ट्रेन का लोकार्पण ही सरकारी कार्यक्रम था. पीएम मोदी ने रांची एयर पोर्ट से ही छह वंदे भारत ट्रेन को वर्चुअली हरी झंडी दिखा कर रवाना किया. इस सरकारी कार्यक्रम में भी सीएम हेमंत सोरेन शामिल नहीं हुए. हालांकि रेलवे अफसरों से इस कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया था. जानकारी के अनुसार जमशेदपुर की जनसभा विशुद्ध भाजपा का राजनीतिक कार्यक्रम है, इसलिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जमशेदपुर भी नहीं गए. हालांकि जमशेदपुर से वापसी के मौके पर सीएम हेमंत सोरेन बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचे और प्रधानमंत्री मोदी को झारखंड आगमन पर उनका स्वागत किया. इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट कर विदाई दी.

झामुमो का पलटवार

भाजपा में है भूतों का जमावड़ा

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने पीएम मोदी के दौरे और उनकी स्पीच को लेकर पलटवार किया है. लोगों को उम्मीद थी कि पीएम मोदी चुनावी मौसम में यहां आए हैं, तो राज्य की माइनिंग रॉयल्टी का बकाया 1 लाख 36 हजार करोड़, सरना धर्म कोड और ओबीसी आरक्षण पर कुछ घोषणा करेंगे. मगर इन सबका नाम तक नहीं लिया. यहां तक कि चंपाई सोरेन समेत पांच-पांच पूर्व सीएम भी अपने नेता से यह बात बुलवा नहीं सके. अब इन्हें आने वाले दिनों में जनता को जवाब देना होगा, नहीं तो वे किस मुंह से जनता के बीच जाएंगे. ये बातें झामुमो प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कहीं. उन्होंने कहा कि मोदी जी पूरी तरह से हताश और निराश दिखे. क्या-क्या बोल गए, उन्हें भी पता नहीं चलेगा. -शेष पेज 11 पर

केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने दिया विवादित बयान, कहा

राहुल देश के नंबर-1 आतंकी उनपर तो इनाम होना चाहिए

एजेंसी। भागलपुर

केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर विवादित बयान दिया है. बिट्टू ने नेता प्रतिपक्ष को देश का नंबर वन आतंकी बताया है. मंत्री बिट्टू ने कहा, राहुल ने सिखों को बांटने की कोशिश की है. राहुल गांधी देश के नंबर वन टेरेरिस्ट हैं.

केंद्रीय मंत्री बिट्टू ने कहा, मैंने चैलेंज किया है कोई सिख जो यहां खड़ा है जो किसी पार्टी से जुड़ा नहीं है. यहां बोल दे कि किसी ने उससे बोला कि आप कड़ा नहीं डाल सकते, किसी ने कहा हो आप पगड़ी नहीं डाल सकते, किसी ने कहा गुरुद्वारे नहीं जा सकते, एक सिख खड़ा होकर कह दे, मैं बीजेपी छोड़ दूंगा. चिंगारी लगाने के लिए पहले मुस्लिमों को यूज करने की कोशिश की, नहीं हुआ तो जो सिख देश की रक्षा करते हैं, उनमें फूट डालने की कोशिश करते हैं.

उन्होंने कहा, जो देश का वांटेड है वो जो बयान देता था वही बयान राहुल गांधी देते हैं. अलगाववादियों ने राहुल के बयान को सराहा है और उनकी बात राहुल ने कही है. जो हर वक्त लोगों को मारने की कोशिश करते हैं, उड़ाने की बात करते हैं, वो जब राहुल के समर्थन में आएं, तो समझ लीजिए देश के नंबर वन टेरेरिस्ट राहुल गांधी हैं और उनको पकड़ने के लिए सबसे बड़ा इनाम होना चाहिए. बिट्टू ने कहा, राहुल गांधी पहले तो हिन्दुस्तानी नहीं हैं, ज्यादा टाइम देश के बाहर बिताया है. इस वजह से उन्हें अपने देश से ज्यादा प्यार नहीं है.

बड़ा ऐलान अरविंद केजरीवाल बोले, दो दिन में छोड़ दूंगा दिल्ली के मुख्यमंत्री का पद, चुनाव के बाद ही संभालूंगा कुर्सी

इस्तीफे के बाद आप के विधायक चुनेंगे नया सीएम, कई लोग रेस में

एजेंसियां। नयी दिल्ली

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने ऐलान किया है कि दो दिन बाद सीएम पद से इस्तीफा दे देंगे. केजरीवाल ने रविवार को आम आदमी पार्टी के मुख्यालय में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यह बात कही.

उन्होंने कहा कि दो दिन के बाद मैं इस्तीफा देने जा रहा हूं, मैं तब तक सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा, जब तक जनता अपना फैसला नहीं सुना देती कि केजरीवाल ईमानदार है. इस दौरान उन्होंने भगत सिंह की जेल डायरी किताब भी दिखाई. उन्होंने कहा, भाजपा ने मुझ पर बेईमानी, भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं, अब जनता की अदालत में मेरी ईमानदारी का फैसला होगा. दो-तीन दिन में विधायकों की बैठक में नया सीएम चुना जाएगा. चुनाव तक मैं मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा. मनीष सिसोदिया भी कोई पद नहीं लेंगे, उनका भी यही सोचना है. केजरीवाल के दो दिन में इस्तीफा देने के सवाल पर दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा, रविवार है, सोमवार को ईद की छुट्टी है. वर्किंग डे 17 सितंबर को है. इस वजह से अरविंद ने दो दिन का समय लिया है. केजरीवाल के साथ मंच पर संजय सिंह, मनीष सिसोदिया और पंजाब के सीएम भगवंत मान मौजूद थे.

केजरीवाल के इस्तीफे के बाद आगे क्या : केजरीवाल ने कहा कि जनता को तय करना है कि केजरीवाल ईमानदार है या बेईमान. चुनाव के बाद जनता ने चुना तो पद पर बैठूंगा. चुनाव होने तक पार्टी दो-तीन दिन में नया मुख्यमंत्री चुनेगी. आतिशी, कैलाश गहलोत, गोपाल राय, सौरभ भारद्वाज और सुनीता केजरीवाल में से कोई एक मुख्यमंत्री बन सकता है. केजरीवाल का अब पूरा फोकस हरियाणा चुनाव पर होगा. 5 अक्टूबर को हरियाणा में वोटिंग है. राज्य में कांग्रेस से आप का गठबंधन नहीं हुआ है. इसके बाद यहां सभी सीटों पर पार्टी ने प्रत्याशी उतारे हैं.

केजरीवाल ने दिया ये मैसेज : केजरीवाल ने कहा कि भगत सिंह के बाद, 90-95 साल बाद आजाद भारत में एक क्रांतिकारी मुख्यमंत्री जेल गया. 15 अगस्त से 3 दिन पहले एलजी से कहा था कि मेरी जगह आतिशी को तिरंगा फहराने दिया जाए. चिट्ठी एलजी तक नहीं गई. दिल्ली सीएम ने कहा कि जब 14 साल के बाद भगवान राम वनवास से लौटे तो माता सीता को अग्नि परीक्षा देनी पड़ी थी. अब मैं अग्निपरीक्षा दूंगा.

केजरीवाल के इस्तीफे की वजह

दिल्ली शराब नीति केस में केजरीवाल 177 दिन बाद जेल से बेल पर बाहर आए. सुप्रीम कोर्ट ने शर्त रखी कि वो सीएम ऑफिस नहीं जाएंगे और ना ही किसी फाइल पर साइन करेंगे. यानी जेल से बाहर आने और मुख्यमंत्री रहते हुए भी उनके पास पावर नहीं रहा. सरकार कैबिनेट भरोसे चलेगी. वैसे भी दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल फरवरी 2025 में खत्म हो रहा है. यानी सरकार के पास चुनाव में सिर्फ 5 महीने ही बचे हैं. इस दौरान सरकारें लोकलुभावन चुनावी फैसले लेती हैं. केजरीवाल कोर्ट की शर्तों में बंधे. जेल से छूटने के बाद केजरीवाल के साथ सहानुभूति है.

इस्तीफे पर विपक्ष ने क्या कहा

- जिस व्यक्ति ने बड़े भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन चलाया, वह भ्रष्टाचार के साथ ऐसा समझौता करेगा. सोचा नहीं था. आज भारत के लोगों का सिर शर्म से झुक गया है.- **रविशंकर प्रसाद, भाजपा.**
- यह उनकी इच्छा है, अगर वह जेल में सीएम रह सकते हैं, तो बाहर भी सीएम रह सकते थे. हो सकता है कि कुछ और गंभीर मामले हों, जिन पर ध्यान देने की जरूरत है.- **अधीर रंजन चौधरी, कांग्रेस.**
- वह चाहते हैं कि दिल्ली में चुनाव हों और वह लोगों के बीच जाना चाहते हैं. वह जनता के बीच जाना चाहते हैं ताकि वे फैसला कर सकें और यह अच्छी बात है. वह सत्ता के भूखे नहीं हैं.- **फारूक अब्दुल्ला, नेशनल कांफ्रेंस**

पुलिस मुख्यालय ने सभी जिले के एसपी को अलर्ट जारी किया

रांची। 21 से 28 सितंबर तक माओवादी स्थापना सप्ताह मनाएंगे. 21 सितंबर 2004 के दिन एमसीसी और पीपुल्स वॉर ग्रुप को मिलाकर भाकपा माओवादी का गठन किया गया था. इसके बाद से माओवादी हर साल 21 से 28 सितंबर तक स्थापना दिवस सप्ताह मनाते हैं. इस दौरान यह संगठन कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करता है और हिंसक घटनाओं को अंजाम भी देता है.इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने जिले के एसपी को अलर्ट किया है. राज्य के वैसे जिले जहां नक्सलियों का प्रभाव ज्यादा है, वहां विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं. सभी जिलों के एसपी को कहा गया है कि सुरक्षा के लिहाज से सभी सुरक्षा कैंपों को विशेष अलर्ट पर रखा जाए. साथ ही वहां तैनात कर्मियों को भी सुरक्षा संबंधी निर्देश दिए गए हैं.

- भाकपा माओवादी का स्थापना सप्ताह 21 सितंबर से

विधानसभा चुनाव से पहले राजनीति के चाणक्य पूर्व सांसद सह केंद्रीय मंत्री ने किया धमाका

अटल विचार मंच अब राजनीतिक पार्टी, यशवंत ने की घोषणा

संवाददाता। रांची

विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर पार्टी लड़ेगी चुनाव

हजारीबाग के अटल भवन में रविवार को मीडिया से बात करते यशवंत सिन्हा.

जो लोग पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा को एक चूका हुआ तीर मान रहे थे वे अब अपने बंगले झांकने को तैयार हो जाएं. रविवार को हज़ारीबाग़ के अटल भवन में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के बेहद करीब रहे यशवंत सिन्हा ने एक प्रेस वार्ता का आयोजन कर कहा कि हम सब अटल विचार मंच के जरिए समाजसेवा की अलख कई वर्षों से जगाये हुए थे. कई लोगों को इस मंच ने मदद की, कई तरह के अवसर प्रदान किए. आज आगे बढ़ कर इस मंच की ओर से एक कदम और बढ़ाया जा रहा है. अटल विचार मंच की जब स्थापना हुई थी उस वक्त भारतीय जनता पार्टी अटल बिहारी बाजपेयी के आदर्शों व सिद्धांतों का अनुसरण कर उनके पदचिह्नों पर चल रही थी. आज की भारतीय जनता पार्टी अपने लक्ष्य से, अपने रास्ते से भटकी हुई है और मुद्दा विहीन है. देश तोड़ने की राजनीति कर रही है. इस मंच से कई बुद्धिजीवी वर्ग के लोग जुड़े हुए हैं, जो भाजपा के मूल सिद्धांतों से आज भी अपने आप को जोड़े हुए हैं. उनका भी विचार था कि हमलोग अटल विचार मंच को एक नया आयाम दें और जो मूल नीति सिद्धांत है उसको लेकर आगे का सफर तय करें. इसी सब को देखते हुए हमलोगों ने तय किया है कि अटल विचार मंच को हमलोग राजनीतिक पार्टी बनाएंगे और इसमें उनलोगों को उम्मीदवार बनाएंगे जो मंच की विचारधारा से सरोकार रखते हों.

सिन्हा ने कहा कि मैं खुद कोई चुनाव नहीं लड़ूंगा. मेरा काम मार्गदर्शक का होगा. पत्रकारों ने जब उनसे पूछा कि क्या उन्होंने इस संबंध में अपने पुत्र पूर्व सांसद जयंत सिन्हा से बात की है तो उन्होंने कहा कि नहीं उनकी जयंत सिन्हा से इस मुद्दे पर कोई बातचीत नहीं हुई है. प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने यह भी बताया कि हजारीबाग में ऐलान किया है कि आगामी विधानसभा चुनाव में सभी 81 सीटों पर पार्टी चुनाव लड़ने जा रही है. इसकी प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है. वैसे दावेदार जो ईमानदार होंगे उन्हें पार्टी पहले प्राथमिकता देगी. यशवंत सिन्हा ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि अटल विचार मंच कोई स्वयं सेवी संगठन या चंदा वसूलने की पार्टी नहीं है. यह पूर्ण रूप से राजनीतिक पार्टी रहेगी. उन्होंने सादे कार्यक्रम में अपने पार्टी की आधारशिला रखी है. क्या पार्टी किसी दूसरे पार्टी से गठबंधन करेगी या स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ेगी, इस प्रश्न पर उन्होंने कहा कि पहले सभी विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ना है. इसके बाद क्या स्वरूप बनता है उसे देखकर तैयारी की जाएगी. पार्टी के पहले कार्यक्रम में उनकी धर्मपत्नी नीलिमा सिन्हा समेत कई पुराने भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे. वहीं असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर उन्होंने कहा कि वे माहौल खराब करने के लिए झारखंड में कैंप कर रहे हैं.

कंप्यूटर ऑपरेटर संघ के लोगों ने राजभवन के समक्ष दिया धरना

संवाददाता। रांची

अपनी चार सूत्र मांगों को लेकर झारखंड राज्य आउटसोर्सिंग कंप्यूटर ऑपरेटर संघ से जुड़े ऑपरेटरों ने रविवार को राजभवन के समक्ष धरना दिया.राज्य में लगभग तीन हजार कंप्यूटर ऑपरेटर हैं, जो सचिवालय, राजभवन, विकास भवन, नगर निगम, अस्पताल, ब्लॉक समेत अन्य सरकारी कार्यालयों में कार्यरत हैं. ये सभी सरकारी विभागों का डेटा इंट्री, सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम में लोगों से मिले दस्तावेज की डेटा इंट्री, अबुआ आवास, पहचान पत्र समेत अन्य दस्तावेज के डाटा इंट्री का काम करते हैं . संघ ने कहा कि राज्य के सभी काम महत्वपूर्ण होता है. महंगाई में 15 हजार रुपये मासिक वेतन पर काम करना पड़ रहा है. इससे घर चलाना मुश्किल हो गया है. समान काम के एवज में 36 हजार रुपये महीना वेतन मिलना चाहिए था, लेकिन मांगों को ध्यान नहीं दिया गये.

क्या हैं मांगें

- समान काम के लिए समान वेतन दिया जाए.
- 60 साल तक काम सुनिश्चित किया जाए.
- काम का पैसा सरकार द्वारा भेजा जाए.
- एकमुश्त पैसा दिया जाए.

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो ने प्रधानमंत्री मोदी के भाषण पर किया पलटवार

कांग्रेस-झामुमो के दबाव में ही बना अलग झारखंड : कमलेश

विशेष संवाददाता। रांची

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा झारखंड को लेकर दिए गए भाषण पर कांग्रेस ने पलटवार किया है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि झारखंड के मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जानकारी रखनी चाहिए. उन्हें अलग राज्य के लिए हुए संघर्ष की कहानी याद नहीं की कितने लोगों की कुर्बानियों के बाद यह झारखंड राज्य अलग हुआ. झारखंड राज्य के गठन के लिए कांग्रेस के 13 मंत्रियों ने तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के इशारे पर अपना पद त्याग कर झारखंड निर्माण में अहम भूमिका निभाई थी. कांग्रेस और झामुमो के दबाव में बिहार विधानसभा से झारखंड अलग राज्य विधेयक पारित किया गया, जिसके फलस्वरूप झारखंड निर्माण का रास्ता साफ हुआ. लोकसभा मे राज्य गठन विधेयक को पूर्ण समर्थन देते हुए राज्यसभा में बहुमत वाली कांग्रेस ने विधेयक को पारित कराने का काम किया था.

इलेक्टोरल बॉण्ड घोटाले के बाद मोदी को भ्रष्टाचार पर बोलने हक नहीं : महतो ने कहा कि भ्रष्टाचार पर बात करने से पहले मोदी जी को विगत लोकसभा चुनाव परिणाम का आकलन करना चाहिए. इलेक्टोरल बॉण्ड के जरिए देश की अनेक कंपनियों से भाजपा के चंदा उगाही का सच जनता से छुपा हुआ नहीं है और उन कंपनियों को किस तरह से लाभ पहुंचाया गया यह भी छुपा नहीं है.

भाजपा शासन काल में घटा ओबीसी आरक्षण : उन्होंने कहा कि झारखंड में भाजपा के शासनकाल में पिछड़ों का आरक्षण 27% से 14 प्रतिशत कर दिया गया. महागठबंधन की सरकार ने इसे बढ़ा कर 27% करने का विधेयक पास कर मंजूरी के लिए भेज दिया है. परंतु मोदी के इशारे पर इसे एक कोने में रख दिया गया है.

सरना धर्म कोड को मोदी ने ठंडे बस्ते में डाल दिया

उन्होंने कहा कि झारखंड में आकर ही उन्हें आदिवासी हितों की याद आती है . झारखंड विधानसभा से सरना धर्म कोड पारित कराया गया है परंतु प्रधानमंत्री मोदी ने उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया है . नई संसद भवन का उद्घाटन हो या राम मंदिर के उद्घाटन समारोह का मामला हो आदिवासी महिला राष्ट्रपति का अपमान मोदी ने समय-समय पर किया है .

10 साल में युवाओं को रोजगार छीनने का काम किया : उन्होंने कहा कि अपने 10 वर्षों के शासनकाल में मोदी ने देश के युवाओं से रोजगार छिनने का काम किया है. झारखंड में महागठबंधन की सरकार जब से आई है, इसे अपदस्थ करने का षड्यंत्र रचा जाता रहा है. मोदी ने अपने शासनकाल में उद्योगपतियों का ऋण माफ किया उन्हें लाभ पहुंचाया.

हमारी सरकार आम, गरीब और किसानों को राहत दे रही : उन्होंने कहा कि झारखंड की महागठबंधन सरकार किसानों का ऋण माफ कर रही है. आम जनता का बिजली बिल माफ कर रही है, मुफ्त बिजली उपलब्ध करा रही है.युवाओं को रोजगार के अवसर दे रही है, महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना के तहत सम्मान राशि दे रही है, छात्राओ को सावित्रीबाई फुले योजना के तहत लाभ पहुंचा रही है, ऐसे अनेकों सैकड़ों काम है जो झारखंड में महागठबंधन की सरकार के दौरान हुए हैं और अभी भी हो रहे हैं. झारखंड में आधारभूत संरचना में तेजी से विकास हुआ है जिसके गवाह केंद्र सरकार द्वारा जारी आंकड़े हैं.

घुसपैठ पर उनके गृह मंत्री विफल : महतो ने कहा कि सत्ता के मोह ने प्रधानमंत्री की आंखों पर लालच का पट्टी बांध दिया है. इसके लिए घुसपैठ पर विफल अपने गृह मंत्री से सवाल पूछने की बजाय झारखंड सरकार पर उंगली उठा रहे हैं. देश की सीमाओं की रक्षा का भार केंद्र सरकार पर पूरी तरह से होता है अगर सीमापार से घुसपैठ होता है तो इसके लिए पूरी तरह से केंद्र जिम्मेवार होती है.

मंत्री बन्ना गुप्ता ने प्रधानमंत्री मोदी से पूछे आठ सवाल

विशेष संवाददाता। रांची

- कहा : क्या चंपाई को एनडीए का सीएम प्रत्याशी घोषित करेंगे-बिना सूचना के 130 किमी सड़क यात्रा की, फिर रांची भी लौट गए, क्या लॉ एंड ऑडर की समस्या दिखी
- झारखंड के बकाए और ओबीसी आरक्षण की घोषणा किए क्या

जमशेदपुर विधायक और राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने नेशनल हाईवे 33 फोरलेन में सफर का आनंद लिया. जमशेदपुर पहुंच कर एक सभा को संबोधित किया. अब उनसे झारखंड की जनता से जुड़े कुछ सवाल पूछना चाहता हूं.

- आदिवासियों के लिए सरना धर्म कोड लागू हुआ क्या? या वे यदि आदिवासी समुदाय के हितैषी हैं, तो कब तक इसकी घोषणा करेंगे.
- एक पिछड़ी जाति से वें आते हैं, चुनावी भाषणों में भी जिक्र करते हैं, तो पिछड़ों के लिए 27 % आरक्षण के विषय में कोई घोषणा उन्होंने किया क्या, नहीं तो क्यों नहीं किया.
- झारखंड की चुनी सरकार को अपदस्थ करने के लिए व्याकुल भाजपा क्या कथित तौर पर अपमानित हुए चंपाई सोरेन को एनडीए का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करेगी.
- सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी झारखंड का बकाया पैसा केंद्र सरकार ने हड़प लिया हैं, प्रधानमंत्री बताएं कि झारखंड को 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपए का बकाया भुगतान करने का आदेश दिया क्या.दो साल पहले प्रधानमंत्री जी ने नेशनल हाईवे 33 के फोरलेन कार्य का उद्घाटन ऑनलाइन किया था, आज वें स्वयं नेशनल हायवे 33 फोरलेन पर सफर किए इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं का अभिवादन भी स्वीकार किए लेकिन क्या उन्होंने देखा कि चांडिल गोलचक्कर के बाद करीब एक किलोमीटर सड़क का निर्माण आज भी अधूरा पड़ा हुआ है. दूसरी तरफ आज भी रेलवे ओवरब्रिज का कार्य अधूरा हैं जिस कारण आये दिन जाम होता हैं और सड़क दुर्घटना में झारखंड की जनता की जान जा रही हैं तो इन मौतों की जिम्मेदारी किसकी हैं. इन मौतों का भी कोई जांच होगा .
- दो साल पहले जिस सड़क का ऑनलाइन उद्घाटन आपने किया था आज उस नेशनल हाईवे की स्थिति है कि सड़क पर गड्ढे हो गए है कहीं पर फोड़े जैसे फूल गए हैं क्या इस भ्रष्टाचार की जांच कराएंगे.
- झारखंड की जनता का यह सवाल इसलिए जायज हैं क्योंकि आज आपने सारे प्रोटोकॉल तोड़कर आपने इस सड़क से यात्रा की हैं.झारखंड भाजपा हमारी सरकार पर लॉ एंड आर्डर खराब होने और नक्सली एवं आतंकवादी गतिविधियों के होने का दुष्प्रचार करती हैं. आज आपने बिना किसी पूर्व निर्धारित सूचना एवं तैयारी के 130 किलोमीटर तक सड़क मार्ग से यात्रा की और कार्यक्रम समाप्त होने के बाद पुनः उसी सड़क से वापस आये. आपसे पूछना चाहता हूं कहीं भी सुरक्षा में कमी आपको दिखी.लॉ एंड आर्डर में कोई दिक्कत दिखी.यही हैं झारखंड में मजबूत इंडिया गठबंधन सरकार की मजबूती और झारखंड पुलिस और अधिकारियों की लग्नशीलता एवं बेहतर कानूनी सेवा एवं व्यवस्था का स्वरूप है.

पंडाल के मामले में दुर्गा पूजा समिति सीएम से मिलने का करेगी प्रयास

- पुरानी विधानसभा मैदान में बन रहे पंडाल मामले में गतिरोध बरकरार
- प्रशासनिक अफसरों से मिलकर रामलला पूजा के लिए ली जाएगी अनुमति

शुभम किशोर। रांची

बैठक में इन बिंदुओं पर सहमति बनी

- रांची ज़िला दुर्गा पूजा समिति उपायुक्त एवं सदर अनुमंडलधिकारी से मिल कर रामलला पूजा समिति के लिए अनुमति मांगेगी.
- सभी पूजा समितियों ने एकजुट होकर कहा कि रामलला दुर्गा पूजा समिति की दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में होगी संपन्न.
- रांची सहित पूरे झारखंड में शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में दुर्गा पूजा संपन्न हो इस निमित्त मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलने का किया गया निर्णय.

रामलला दुर्गा पूजा समिति विवाद मामले को लेकर रविवार को रांची जिला दुर्गा पूजा समिति की एक आवश्यक बैठक प्रधान कार्यालय त्रिकोण हवन कुंड में संपन्न हुई. इस बैठक में अध्यक्ष विक्की यादव ने कहा कि इस मामले में जारी गतिरोध को जल्द समाप्त करने के लिए रांची जिला दुर्गा पूजा समिति समुचित कदम उठाएगी. समिति जल्द से जल्द इस मामले को लेकर सीएम हेमंत सोरेन से भी मिलने का प्रयास करेगी.

मुख्य संरक्षक मुनचुन राय ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रांची में भव्य रूप से दुर्गा पूजा मनेगी. लाखों श्रद्धालु मां भवानी के दर्शन करेंगे. कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र सिंह एवं महामंत्री कुंदन सिंह ने कहा कि इस मामले को लेकर सभी पूजा समिति एकजुट है. इस बैठक में मुख्य रूप से विक्की यादव, मुनचुन राय, राजेंद्र सिंह, कुंदन सिंह, अशोक पुरोहित, अशोक चौधरी, मनोज पांडे, मनोज गुप्ता, विश्वजीत घोष, आलोक साहू, ज्योति शंकर साहू, अंकित गुप्ता, रमेश गुप्ता, राजेश ठाकुर, नवीन साहू, शानू झा, रितेश साहू, विनोद गोप, संजय सिंह, नीरज यादव सहित कई दुर्गा पूजा आयोजक मौजूद रहे. बता दें रविवार को रांची के पुरानी विधानसभा मैदान में दुर्गा पूजा पंडाल के निर्माण को पुलिस ने फिर रोक दिया. इसके बाद समिति ने बैठक की.

राजधानी में दिनभर रुक-रुक कर होती रही बारिश, घरों में दुबके लोग

कई इलाकों में जमा हुआ पानी

संवाददाता। रांची

मौसम विभाग ने शनिवार को बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया था. इसका असर राजधानी में दिनभर देखने को मिला. रविवार को दिनभर रुक-रुक कर बारिश होती रही. इससे जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा. वहीं, निचले इलाकों में पानी जमा होने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा. इधर, दिन भर रुक-रुक कर बारिश होने के कारण सड़कों पर वाहनों व लोगों की संख्या कम दिखी.

स्टेशन रोड की टू लेन सड़क वन लेन में तब्दील हो गयी. ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि एक ओर की सड़क पर बारिश का पानी भर गया था. वहीं, कांटाटोली, बहू बाजार की सड़क पर जगह-जगह जलजमाव हो गया. बड़ा तालाब और सेवा सदन की सड़कों पर बारिश का पानी जमा हो गया. वहीं, रातू रोड में भी कब्रिस्तान के समीप बारिश का पानी सड़क पर आ गया. कचहरी रोड स्थित हलधर प्रेस गली, बिहार क्लब के पीछे वाली गली व जयपाल सिंह स्टेडियम के समीप भी कमोबेश ऐसी ही स्थिति बनी रही.

निगम ने जारी किया हेल्पलाइन नंबर : अगर किसी भी मोहल्ले में जलजमाव या कहीं पर घर में बारिश का पानी प्रवेश करता है, तो लोग इसकी सूचना निगम के हेल्पलाइन नंबर 18005701235 पर दे सकते हैं.

शिक्षण संस्थानों को बनाएं तंबाकू फ्री जोन

संवाददाता रांची

इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट भी हानिकारक

बताया गया कि ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे के अनुसार आजीवन तंबाकू का उपयोग करने वाले पांच प्रतिशत लोग 20 वर्ष की आयु से पहले ही इसका सेवन शुरू कर देते हैं . पत्र में बताया गया है कि इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट भी स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा करती है . जिसमें डीएनए क्षति, कैंसर का निर्माण और विभिन्न सांस, हृदय और अन्य नस संबंधी विकार उत्पन्न होते हैं . इसके अतिरिक्त वह भ्रूण के विकास और गर्भावस्था पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं . सचिव ने कहा कि तंबाकू और इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट अक्सर इसके प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करते हैं और छात्रों के सीखने के परिणामों को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं .

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने सभी शिक्षण संस्थानों को तंबाकू फ्री जोन बनाने का निर्देश जारी किया है. साथ ही सभी संस्थानों के लिए गाइडलाइन जारी की है. यूजीसी के सचिव ने सभी विवि के कुलपति, कॉलेजों के प्राचार्यों तथा उच्च शिक्षण संस्थानों के निदेशक को पत्र भेज कर कहा है कि तंबाकू का उपयोग मौतों और बीमारियों का प्रमुख कारण है. ग्लोबल यूथ टोबैको सर्वे -2019 के अनुसार 13 से 15 वर्ष की आयु के 8.5 प्रतिशत स्कूली छात्र किसी न किसी रूप में तंबाकू का उपयोग करते हैं. हर साल 5500 से अधिक बच्चे तंबाकू का उपयोग करना शुरू करते हैं. शैक्षिक संस्थानों को तंबाकू मुक्त जोन बनाने के लिए जागरूकता भी जरूरी है. तंबाकू उत्पादों की बिक्री व उपयोग के संबंध में कानूनी प्रावधानों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करें.

लोक सेवा समिति का सम्मान समारोह 21 को

रांची। लोक सेवा समिति की 33वीं वर्षगांठ और 25वें झारखंड रत्न सम्मान समारोह का आयोजन 21 सितंबर को होगा. संगीता सिंह की अध्यक्षता में रविवार को समिति की हुई बैठक में इसका निर्णय लिया गया. समारोह, मुख्य संरक्षक रहे आर्च बिशाप कार्डिनल तेलोस्फोर पी टोप्पो को समर्पित किया जाएगा. बैठक में विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर भी चर्चा हुई. अध्यक्ष मो नौशाद ने जोर दिया गया कि सामाजिक सरोकार और आपसी सौहार्द्र को बनाए रखना हमसभी की जिम्मेदारी है.

स्मार्ट मीटर वालों का आने लगा बिजली बिल

संवाददाता। रांची

रांची में बिजली के स्मार्ट मीटर के उपभोक्ताओं को व्हाट्सऐप से बिल भेजने का सिलसिला शुरू हो गया है. जिन उपभोक्ताओं की बिजली खपत 200 यूनिट से कम है, उनका बिल माफ कर दिया गया है. वहीं, जिनका बिल इससे कुछ अधिक है, तो उनके बिल को सिक्योरिटी मनी से एडजस्ट किया जा रहा है. पर कई उपभोक्ताओं का बिल ज्यादा होने की वजह से उनका बकाया दिखाया जा रहा है. जेबीवीएनएल की ओर से कहा गया है कि जिन उपभोक्ताओं का बकाया बिल है, वे उसका भुगतान कर दें. ताकि, प्रीपेड होने पर समस्या नहीं आयेगी. 16 सितंबर से स्मार्ट मीटर प्रीपेड होना शुरू हो जायेगा.

समस्या आने पर संपर्क करें

स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर किसी तरह की समस्या आती है, तो जेबीवीएनएल के चैटबोट नंबर 9431135503 पर संपर्क किया जा सकता है . यह एक ऑटो जेनरेटेड सॉफ्टवेयर के माध्यम से काम करता है . जेबीवीएनएल के कॉल सेंटर नंबर 1912 पर भी संपर्क किया जा सकता है . इस नंबर पर वैसे उपभोक्ता जिनका मीटर मोबाइल नंबर से नहीं जुड़ा है, वे भी संपर्क कर जोड़ सकते हैं .

रिचार्ज नहीं कराने पर मिलेदा संदेश : बताया गया कि 16 सितंबर के बाद से उपभोक्ताओं को पांच बार रिचार्ज के लिए संदेश भेजे जाएंगे. यदि फिर भी उपभोक्ता रिचार्ज नहीं कराते हैं, तो उन्हें वार्निंग दी जाएगी. इसके बाद भी रिचार्ज नहीं कराते हैं, तो उनकी बिजली काट दी जाएगी. कई उपभोक्ताओं ने पूछा है कि उनकी खपत 200 यूनिट से कम होती है, तो वे रिचार्ज क्यों कराएं. इस पर जेबीवीएनएल ने कहा कि फिर भी रिचार्ज कराना होगा. एक बार रिचार्ज कराने पर यह बैलेंस अगले महीने भी रहेगा. अगले महीने उन्हें रिचार्ज कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी. पर जिनकी खपत 200 यूनिट से ज्यादा होती है, तो उन्हें हर महीने रिचार्ज कराना होगा.

बैठक शैक्षणिक संस्थानों में पर्यावरण संरक्षण, कर्तव्यों पर प्रोग्राम चलाएगा शैक्षिक महासंघ

शिक्षा को शिक्षार्थी केंद्रित बनाया जाना चाहिए : महेंद्र

संवाददाता। रांची

अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के वरीय राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र कुमार ने रविवार को घोषणा करते हुए कहा कि महासंघ आगामी वर्ष में सभी प्रकार के शैक्षणिक संस्थानों में पर्यावरण संरक्षण, कुटुम्ब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्यों, स्व-जागरण तथा सभी भारतीय एक हैं विषयों पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाएगा. यह बातें महेंद्र कुमार ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में आयोजित महासंघ के उच्च शिक्षा संवर्ग के झारखंड प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में कही.

उन्होंने इस बात पर बल दिया कि शिक्षा को शिक्षार्थी केन्द्रित बनाया जाना चाहिए, जिससे विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास हो सके और वह बौद्धिक, शारीरिक, मानसिक, नैतिक तथा आध्यात्मिकस्तर पर सशक्त हो. उन्होंने आश्वस्त किया कि महासंघ की केंद्रीय इकाई आवश्यकतानुसार राज्य इकाई को हर संभव सहायता प्रदान करेगी. शिक्षकों की समस्याओं को चिन्हित कर उनके समाधान के लिए समर्पित प्रयास करने पर भी जोर दिया.

महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रो. सुदेश कुमार साहू ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि शैक्षिक महासंघ का उद्देश्य केवल शिक्षकों के हितों की रक्षा करना नहीं है, बल्कि शिक्षा प्रणाली में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सामूहिक प्रयास करना भी है. उन्होंने शिक्षा के उच्चतम मानकों को स्थापित करने और उनके पालन में सहयोग देने के प्रति महासंघ की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला. यह भी कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार का दायित्व शिक्षकों के कंधों पर है और चाहे हम किसी भी विषय के शिक्षक हों, हमारा उद्देश्य छात्रों को पाठ्यक्रम की जानकारी देने के साथ-साथ समाज और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण देना भी होना चाहिए. महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. राजकुमार शर्मा ने कहा कि शिक्षा समाज का आधार स्तम्भ है और शिक्षक उस स्तम्भ के निर्माता हैं. शिक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता जितनी दृढ़ होगी, राष्ट्र का भविष्य उतना ही उज्ज्वल होगा.

बैठक में महासंघ के पूर्व राज्य अध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमार ने सुझाव दिया कि महासंघ को समय-समय पर संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन करना चाहिए. पूर्व राज्य महामंत्री डॉ. ब्रजेश कुमार ने कहा कि किसी संगठन की सफलता उसके कार्यकर्ताओं, कार्यक्रमों और कार्यपद्धति पर निर्भर करती है. बैठक के दौरान महासंघ के प्रदेश महामंत्री डॉ अभय कृष्ण सिंह ने विषय प्रवर्तन किया. मौके पर डॉ. स्मृति सिंह, डॉ. कुमुद कला मेहता, डॉ. किशोर सुरीन, डॉ. जयप्रकाश आनन्द आदि ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए.

शहर से गांवों तक पहुंचेगी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद : याज्ञवल्क्य

संवाददाता रांची

रांची विश्वविद्यालय के दीक्षांत मंडप में रविवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद(अभाविप) ने छात्र गर्जना कार्यक्रम के तहत ''झारखंड सरकार के शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार एवं महिला सुरक्षा पर पांच वर्षों के कुशासन व निरंकुशता का काला दस्तावेज'' का विमोचन किया. कार्यक्रम में राज्य भर के हजारो छात्रों ने भाग लिया. मां सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की गई, जिसमें राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ला, प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद एक्का, प्रदेश मंत्री सौरभ झा, राष्ट्रीय कार्यकारिणी परिषद सदस्य विशाल सिंह, प्रदेश सह छात्रा प्रमुख कुमारी सनिधि,प्रदेश सह मंत्री डब्लु भगत, प्रदेश सह मंत्री गौतम महतो, प्रदेश सह मंत्री दिशा दित्या शामिल हुए.

राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने कहा कि झारखंड में महिला सुरक्षा और सम्मान की लड़ाई है. पांच सालों में लाखों युवाओं के लिए नौकरी की लडाई है. राज्य में महिलाओं के साथ अत्याचार बढा है. अंकिता और रूपा तिर्की जैसी होनहार महिलाओं के लिए न्याय का लड़ाई है. बेरोजगारो को रोजगार दिलाने और पांच साल में लाखो लोगो को नौकरी की मांग को लेकर गांव से शहर के युवाओ के पास पहुंचेंगे.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, सोमवार 16 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 13 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 159 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

जमशेदपुर की परिवर्तन रैली में गरजे भाजपा नेता, कांग्रेस और झामुमो पर साधा निशाना

कांग्रेस ने कभी आदिवासियों का हित नहीं सोचा : चंपाई

पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने कभी भी आदिवासियों के हित के बारे में नहीं सोचा. वे

जमशेदपुर के गोपाल मैदान में आयोजित भाजपा की परिवर्तन रैली में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आदिवासी मूलवासी के सम्मान को कुचला है. संथाल में घुसपैठ बड़ा मुद्दा बन गया है. भाजपा ही झारखंड की अस्मिता को बचा सकती है. भाजपा में ही रहकर आदिवासियों के अस्तित्व को बचाया जा सकता है, इसलिए मैं भाजपा में शामिल हुआ हूं. उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के गठन में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अग्रणी भूमिका निभाई.

हेमंत सोरेन को जनता दिला देगी सन्यास : बाबूलाल मरांडी

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हेमंत सोरेन ने कहा था कि पांच लाख लोगों को नौकरी नहीं देंगे, तो हम राजनीति से सन्यास ले लेंगे. इस बार झारखंड की जनता हेमंत सोरेन को जरूरत सन्यास दिला देगी. हेमंत को पांच साल का जवाब देना होगा. ये लोग कमाने के लिए सत्ता में बैठे हैं. बालू, पत्थर और जमीन की लूट हो रही है. 1932 के खतियान के साथ फर्जीवाड़ा कर आदिवासियों की जमीन को बेचा गया है. इसकी सीबीआई जांच होनी चाहिए. मरांडी ने कहा कि अगर सचमुच में झारखंड में आदिवासियों और उनकी जमीन को को बचाना चाहते हैं, तो सर्वे कराईए, एनआरसी कराईए.

हेमंत सोरेन को अब इस्तीफा दे देना चाहिए : अमर बाउरी

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि हेमंत सोरेन को अपनी पूर्व घोषणा के अनुसार, इस्तीफा दे देना चाहिए. इस सरकार को हटाने के लिए यहां परिवर्तन की बयार दिखाई देने लगी है. झारखंड में कमल खिलेगा और भाजपा की सरकार बनेगी. यही इस सभा में दिखाई दे रहा है. पीएम मोदी का आदिवासी और दलित प्रेम किसी से छिपा नहीं है. पीएम मोदी के आगमन पर आयोजित सभा में बाउरी ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन ने शिबू सोरेन का नाम लेकर यहां के आदिवासी समाज को ठगने का काम किया है. उन्होंने पांच लाख नौकरियां और बेरोजगार युवकों को बेरोजगारी भत्ता देने का झूठा वादा किया.

झारखंड में लेन-देन की हो गई है सरकार : शिवराज

केंद्रीय मंत्री और झारखंड भाजपा के विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवरांज सिंह चौहान ने कहा कि झारखंड की बेईमान सरकार लेन-देन की सरकार हो गयी है. हर चीज यहां बिकती है, बस खरीदने वाला चाहिए. झामुमो में 'ज' का मतलब जुर्म माफिया, 'म' से मर्डर माफिया और 'म' से मनी माफिया है. यहां सत्ताधारी नेताओं के ठिकाने से करोड़ों रुपये निकल रहे हैं. इस बार जनता का पैसा बेशर्मी से लूटकर खाने वालों की सरकार को उखाड़ फेंकना है. उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने संकल्प मोड में तीन महीने के अंदर 40 लाख मकान स्वीकृत कर दिए गए और तीन करोड़ मकान के लिए राशि स्वीकृत कर दी.

बदले डेमोग्राफी से सभी का भविष्य चिंताजनक : हिमंता

असम के मुख्यमंत्री और झारखंड भाजपा के विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने भी राज्य सरकार पर जमकर हमला किया. कहा कि बंगलादेशी घुसपैठियों से संथाल एवं कोल्हान सहित समस्त झारखंड परेशान है. बदले डेमोग्राफी से सभी का भविष्य चिंताजनक है. घुसपैठिये झारखंड के आदिवासियों एवं मूलवासियों के संसाधन जल, जंगल एवं जमीन को अपने कब्जे में ले रहा है. हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी हेमंत सोरेन सरकार ने वोट बैंक के लिए आंखों पर पट्टी बांध रखी है एवं संरक्षण देकर वोट के लिए घुसपैठियों को झारखंड में बसा रही है.

भाजपा ही आदिवासियों को दे सकती मान-सम्मान : मुंडा

पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र पार्टी है, जो झारखंड के आदिवासियों को उचित मान-सम्मान के साथ हक व अधिकार देने का काम कर सकती है. उन्होंने कहा कि अपने पांच साल को झारखंड को लूटने और बर्बाद करने में गंवाने वाली हेमंत सोरेन सरकार सिर्फ चुनाव और जनता के आक्रोश को देखते हुए चुनावी योजना लाई है. अगर उन्हें वास्तव में गरीब जनता और माताओं-बहनों की चिंता होती तो मात्र दो महीने के लिए नहीं, बल्कि एक साल पहले ऐसी योजना लाते. पीएम मोदी ने एक आदिवासी बेटी को राष्ट्रपति बनाकर सभी जनजातियों का सम्मान किया है.

अलर्ट: झारखंड के सभी जिलों में 24 घंटे से रुक-रुक कर हो रही बारिश ने बढ़ाई परेशानी

नदियां उफनाईं, हर ओर तबाही का मंजर

झारखंड के लगभग सभी जिलों में पिछले 24 घंटे से हो रही बारिश के कारण हर तरफ लोग परेशान रहे. पलामू प्रमंडल के सभी जिलों में बरसाती व पड़ाही नदियां उफान पर हैं और कई क्षेत्रों में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है. पलामू जिले के मेदिनीनगर में शांतिपुरी, पुलिस लाइन रोड समेत कोयल नदी किनारे बसे कई घरों में बारिश का पानी घुस गया. वहीं, हैदरनगर प्रखंड की मोकहर कला पंचायत अंतर्गत विभिन्न गांवों में एक दर्जन से अधिक कच्चे मकान गिर गये. हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश में सभी पहाड़ी नदियां उफान पर हैं. हुसैनाबाद से सटे हड़ही नदी पुल के दो से तीन फीट ऊपर पानी बह रहा था. वहीं, लातेहार में सतबरवा में औरंगा नदी के तट पर एक किशोर व पांच युवक करीब नौ घंटे तक फंसे रहे. लातेहार के ही महुआडांड़ प्रखंड की चटकपुर पंचायत के बूढ़ा नदी पार करने के दौरान एक अधेड़ तेज धार में बह गया, जिसकी मौत हो गई. लातेहार के बरवाडीह में रविवार की सुबह तूफान और बारिश का असर देखा गया. यहां बरवाडीह स्टेशन पर कुछ घंटों के लिए रेल परिचालन भी बाधित हुआ. वहीं, गढ़वा जिले में जिला मुख्यालय को दानरो और सरस्वती नदी ने तीन तरफ से घेर लिया. मुख्य मार्गों को छोड़ सभी मार्गों का यातायात अवरुद्ध कर दिया. तांडव का बड़ा मंजर सरस्वती नदी के किनारे बसे मुहल्लों में देखा गया. कई घरों में पानी घुस गया और सड़क पर चार से पांच फीट तक पानी का तेज बहाव देखा गया. इसके अलावा दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के लोहरदगा जिला अंतर्गत किस्को प्रखंड में अत्यधिक बारिश के कारण लोगों के घरों में बारिश की पानी घुस गया. यहां बाला टोली में नवाडीह पंचायत सचिवालय के समीप पुलिया का पीलर दब जाने से आधे दर्जन गांवों का संपर्क टूट गया. वहीं, रांची के बुढ़मू स्थित जिकरा फॉल में गोस्सनर कॉलेज का एक छात्र डूब गया, जिसका देर शाम तक कुछ पता नहीं चल सका था. संथाल परगना प्रमंडल के राजमहल जिले में भी नदी में डूबने से एक बच्ची की मौत हो गई.

नौ घंटे बाद तैर कर औरंगा नदी से बाहर निकले छह बच्चे

सतबरवा में उफनाई औरंगा नदी के दूसरी छोर पर मौजूद लड़के.

- सुबह से नदी में फंसे थे किशोर समेत छह लड़के
- दिन भर परेशान रही पुलिस व गोताखोरों की टीम

संवाददाता। सतबरवा/पलामू

पोंची पंचायत के लेदवाखांड में रविवार की सुबह औरंगा नदी के बाढ़ में छह लड़के फंस गए. इनमें एक किशोर और पांच युवक शामिल थे. सूचना पर मुरमा मलय डैम से गोताखोर की टीम मौके पर पहुंची और लड़कों को बाहर के लिए काफी जद्दोजहद की. लेकिन, सफलता नहीं मिली. करीब नौ घंटे बाद जब नदी का जलस्तर घटा, तो बच्चे खुद तैर कर बाहर निकल गये.

बताया जा रहा है कि सुबह औरंगा नदी में पानी कम था. परहिया टोला लेदवाखांड के निवासी मुकेश परहिया (13) शौच करने के लिए नदी के दूसरे छोर की तरफ चला गया. इस बीच नदी में पानी बढ़ गया और वह पानी में फंस गया. यह देख कर गांव के ही पांच युवक कोल्हा परहिया, अमित परहिया, विरेंद्र परहिया, उपेंद्र परहिया, लखन परहिया सभी किशोर को बचाने के लिए पानी में तैर कर पहुंचे. इस बीच लगातार बारिश के कारण नदी में पानी का स्तर बढ़ता ही जा रहा था, जिससे बाकी पांच युवक भी पानी में फंस गये.

लगातार बारिश के कारण बचाव कार्य में बाधा पहुंची : सूचना मिलते ही सतबरवा थाना की पुलिस ने मुरमा मलय डैम के गोताखोरों से संपर्क किया. गोताखोर मौके पर पहुंचे, पर लगातार बारिश के कारण बचाव कार्य में बाधा उत्पन्न होती रही. पुलिस व गोताखोर की टीम दिन भर परेशान रही. पुलिस ने ड्रोन कैमरा के जरिए रस्सी भी पहुंचाया, पर लड़कों को निकाला नहीं जा सका. करीब नौ घंटे बाद नदी में पानी कम हुआ, तो सभी लड़के तैर कर बाहर निकलने में कामयाब रहे.

लातेहार : घंटों प्रभावित रहा रेल यातायात

- बरवाडीह रेलवे स्टेशन पर दो वेंडरों का कैंटीन तबाह
- दर्जनों विशाल पेड़ गिरने से रेलवे क्वार्टरों को भी क्षति

लातेहार/बरवाडीह। बरवाडीह में रविवार की सुबह करीब पांच बजे अचानक तूफान और बारिश शुरू हो गई. महज कुछ मिनटों के लिए आये तूफान ने पूरे बरवाडीह क्षेत्र को अस्त व्यस्त कर दिया. तूफान से सबसे अधिक नुकसान बरवाडीह रेलवे को हुआ है. रेलवे ट्रैक और प्लेटफार्म पर पेड़ टूट कर गिर गये. बरवाडीह रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या दो स्थित वेंडर मनोज कुमार एवं राहुल कुमार का कैंटीन पूरी तरह तबाह हो गया. रेल कर्मियों ने ट्रैक पर गिरी पेड़ की मोटी टहनी को उठा कर हटाया.

बरवाडीह में घंटों बाधित रहा ट्रेनों का परिचालन : बारिश-तूफान का असर रेल यातायात पर भी पड़ा. यहां ट्रेनों का परिचालन भी घंटों बाधित रहा, जिससे रेलवे को आर्थिक रूप से काफी नुकसान हुआ है. दूसरी ओर इस आईडब्ल्यू व पीडब्ल्यूडी कार्यालय, सिग्नल कार्यालय, आरपीएफ बैरेक एवं रेलवे स्टाफ क्वार्टर में दर्जनों पेड़ गिर गये. कई रेलवे क्वार्टरों को क्षति हुई है. कार्यालय के समीप पेड़ गिर ने से कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गये.

लगातार हो रही बारिश के कारण नदियां उफान पर : पूरे लातेहार जिले में शनिवार की पूरी रात और रविवार की सुबह हुई बारिश के कारण कोयल नदी, औरंगा नदी, देवरी नदी, धड़धड़ी नदी उफान पर है. धड़धड़ी नदी में आए उफान के कारण बरवाडीह-छिपादोहर मार्ग घंटो बंद रहा. कई जगहों पर बिजली के खंभे गिर गये और तार टूट गये. इससे बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई. वहीं, शहर के पहाड़पुरी इलाके के कई घरों में पानी घुस गया. जायत्री नदी के किनारे बसे घरों में भी पानी घुस गया था.

बरवाडीह स्टेशन में ट्रैक पर गिरी पेड़ की टहनी को हटाते रेलकर्मी.

गढ़वा: बाढ़ के आगोश में गांव और शहर

गढ़वा। पिछले 24 घंटे से रुक-रुक कर हो रही तेज बारिश ने जिले की सूरत बिगाड़ दी है. जिला मुख्यालय को दानरो और सरस्वती नदी ने तीन तरफ से घेर लिया. मुख्य मार्गों को छोड़ सभी मार्गों का यातायात अवरुद्ध कर दिया. तांडव का बड़ा मंजर सरस्वती नदी के किनारे पर बसे मुहल्लों में देखा गया. इस बारिश ने नगर परिषद की सफाई व्यवस्था की पोल भी खोल कर रख दी.

कई घरों में पानी घुस गया, तो कई लोगों को सड़क या खुले छत पर समय गुजारना पड़ा. डीसी शेखर जमुहार व एसपी दीपक कुमार पांडेय ने बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा भी किया. शनिवार की शाम से लगातार हो रही बारिश के कारण शहर के बीच से गुजरने वाली विलुप्त सी हो गई सरस्वती नदी ने दिपुआ, नगवा, गढ़देवी मुहल्ला और सोनपुरवा के सारे लिंक रोड पर अपना कब्जा जमा लिया. नदी के तट पर बसे घरों में भीषण जल जमाव हो गया. नगवां और गढ़देवी मुहल्ले का संपर्क टूट गया. दोनों मुहल्ले के बीच सरस्वती नदी पर बने पुल के ऊपर से पानी बह रहा था.

गोशाला के समीप बने दोनों पुल तेज बहाव में डूबे : गढ़वा मुख्य बाजार और सोनपुरवा मुहल्ले के बीच निमिया स्थान और गोशाला के समीप बने दोनों पुल तेज बहाव में डूब गया. सोपुरवा भट्टी मुहल्ला से श्मशान जाने वाली सड़क पर भी पानी भर गया. श्मशान घाट के साथ आश्रय गृह भी बाढ़ के आगोश में समा गया. गढ़वा बस स्टैंड ने नदी का रूप ले लिया. सोनपुरवा स्थित कमलापुरी टेक्सटाइल और कमलापुरी ऑटोमोबाइल्स सहित शहर में बने कई आवास का बेसमेंट पूरी तरह डूब गया. यही हाल शहर के चिनिया रोड और साहिजना मुहल्ला में भी देखने को मिला. बारिश का असर बिजली आपूर्ति पर भी पड़ा.

गढ़वा के शहरी क्षेत्र में पानी में डूबे वाहन और घर.

किस्को में पुलिया का पिलर धंसा, आवागमन बाधित

किस्को/लोहरदगा। जिले भर में भारी बारिश से लोगों को घरों से बाहर निकलना मुश्किल कर दिया है. यहां पर किस्को प्रखंड क्षेत्र में बीते शनिवार दोपहर बाद से हो रही जोरदार बारिश से सड़कें जलमग्न हो गई है. लोगों के घरों में भी बारिश की पानी घुस गया है. वहीं, खरकी और नवाडीह पंचायत को जोड़ने वाली बाला टोली में पंचायत सचिवालय के समीप पुलिया का पिलर धंस जाने से आधे दर्जन गांवों का संपर्क टूट गया है. मुखिया चांदमनी उरांव ने आम लोगों से सुरक्षित तरीके से आवागमन करने की अपील की है. उन्होंने कहा है कि डीसी से मिल कर पुलिया को दुरुस्त करने की मांग रखी जाएगी. उधर, किस्को प्रखंड की ही परहेपाट पंचायत क्षेत्र के हृदय टोली और बेटहट पंचायत के आनंदपुर गांव में बारिश की पानी लोगों के घरों में घुस गया है. जिले में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए डीसी डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण और एसपी हारिस बिन जमां नजर बनाए हुए हैं और कर्मियों को पूरे जिले की अद्यतन रिपोर्ट उपलब्ध कराते रहने को कहा है. किस्को प्रखंड क्षेत्र में मूसलाधार बारिश के कारण बिजली व्यवस्था भी चरमरा गई है.

राजमहल: चार बच्चियां डूबीं, एक की मौत

संवाददाता। साहिबगंज

राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत तेंदुवा नाला के पास रविवार की सुबह करम डाल का विसर्जन करने के दौरान चार बच्चियां नदी में डूब गईं. हालांकि, स्थानीय लोगों की मदद से तीन बच्चियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि एक की डूबने से मौत हो गई. मृतक बच्ची की पहचान इलाके के टेकबथान गांव निवासी मुकेश यादव के पुत्री प्रियंका कुमारी (9) के रूप में हुई है. घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि मुकेश यादव की पुत्री प्रियंका और रिया कुमारी (12) अपनी चचेरी बहन विकास यादव की पुत्री सोनाक्षी कुमारी (10) और प्रदीप यादव पुत्री चांदनी कुमारी (9) के साथ अलसुबह करीब पांच बजे गांव से लगभग 500 मीटर दूर डेढ़गामा-टेकबथान गांव के बीच बने तेंदुवा नाला में करमा पूजा की सामग्री की विसर्जन करने गई थीं. इसी दौरान यह हादसा हो गया. घटना की सूचना पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और चारों बच्चियों को नदी से बाहर निकाला. लेकिन, तब तक प्रियंका की मौत हो चुकी थी.

बूढ़ा नदी पार करने के दौरान अधेड़ तेज धार में बहा, मौत

लातेहार। महुआडांड़ प्रखंड की चटकपुर पंचायत में रविवार की सुबह बूढ़ा नदी की तेज धार में बहने से एक अधेड़ की मौत हो गई. मृतक की पहचान उरबी गांव निवासी फ्रांसिस लकड़ा (55) के रूप में हुई है. जानकारी के मुताबित फ्रांसिस और नीरज एक्का (25) सुबह करीब नौ बजे चटकपुर से अपने गांव उरबी जा रहे थे. नदी पार करने के क्रम में दोनों तेज बहाव में बहने लगे. हालांकि, नीरज ने किसी तरह नदी पार कर लिया.

विश्रामपुर में पुलिया का गार्डवाल बहा

विश्रामपुर/पलामू। प्रखंड के मल्लाह टोली में धनकई नदी के समीप 22 लाख की लागत से बन रहे पुलिया का गार्डवाल बारिश में बह गया. जिला योजना समिति निधि से बन रहे इस पुलिया का एक तरफ का गार्डवाल क्षतिग्रस्त भी हो गया है. ग्रामीणों के अनुसार इसी वर्ष अप्रैल माह में पुलिया का निर्माण कार्य शुरु किया गया था, जिसका गार्डवाल पांच महीने भी नहीं टिक सका. शनिवार की रात हुई तेज बारिश में एक तरफ का गार्डवाल बह गया. गांव के लोगों के मुख्य सड़क तक पहुंच के लिए इस पुलिया का निर्माण कार्य चल रहा था.

मल्लाह टोली में बहा गार्डवाल.

अब इससे गार्डवाल के बहने से ग्रामीणों के लिए आवागमन में भी परेशानी बढ़ गई है.

चंदनकियारी के त्रिशूल चौधरी ने केबीसी में जीते 25 लाख

केबीसी के सेट पर अमिताभ बच्चन के साथ चंदनकियारी के त्रिशूल चौधरी.

रजत नाथ। बोकारो

बोकारो सेक्टर वन स्थित संत जेवियर के 2012 बैच के छात्र और चंदनकियारी प्रखंड के पंडरू गांव निवासी त्रिशूल कुमार चौधरी ने केबीसी में 25 लाख रुपये जीते हैं. एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत और बोकारो में पदस्थापित त्रिशूल ने बताया कि संत जेवियर स्कूल से तालीम की वजह से उनकी जनरल नॉलेज सहित अन्य विषयों पर अच्छी पकड़ रही. इस कारण मात्र चार महीनों की मेहनत और अथक अध्यन कर केबीसी में कई ऑडिशन राउंड तक पहुंचे. इस केबीसी एपिसोड की रिकॉर्डिंग 20 अगस्त को हुई और सोमवार 16 सितंबर को इसका प्रसारण होना है. त्रिशूल ने कहा कि उसने 25 लाख की रकम जीती है.

आज सुबह से सभी जिलों में तेज बारिश की संभावना

झारखंड के छह जिलों में रेड अलर्ट

संवाददाता। रांची

- गुमला, खूंटी, सिमडेगा, सरायकेला खरसांवां, पूर्वी सिंहभूम और पश्चिमी सिंहभूम में रेड अलर्ट
- रांची, लोहरदगा, लातेहार, पलामू व गढ़वा में ऑरेंज और चतरा, कोडरमा, गिरिडीह, हजारीबाग, रामगढ़, बोकारो व धनबाद में येलो अलर्ट जारी

बांग्लादेश के तट पर साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर झारखंड में देखने को मिला. राज्य के कई जिलों में पिछले 24 घंटे से रुक-रुक कर बारिश हो रही है. सोमवार की अहले सुबह से राज्य के लगभग सभी जिलों में तेज बारिश की संभावना है. मौसम विभाग ने कई जिलों में रेड, ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है. राज्य में छह जिले गुमला, खूंटी, सिमडेगा, सरायकेला खरसांवां, पूर्वी सिंहभूम व पश्चिमी सिंहभूम में रेड अलर्ट जारी किया गया है.

वहीं रांची, लोहरदगा, लातेहार, पलामू व गढ़वा में ऑरेंज और चतरा, कोडरमा, गिरिडीह, हजारीबाग, रामगढ़, बोकारो व धनबाद में येलो अलर्ट जारी किया गया है. 16 व 17 सितंबर को गढ़वा, पलामू व लातेहार में ऑरेंज और चतरा, लोहरदगा, गुमला और सिमडेगा में येलो अलर्ट जारी किया गया है. इस दौरान कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ वज्रपात की संभावना है. हवा की रफ्तार 50 से 60 किमी प्रति घंटा रह सकती है.

48 घंटों के दौरान कमजोर होगा साइक्लोनिक सर्कुलेशन : मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों के दौरान साइक्लोनिक सर्कुलेशन डिप्रेशन के धीरे-धीरे कमजोर होकर दबाव के क्षेत्र में तब्दील हो जाने तथा झारखंड और उत्तरी छत्तीसगढ़ होते हुए पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना जताई है. पिछले 24 घंटे में राज्य में मॉनसून गतिविधि अति सक्रिय रही. राज्य में लगभग सभी स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हुई. कहीं-कहीं पर भारी से बहुत भारी बारिश भी दर्ज की गई. सबसे अधिक वर्षा 152.8 एमएम मेराल (गढ़वा) में दर्ज किया गया.

सड़क हादसे में युवक की मौत, तीन घायल

कैरो/लोहरदगा। खंडा जोड़ा पुल के पास दो बाइक की आमने-सामने टक्कर में एक युवक की मौत हो गई. जानकारी के मुताबिक, थाना क्षेत्र के सढ़ाबे गांव निवासी पुत्र सोमनाथ उरांव (33) अपने छह वर्षीय बेटे को लेकर उदरंगी से सढाबे अपने घर बाइक से लौट रहा था. दूसरी ओर से कैरो थाना क्षेत्र के गजनी गांव निवासी नवीन उरांव और खंडा गांव निवासी अर्जुन उरांव एक ही बाइक पर सवार होकर कैरो से खंडा की ओर आ रहा था. इस क्रम में दोनों बाइक की सीधी भिडंत हो गई. दुर्घटना में सोमनाथ उरांव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकी उसका छह वर्षीय पुत्र दूर फेंका गया. उसे आंशिक चोट लगी है. वहीं, दूसरी बाइक पर सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गये. स्थानील लोगों की मदद से दोनों घायल युवकों को एंबुलेंस बुलाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया.

सेल्फी के चक्कर में जिकरा फॉल में छात्र डूबा, लापता

- रांची के गोस्सनर कॉलेज में पढ़ता था आर्यन उरांव
- छह दोस्तों के साथ जिकरा फॉल घूमने गया था छात्र

संवाददाता। रांची

जिले के बुढ़मू थाना क्षेत्र अंतर्गत जिकरा फॉल में रविवार को गोस्सनर कॉलेज का छात्र डूब गया. फॉल में डूबे छात्र की पहचान आईटीआई स्थित मेजर कोठी के पास रहनेवाले आर्यन उरांव के रूप में हुई है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और आर्यन को पानी से निकालने की कोशिश की, लेकिन उसे बाहर नहीं निकाला जा सका.

जानकारी के मुताबिक, रविवार को दिन के करीब 11 बजे आर्यन अपने छह दोस्तों के साथ बाइक से जिकरा फॉल घूमने गया था. सभी दोस्त जिकरा फॉल घूमते हुए फॉल के नीचे की ओर गए. इस दौरान आर्यन फॉल के पास सेल्फी ले रहा था कि अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूब गया. इस हादसे बाद आर्यन के दोस्तों ने स्थानीय ग्रामीणों को सूचना दी, एक ग्रामीण ने पानी में उतर कर आर्यन को ढूंढने का प्रयास किया, पर उसका कुछ अता-पता नहीं चल सका.

जिकरा फॉल के पास खड़े आर्यन के दोस्त व स्थानीय ग्रामीणों की भीड़.

ब्रीफ खबरें

श्रीकृष्ण प्रणामी ने चलाया वृहत भंडारा

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर, पुंदाग में रविवार को एमआरएस श्रीकृष्ण प्रणामी सेवाधाम ट्रस्ट की ओर से 167वां भंडारा चलाया गया, जिसमें श्रद्धालुओं के बीच स्वादिष्ट व्यंजन बांटा गया. भंडारे का संचालन स्व. दुर्गा देवी की स्मृति में उनके पति मुरलीधर प्रसाद और श्री कृष्ण परिवार के सदस्यों द्वारा किया गया. कार्यक्रम में उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल राजू, विशाल जालान, पूर्णमल सर्राफ, ओमप्रकाश सरावगी,नंद किशोर चौधरी, मनीष सोनी, बिष्णु सोनी,चंद्रदीप साहु,सुनीता अग्रवाल,उर्मिला पाडिया, अमिता जालान, रेखा पोद्दार आदि ने योगदान दिया.

मनाया गया भगवान वामन का प्राकट्योत्सव

रांची। श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर तिरुपति बालाजी मंदिर में रविवार को वामन भगवान का प्राकट्य उत्सव मनाया गया. मौके पर विशेष पूजा-अर्चना की गयी. सुबह दैनिक पूजन-आरती के बाद अनुष्ठान प्रारंभ हुआ. महाभिषेक और श्रृंगार-पूजन कर श्रद्धालुओं ने मंगल कामनाएं कीं. अर्चक गोपेश आचार्य और नारायण दास ने सभी के नाम और गोत्र से संकल्प करा कर पूजन कराया. महावीर प्रसाद नारसरिया, निर्मला नारसरिया, रमेश कुमार धरनीधरका, शशि धरनीधरका ने इसमें यजमान के रूप में हिस्सा लिया.

आज आएंगे विज्ञानदेव करेंगे सत्संग प्रवचन

रांची। सदाफल देव विहंगम योग संस्थान के विज्ञानदेव जी सोमवार को राजधानी पधार रहे हैं. डिबडीह स्थित कार्निवाल हॉल में दिन के साढ़े 11 बजे से महाराज जी का सत्संग और प्रवचन होगा. राजेश सहाय ने बताया कि संस्था की ओर से शताब्दी समारोह महोत्सव मनाया जा रहा है. 25000 कुंडीय स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ के निमित कन्याकुमारी से कश्मीर तक महाराज जी का राष्ट्रव्यापी संकल्प यात्रा जारी है. विज्ञानदेव जी का रांची प्रवास इसी का हिस्सा है. उन्होंने बताया कि सत्संग में स्थानीय सहित आस-पास से आए बड़ी संख्या में अनुयायी हिस्सा लेंगे.

चार अक्तूबर को आएंगे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

रांची। गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित कराने को लेकर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद आगामी 22 सितंबर से 26 अक्टूबर तक गो प्रतिष्ठा आंदोलन, गो ध्वज स्थापना भारत यात्रा पर निकल रहे हैं. यात्रा के क्रम में शंकराचार्य का आगमन राजधानी में चार अक्तूबर को होगा. संयोजक ब्रह्मचारी मुकुंदानंद और सह संयोजक गोभक्त विकास पाटनी ने बताया कि जमशेदपुर के रास्ते शंकराचार्य शाम में रांची आएंगे. पांच अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक गो ध्वज की स्थापना करेंगे.

आठवें दिन हुई उत्तम त्याग धर्म की पूजा

रांची। दिगंबर जैन धर्मावलंबियों ने रविवार को त्याग और दान के बिना न तो व्यक्ति का जीवन चलता है और न ही समाज. जो बुरा है उसका त्याग करें और जो अच्छा है उसे दान करें. कुछ इन्हीं भावों के साथ उत्तम त्याग धर्म की पूजा और आराधना श्रावक-श्राविकाओ ने की. धन आदि का दान कर राग-द्वेषों के त्याग का संकल्प दुहराया. संत शिरोमणि आचार्य श्रीविद्यासागर जी के महापूजन से शुरुआत हुई. पृच्छना स्वाध्याय ग्रुप की अंकित जैन शास्त्री ने महात्यागी, महातपस्वी, समाधि सम्राट आचार्यश्री की जीवन साधना पर प्रकाश डालते हुए गुरुपूजन कराया.

पर्युषण पर्व : लयस्मिता श्रीजी के सानिध्य में श्रद्धा पूर्वक मनाया गया जैन श्वेतांबर श्रीसंघ का क्षमापना

राजधानी में निकाली गयी शांतिनाथ की शोभायात्रा

संवाददाता । रांची

जैन श्वेतांबर श्रीसंघ के पर्वराज पर्युषण के बाद रविवार को लयस्मिता श्रीजी के सान्निध्य में श्रद्धा पूर्वक धूमधाम से क्षमापना पर्व मनाया गया. मौके पर सुबह साढ़े आठ बजे गाजे-बाजे के साथ भव्य रूप में शांतिनाथ जी की शोभायात्रा निकाली गयी. इसमें समाज के लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया. भक्ति गीतों पर रास्ते भर नाचते-झूमते और जयकारा लगाते रहे. यात्रा तुलसी चौक, मेकॉन चौक, हाई कोर्ट होते हुए वापस मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई. इस बीच जुगल दरगड़, अक्षय सेठिया, संजय कोठारी, संजय नाहटा भक्ति रस की अविरल धारा प्रवाहित करते रहे.

जगह-जगह स्वागत शिविर लगा यात्रा में शामिल अनुयायियों का स्वागत किया गया. सभी के बीच खाने-पीने के समान बांटे गए. अपराह्न बाद मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए. श्रुति सेठिया, खुशबू बोथरा, रूपम भंसाली, भविष्य सेठिया, प्रखर नाहटा, वेदिका मेहता, अंशुला सेठिया, सरोज सेठिया, प्रीति रामपुरिया ने धार्मिक नृत्य-गीत प्रस्तुत कर सब को झुमाया. नाट्य प्रस्तुति को सब ने सराहा. कार्यक्रम के दौरान समाज के लोगों ने जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए समस्त प्राणियों से हाथ जोड़कर क्षमायाचना भी की.

व्रत-उपवास के लिए किए गए सम्मानित

श्वेतांबर जैन मंदिर में 30 उपवास करने वाले तपस्वी मयंक बेगानी, 13 उपवास करने वाले विशाल दस्सानी, 8 उपवास करने वाले छोटे लाल चोरड़िया, सूरेश बोथरा, श्रुति सेठिया, सोनल नाहटा, विनय नाहटा, धर्मेंद्र बोहरा आदि को सम्मानित किया गया. श्रीमूर्तिपूजक संघ, तेरापंथी सभा, श्रीसाधुमार्गी जैन संघ, समता मंडल, तेरापंथ युवक परिषद के सदस्यों ने सभी का बहुमान किया. मौके पर घेवरचंद नाहटा और इशिका बोथरा ने क्षमा याचना के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला. सम्मान समारोह का संचालन सोनल नाहटा ने किया. दिन के एक बजे स्वामी वात्सल्य के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ. इसके बाद संध्या आरती के बाद पुनः प्रवचन, भजन और सामूहिक भोज का कार्यक्रम देर शाम तक चला. कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष संपतलाल रामपुरिया, सुभाष चंद बोथरा, विमल दस्सानी, मोहन लाल पींचा, अमरचंद बैंगानी, अशोक बोथरा, विनय नाहटा, बालवीर बोथरा, प्रकाश नाहटा सहित सकल श्वेतांबर समाज लोगों ने इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दिया.

नाच-गान और पूजा-अर्चना के साथ हुआ करम देव का विसर्जन

बहनों ने मांगी भाइयों की सुरक्षा पाहनों ने की सुख-शांति की कामना

संवाददाता। रांची

दिन भर रांची के सभी अखरा में करम के बुदा तरे दिया जलाये...जैसे गीतों से डमकच और झूमर नृत्य किया गया. रविवार को सुबह महिलाएं लाल पाड़ साडी. और पुरुष धोती कुर्ता पहनकर अखरा मे शामिल हुए. पुरुष अपने कंधे पर ढोल, नगाड़ा टांगकर मांदर बजा रहे थे. वहीं महिलाएं वाद्ययंत्रों की धुन और ताल से अपने कदम-ताल मिला रही थीं. कुछ स्थानों पर लोग लोक गीत और डीज़े की धुन पर गीत बजाकर थिरक रहे थे. इससे पहले व्रती महिलाओं ने सूर्य उगने से पहले नहा धोकर करम देव को नमन किया. उन्हें जल अर्पित किया एवं अगरबती दिखायी.उसके बाद युवतियां होठों पर लिपिस्टिक, खोपा में गाजर, जावा और गुलाब का फूल खोंसे करम अखरा में एकत्र होती गयीं. जैसे-जैसे घड़ी का कांटा ऊपर चढ़ता गया, वैसे-वैसे महिला पुरुष और बच्चे ''करम अखरा में ले पाहन ले करम गाइड़ दे'' ...धुसका देवब पुवा देवब, करम गाइड़ दे'' के गीतों से पूरा अखरा विभोर हो उठा. क्या पुरुष, क्या महिलाएं, क्या बच्चे, सभी एक दूसरे से जुड़कर नृत्य प्रस्तुत करते रहे. इन गानो से दर्शकों

का मन खिल उठा. पूरा अखरा मेला उत्सव में बदल गया.

वहीं पाहन अखरा के आसपास के घर में भेलवा फड़ाई कार्यक्रम मे शामिल हुए. एक एक घर में सूप में अरवा चावल, धूप, भेलवा डाली, देहाती अंडा और दीया जलाया. फिर भेलवा डाली को चाकू से काटा. उसके छोटे-छोटे तीन टुकड़े किये. फिर उससे पांच छोटी-छोटी गोटियां बनायीं. मंत्रोच्चारण किया. उसके बाद घर की खुशहाली की भविष्यवाणी की. गोटी चित हुआ तो घर की खुशहाली और पट हुआ तो घर मे दुख होने की भविष्याणी की. उसके बाद भेलवा और पत्तों समेत धान के खेतों में गाड़ा गया. ताकि खेतों में बढ़िया पैदावार हो सके और फसलों मे कीडे.मकोड़े न लगें.

शाम मे तीन से चार बजे आदिवासी समाज की महिलाएं अखरा मे लाल पाड़ साडी. में पुनः एकजुट हुईं. पाहन ने करम देव की पूजा-अर्चना कर बहनों से करम डाली को उखाड़ने के लिए कहा. उसके बाद मुहल्ले के एक-एक घर में घुमाया गया. लोगो ने करमडाली को कांसा लोटा से जल अर्पित किया. प्रणाम किया. उसके बाद नाचते-गाते रिझ रंग करते हुए तालाब और नदियों में विसर्जित कर दिया गया. वहीं सदानों के गांव में सुबह ही बहनों ने करम देव का पूजा अर्चना के साथ विसर्जित कर दिया.

महिला लोको पायलट टाटा-पटना वंदे भारत ट्रेन लेकर हुई रवाना

- इस ट्रेन की दोनों लोको पायलट हैं आदिवासी

रांची। रेलवे में बदलाव की बयार चल रहा है. पीएम ने जिस छह वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया, उसमें से एक ट्रेन टाटा-पटना वंदे भारत है. खास बात यह है कि इस ट्रेन की दोनों लोको पायलट आदिवासी है. इस ट्रेन को लोको पायलट लुटिया भगत और लोको पायलट सुनिका मुंडा लेकर पटना के लिए रवाना हुईं. इस ट्रेन में लगभग 600 यात्री सवार थे. लुटिया भगत इस रेलवे जोन की पहली महिला लोको पायलट है. भारतीय रेलवे में महिलाओं की बढ़ती भूमिका महिला सशक्तीकरण का भी प्रतीक है. इस पर पीएम ने कहा कि अब देश के लोगों की प्रथमिकताएं बदल गई हैं. रेल राज्य मंत्री ने कहा कि पिछले 10 साल में रेल में अकल्पनीय बदलाव हुआ है. नई ट्रेनों में सुरक्षा के साथ, यात्रियों की सुविधा, ट्रेन की गति को भी काफी डेवलप किया गया है. झारखंड में 600 किलोमीटर डबल और ट्रिपल रेल लाइन कर दी गई है.

शहर के पूजा पंडाल

पिस्का मोड़ पूजा पंडाल की गुफा में सिंहासन पर विराजेंगी जगदंबा

संवाददाता । रांची

पिस्का मोड़ के विश्वनाथ शिव मंदिर में मां भवानी युवा क्लब दुर्गा पूजा समिति का पूजा पंडाल इस बार खास रहेगा. समिति 50वां वर्षगांठ मना रही है. इसको लेकर भव्य रूप में दुर्गोत्सव मनाने का निर्णय लिया गया है. यही कारण है कि दो माह पहले से ही तैयारी चल रही है. कोलकाता के तपन दा 25 कारीगरो के साथ पंडाल का ढांचा खड़ा कर चुके हैं. साज-सज्जा के साथ 70 लंबा, 60 चौड़ा और 50 फीट उंचे पंडाल को मूर्त रूप देने का काम तेजी से किया जा रहा है. रंग-बिरंग के कपडे, फोम और बांस आदि की विविध आकृतियों से सजा पंडाल दर्शनार्थियों का मन मोहेगा. बाहर से सजा-संवरा गोलाकार पंडाल के अंदर गुफा में जैसे ही श्रद्धालु प्रवेश करेंगे, उन्हें अन्य देवी-देवताओं संग सिंहासन पर विराजमान मां दुर्गा के दिव्य स्वरूप के दर्शन होंगे. पूजा स्थल पर दूर तक की गयी विद्युत सज्जा के क्या कहने. चकाचौंध रौशनी के बीच चकरी काटते रंग-बिरंगी लाइटो से पूजा स्थल दमकेगा. साहनी इलेक्ट्रिक की ओर से लाइटिंग की व्यवस्था की जा रही है. शिल्पकार पिंटू पंडल प्रतिमाएं गढ़ चुके हैं. रंग-रोगन का काम चल रहा है. पिंटू ने बताया कि 12 फीट ऊंची महिषासुर मर्दिनी की आदम कद प्रतिमा अलग अंदाज में गढ़ी गयी है. इसके लिए दो माह पहले से वे रात-दिन काम कर रहे हैं.

15 लाख का है बजट

अध्यक्ष शैलेश्वर दयाल सिंह ने बताया कि शुरुआती दौर में यहां छोटे रूप में मां की प्रतिमा स्थापित कर पूजा की जाती थी, लेकिन वर्ष 2000 के बाद से भव्य रूप में पूजनोत्सव किया जा रहा है. इस बार भी वृहत रूप में दुर्गोत्सव मनाया जाएगा. इसके लिए लगभग 15 लाख रुपए का बजट तय किया गया है. उन्होंने बताया कि महाषष्ठी के दिन पंडाल का पट आम भक्तों के लिए खोल दिया जाएगा. नित्य भक्तो के साथ मां की महाआरती उतारी जाएगी. विशेष भोग बंटेगा.

गठित समिति में शामिल हैं : अध्यक्ष शैलेश्वर दयाल सिंह, संरक्षक विजय साहू, राकेश कुमार, विजय सिंह, राकेश साहू, रवि भगत, सचिव अजय चौधरी, अरविंद तिवारी, उपाध्यक्ष नमीत लाल, खुबलाल, विक्की तिवारी, नवनीत नंदन, पंकज गुप्ता, सुमित कुमार, गुडडू सहाय, राहुल अग्रवाल, आनंद मंडल, राजीव प्रसाद राजू भैया, विमलेश्वर दयाल सिंह, उज्जवल गुप्ता बॉबी, शंभू षाड़गी, अजय गुप्ता, नवीन कुमार, किन्नू पंडित, नितिन नंदन आदि गठित समिति में शामिल हैं.

न्यूज अपडेट

इनर व्हील क्लब ने नेत्रहीन बच्चों को दिया हेडफ़ोन

रांची। राजकीय नेत्रहीन मध्य विद्यालय, अरगोड़ा टुंगड़ी टोली में रविवार को इनर व्हील क्लब आफ रांची साउथ ने स्कूल को दस हेडफ़ोन और पढ़ने लिखने की सामग्री भेंट की. ज्ञातव्य है कि कुछ ही दिनों पहले डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन के दौरे के दौरान हेडफ़ोन की ज़रूरत महसूस हुई थी. उस वक्त उन्हें खेल के सामानों का भेंट दिया गया था. क्लब ने भविष्य में भी उक्त विद्यालय की ज़रूरतों को पूरा करने का लक्ष्य रखा है. प्रोजेक्ट के दौरान प्रेसिडेंट नीलम, अन्नू, अंजना, संगीता शरण, बलजीत व अन्य सदस्याएं मौजूद थीं.

कलवार संघ ने मनाया श्री बलभद्र का जन्मोत्सव

रांची। झारखण्ड कलवार संघ, रांची के तत्वावधान में रविवार को अपने कुल देवता भगवान बलभद्र जन्मोत्सव सह पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन किया गया. यह समारोह नेवरी विकास स्थित अपने धर्मशाला निर्माण स्थल पर धूमधाम से मनाया गया. कार्यक्रम की शुभारंभ सुबह नौ बजे भगवान श्री बलभद्र पूजन से हुआ. पूजार्चना के बाद उपस्थित लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया. इस अवसर पर कलवार समाज के बच्चे-बच्चियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। साथ ही संघ की ओर से नेवरी विकास में धर्मशाला निर्माण के लिए जमीनदानकर्ताओं को सम्मानित किया गया.

श्रीश्याम प्रभु को अर्पित किया खीर चूरमा का भोग

रांची। श्रीश्याम मंदिर, अग्रसेन पथ में चांदन द्वादशी पर रविवार को भक्तों ने श्याम प्रभु का दर्शन-पूजन कर खीर चूरमा का भोग लगाया. सुबह दैनिक पूजन आरती के बाद दिन के नौ बजे विशेष पूजा-अर्चना की गयी. मंत्री धीरज बंका संग मुख्य यजमान बिनोद सारस्वत ने परिवार संग गणेश पूजन किया. फलादि के साथ खीर चूरमे का भोग लगाया. मण्डल के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश बागला, मंत्री धीरज बंका एवं सारस्वत परिवार द्वार गणेश पूजन कर मन्दिर में विराजे वीर बजरंगबली एवं शिव परिवार का भी पूजन किया. पूरा मन्दिर परिसर हारे के सहारे की जय-लखदातार की जय जयकारों के गूंज उठा.

जिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता शुरू, 350 प्रतिभागी ले रहे हिस्सा

संवाददाता । रांची

दो दिवसीय रांची जिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता रविवार को शुरू हुआ. रांची के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में आयोजित प्रतियोगिता के प्रथम दिन विभिन्न आयु वर्ग में लगभग 350 प्रतियोगियों ने भाग लिया. जिनमें से चयनित एथलीट राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में रांची जिला का प्रतिनिधित्व करेंगे. प्रतियोगिता के सफल संचालन में प्रभाकर कुमार वर्मा, राकेश सिंह, एम बी राव, लक्ष्मण राम, राम प्रसाद, शिवरमन समेत सभी तकनीकी पदाधिकारी उपस्थित रहे.हे.

प्रतियोगिता के परिणाम

- **400 मी अंडर 18 बॉयज** : 1 संदीप उरांव 2 ऋषु राज 3 अंकित कु राम.
- **100 मीटर अंडर 18 बॉयज** : 1 अरुण सिंह 2 सचिन साहू 3 युवराज रजक
- **100 मीटर अंडर 18 गर्ल्स** : 1 पूनम मिंज 2 रियाश्री पंडा 3 वैष्णवी प्रकाश
- **60 मी अंडर 16 बॉयज** : 1 रिशु राज 2 विक्की लोहरा 3 रितेंद्र लोहरा
- **600 मीटर अंडर 16 बॉयज** : 1 रोहित कुमार 2 रोशन पाहन 3 निर्मल कुमार
- **1000 मीटर अंडर 18 बॉयज** : 1 अमित कुमार महतो 2 हेमंत कुमार महतो 3 रोहित कच्छप
- **800 मीटर अंडर 20 बॉयज** : 1 विपुल कुमार 2 किशन पाहन 3 अमन तिर्की
- **लॉन्ग जंप अंडर 16 बॉयज** : 1 विकेश टोप्पो 2 निर्मल कुमार 3 रितेश कुमार
- **लॉन्ग जंप अंडर 18 बॉयज** : 1 अभिषेक टोप्पो 2 निखिल नायक 3 राजेश कुमार महतो

बारिश के बीच हुए मास्टर्स टेनिस प्रतियोगिता के रोमांचक मुकाबले

संवाददाता। रांची

इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन (आईटीएफ) के तत्वावधान में ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन (एआईटीए) के मार्गदर्शन में झारखंड टेनिस एसोसिएशन द्वारा खेलगांव स्थित टेनिस स्टेडियम में आयोजित आईटीएफ मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट एमटी 100 के अन्तर्गत रविवार को कई रोमांचक मुकाबले खेले गए. 14 से 20 सितंबर तक आयोजित प्रतियोगिता का आयोजन पांच कोर्ट में किया जा रहा है. रविवार को कई मुकाबले बारिश के चलते पूरे नहीं हो सके. अनफिनिश्ड मुकाबले सोमवार को खेले जायेंगे. प्रतियोगिता में 30 , 35 , 40 , 45 , 50 , 55 , 60 व 65 आयु वर्ग में सिंगल्स, डबल्स व मिक्स्ड डबल्स के मैच खेले जा रहे हैं.

कोर्ट 1 : एमएस 30 में संदीप राज ने गुंजन चौधरी को सीधे सेट में 6-3, 6-1 से पराजित कर अगले राउंड में प्रवेश किया. एमएस40 में मनोज सिया ने अमित आर्य को सीधे सेट में 6-0 से पराजित कर अगले राउंड में प्रवेश किया. एमएस 45 में दीपक मारवाह बनाम संजाम ढिल्लों 5-0 (अनफिनिश्ड)रहा.

कोर्ट 2 : एमएस30 में सौरभ कुमार (वॉकओवर) ने हर्षप्रीत सिंह को पराजित कर अगले राउंड में प्रवेश किया. एमएस40 में समीर कुमार बनाम सुदिप्तों रॉय 6-6 (अनफिनिशेड) रहा.

कोर्ट 3 : किशोर पेगू (वॉकओवर) ने धीरज पेस को पराजित कर अगले राउंड में प्रवेश किया. एमएस50 में मनोज सिंह बनाम कर्मा भूटिया 2-2 (अनफिनिश) रहा

कोर्ट 4 : एमएस35 में रोहित वासु एवम् रणवीर सिंह ने अपने अपने मैच जीत कर अगले राउंड में प्रवेश किया. एमएस45 में विनीत गुप्ता बनाम अरविंद झा 1-6 (अनफिनिश्ड) रहा.

सेंटर कोर्ट : एमएस40 में सौरव साहू बनाम शशि पाठक 6-2 और 2-3 (अनफिनिश्ड) रहा.

खास बातें

- टेनिस स्टेडियम में आज खेले जायेंगे अनफिनिश्ड मुकाबले
- झारखंड टेनिस एसोसिएशन का खेलगांव में आयोजन

लोकार्पण समारोह कवयित्री नंदा पांडेय की दूसरी काव्य कृति हुई पाठकों के नाम समर्पित

मनरंगना की कविताओं में खुशबू व विद्रोह की आंच : डॉ. रणेंद्र

संवाददाता। रांची

शब्दकार साहित्यिक समूह तत्वावधान में रविवार को राँची के मोरहाबादी स्थित जनजातीय शोध संस्थान के प्रेक्षागृह में लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया. समारोह में वरिष्ठ साहित्यकारों ने रांची की कवयित्री नंदा पाण्डेय के द्वितीय काव्य संग्रह 'मनरंगना' का लोकार्पण किया. कविता के क्षेत्र में अनेक सम्मानों से सम्मानित कवयित्री नंदा पाण्डेय की पहली काव्यकृति 'बस कह देना कि आऊंगा' 2019 प्रकाशित हुई थी.

समारोह में विशिष्ट अतिथि के तौर पर जाने माने कवि व माटी

कविता संग्रह 'मनरंगना' का लोकार्पण करते वरिष्ठ साहित्यकार गण.

पत्रिका के सम्पादक नरेन्द्र पुंडरीक के साथ-साथ वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. माया प्रसाद, रणेन्द्र तथा प्रकाश देवकुलीश शामिल हुए. शब्दकार की अध्यक्ष रश्मि शर्मा ने स्वागत भाषण करते हुए कहा कि कवयित्री नंदा पाण्डेय की काव्यकृति ''मनरंगना'' स्त्री मन की बात करती है. कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और वीणा श्रीवास्तव की सरस्वती वंदना से हुआ. अपने पूरे परिवार की उपस्थिति में रचना प्रक्रिया के बारे में बताते हुए नंदा पाण्डेय ने कहा कि उन्होंने बतौर स्त्री जीवन के विभिन्न रंगों को शब्दों के माध्यम से रखने की कोशिश की है. कवयित्री को बधाई देते हुए प्रकाश देवकुलीश ने कहा कि मनरंगना की कवयित्री ने बहुत ही धैर्य और सतर्कता के साथ अपने कवि दायित्व का निर्वहन किया है.

रणेन्द्र ने कहा कि मनरंगना की कविताओं में प्रेम के माध्यम से स्त्री जीवन के भीतर की खुशबू और विद्रोह की आंच दिखाई देती है. डॉ. माया प्रसाद ने कहा कि मनरंगना की कविताएं खारे आंसू का मीठा सच है, स्त्री जीवन का कड़वा सच है. मुख्य अतिथि नरेन्द्र पुंडरीक ने कहा कि, मनरंगना की कविताएं बहुत ही सहज तरीके से स्त्री की मुक्ति की बात करती हैं, जो आज बहुत कम कवियों में देखने को मिलता है. कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अशोक प्रियदर्शी ने की. उन्होंने कहा कि मनरंगना की कविताएं स्त्री-मन के समर्पण और वैशिष्ट्य का भाव कविताओं में दिखाई देता है. इस कार्यक्रम में प्रमोद झा, कुमार विजेंद्र, राकेश कुमार सिंह, नीरज नीर, नरेश बंका, प्रवीण परिमल, सुरिंदर कौर नीलम, सत्या शर्मा, अनामिका प्रिया, जय माला, सोनल थेपड़ा, सोनू कृष्णन तथा अन्य प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे. कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन मुक्ति शाहदेव ने किया. समारोह का समापन शब्दकार की उपाध्यक्ष संगीता कुजारा टॉक ने धन्यवाद ज्ञापन से किया.

सेवा सुरभि के 'युग परिवर्तन की ओर' विशेषांक का लोकार्पण, संजय सेठ ने कहा

हर आंगन में खुशहाली ही सच्चा परिवर्तन है

संवाददाता। रांची

सेवा भारती झारखंड के सेवा जागरण की पत्रिका सेवा सुरभि के रजत जयंती वर्ष 25वां विशेषांक " युग परिवर्तन की ओर "का लोकार्पण केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने किया. सेठ ने कहा कि युग परिवर्तन एक शाश्वत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है. हम प्रकृति में सतत परिवर्तन देखते हैं. हमारा देश प्रगति के पायदान पर तेज गति से आगे बढ़ रहा है. हर आंगन में खुशहाली ही सच्चा परिवर्तन है. सरकार के साथ-साथ आज सेवा भारती संस्था अपने विभिन्न सेवा कार्यों के द्वारा सेवा बस्ती व सुदूर ग्रामों में सामाजिक नवजागृति ला रही है.

लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय सेवा भारती के न्यासी गुरुशरण

पत्रिका का लोकार्पण करते केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ एवं अन्य.

प्रसाद क्षेत्र संघचालक देवव्रत पहान, प्रांत सह संघचालक अशोक श्रीवास्तव,पवन मंत्री, वीएन पाण्डेय, पवन बजाज, श्रवण जाजोदिया, भारत सेवा आश्रम संघ के सचिव स्वामी भूतेशानंद, स्वामी गोरानंद गिरी, उमाशंकर शर्मा, ओमप्रकाश केजरीवाल, राधेश्याम अग्रवाल, अभिजीत घोष, चंद्रकांत रायपत, अयोध्या नाथ मिश्र, नंदलाल साहू ,सोनी मेहता, लायंस क्लब, रांची महिला समिति के अध्यक्ष देवजानी भट्टाचार्य, पवन जायसवाल, गुरविंदर सिंह सेठी,आर एस अग्रवाल, दीपक कुमार, देवेन्द्र स्वामी, अशोक गाड़ोदिया, शुभेंदु भट्ट, विनय गांगुली, संजीव विजयवर्गीय सहित शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे.

ब्रीफ खबरें

अमरूद बगान में ट्रांसफार्मर खराब

अनगड़ा । प्रखंड के जोन्हा पंचायत अंतर्गत अमरूद बगान गांव के ग्रामीणों ने छह महीने से खराब ट्रांसफार्मर की समस्या को लेकर मिले सांसद प्रतिनिधि उमेश बड़ाईक से बताया अपनी समस्या. ग्रामीणों की सूचना मिलते ही सांसद प्रतिनिधि उमेश बड़ाईक गांव पहुंचे.उन्होंने बताया जल्द ही ट्रांसफार्मर को ठीक करने को लेकर सम्बंधित अधिकारियों से बात किया जाएगा और जल्द से जल्द गांव में आएगा उजाला .

ददई दुबे व रमेश पांडे ने डीजीपी से की मुलाकात

नामकुम। पूर्व मंत्री ददई दुबे व कांग्रेस के जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष सह वरीय नेता रमेश पांडेय ने बुधवार को पुलिस मुख्यालय कार्यक्रम में राज्य के डीजीपी अनुराग गुप्ता से शिष्टाचार मुलाकात की. इस दौरान डीजीपी से मुलाकात के क्रम में ददई दुबे व रमेश पांडे ने राज्य में बढ़नी अपराध को लेकर ठोस कदम उठाने की बात कही. उन्होंने कहा कि जिस तरह से राज्य में अपराधियों द्वारा आए दिन घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है. पुलिस की सतर्कता से अपराध पर काबू पाया जा सकता है. रमेश पांडे ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में एंटी क्राइम चेकिंग व पुलिस पेट्रोलिंग करने की बात कही.

कांके का ऐतिहासिक ईंद मेला आज

कांके। पिठोरिया के सुतियांबेगढ़ में सोमवार को 12 पड़हा ईंद मेला का आयोजन किया गया है. इसकी शुरुआत राजा मदरा मुंडा ने अपनी राजधानी सुतियांबे में कराई थी. आयोजन समिति के अध्यक्ष रंजीत टोप्पो, कार्यकारी अध्यक्ष सोहराई टोप्पो, संरक्षक पेपला उरांव ने बताया कि मेला में बतौर मुख्य अतिथि ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री इरफान अंसारी, विशिष्ट अतिथि कांके विधायक समरीलाल, खिजरी विधायक राजेश कच्छप, बीएयू कुलपति डॉ सुनील चन्द्र दूबे, रिनपास निदेशक डॉ जयति सिमलाई होंगे.

प्रतिबंधित मांस के साथ दो गिरफ्तार

बुढ़मू। बुढ़मू थाना क्षेत्र के पातकोई निवासी सहमूद खान और साड़म टोकाटोली निवासी नरेश उरांव को प्रतिबंधित मांस के साथ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. जानकारी के अनुसार महमूद प्रतिबंधित मांस लेकर नरेश के घर आया था. उसी दौरान ग्रामीणों ने प्रतिबंधित मांस के साथ दोनों को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया. थाना प्रभारी रितेश महतो ने बताया कि सोमवार को दोनों को जेल भेजा जाएगा.

एसयूवी दुर्घटनाग्रस्त बाल-बाल बचे लोग

अनगड़ा। सिकिदिरी-ओरमांझी पथ पर एमके मोट्र्स के पास एक ट्रैक्टर के अचानक घूमने से उसके पीछे सेआ रही एसयूवी दुर्घटनाग्रस्त हो गई. वहीं एसयूवी में सवार रांची निवासी ओमकार सिंह, अमिल गुप्ता, रंजन उरांव, शनि कुमार और भोलू कुमार बाल-बाल बच गए. सिकिदिरी थाना प्रभारी दीपक कुमार सिन्हा ने बताया कि एसयूवी जंगल की गीली मिट्टी में जाकर फंस गई. जेसीबी बुलाकर उसे बाहर निकाला गया.

वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाई गई हरी झंडी

सिल्ली/मुरी। द पूर्व रेलवे के मुरी जंक्शन पर देश के प्रगति के लिए भारतीय रेलवे का निरंतर प्रयास के क्रम में 6 बंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का आज शुभारंभ किया गया जिसमें से टाटानगर पटना वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के मुरी पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों तथा रेलवे अधिकारियों के द्वारा ट्रेन के मुरी पहुंचने पर हरी झंडी दिखाकर पुनः रवाना किया गया.

लापुंग में विसर्जन शोभायात्रा निकली

लापुंग । लेऊ करम लेऊ करम, टिका सिंदूर ले लेऊ बारह बछर बादे आली राऊरे करम... लेऊ करम लेऊ करम लेऊ टिका सिंदुर ले लेऊ ... जैसे गीतों के बीच करमा पूजा के दूसरे दिन लापुंग प्रखंड के विभिन्न गांवों में करम गोसाईं राजा की विधिवत विसर्जन के पूर्व श्रद्धालुओं ने गीत गाकर करम डाईर के चारों ओर नृत्य किया. कुंवारी कन्याओं ने पाहन पुजार की देखरेख में करम गोसाईं राजा करम डाईर का विधिवत विसर्जन किया.

पीएम मोदी का झारखंड दौरा : केंद्रीय एजेंसियों के साथ साथ रांची, सरायकेला और जमशेदपुर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट पर रही

रांची से जमशेदपुर तक सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम, डीजीपी ने संभाली कमान

संवाददाता। रांची

पीएम नरेंद्र मोदी जमशेदपुर में जनसभा को संबोधित करने सड़क मार्ग से गए और आए भी. इस दौरान रांची एयरपोर्ट से जमशेदपुर तक सड़क पुलिस छावनी में तब्दील रही. पीएम के सड़क मार्ग से निकलने को लेकर केंद्रीय एजेंसियों के साथ साथ रांची, सरायकेला और जमशेदपुर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट पर रही. रांची से लेकर जमशेदपुर तक सभी इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था. पीएम के आने जाने के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में

किसी प्रकार की कोई चूक नहीं हो इसको लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता सुरक्षा व्यवस्था का कमान खुद संभाले थे. डीजीपी की अगुवाई में एडीजी सहित कई अन्य पुलिस अधिकारी खुद रांची से जमशेदपुर तक फिर जमशेदपुर से रांची तक गए. **हर जगह पुलिस के अधिकारी और जवान थे अलर्ट :** पीएम मोदी के सड़क मार्ग से जमशेदपुर जाने की सूचना के बाद से ही रांची, सरायकेला और जमशेदपुर पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई. रांची के नामकुम, बुंडू और तमाड़, वहीं सरायकेला के चौका और चांडिल पुलिस ने केंद्रीय बलों के साथ हर तरफ पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई. चांडिल के आगे जमशेदपुर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड में रही. रांची से लेकर जमशेदपुर तक सड़क पर हर जगह पुलिस के अधिकारी और जवान अलर्ट दिखे. **पीएम के लौटने तक बना रहा सुरक्षा घेरा :** पीएम मोदी जमशेदपुर से रांची जब तक नहीं लौटे तबतक सड़क पर सुरक्षा घेरा बना रहा. गौरतलब है कि लगातार हो रही भारी बारिश के कारण हेलीकॉप्टर से ना जाकर सड़क मार्ग से रांची से रवाना हुए. पीएम जमशेदपुर स्थित गोपाल मैदान में जनसभा को संबोधित किया.

बुंडू में भाजपाइयों ने पीएम का अभिनंदन किया

बुंडू । प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी रविवार को खराब मौसम के कारण सड़क मार्ग से बुंडू होकर जमशेदपुर गये. पहले उन्हें रांची में रोड शो करने के पश्चात् हवाई मार्ग से जमशेदपुर जाने था. जमशेदपुर में उनका पूर्व निर्धारित कार्यक्रम था. बुंडू में प्रधानमंत्री के सड़क मार्ग से जमशेदपुर जाने की सूचना पाने मात्र से तुरंत भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाजपा बुंडू मंडल अध्यक्ष आलोक कुमार दास के नेतृत्व में रांची टाटा राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित बुंडू के टॉलटैक्स के समीप भाजपा का झंडा लेकर कतारबद होकर प्रधानमंत्री श्री मोदी का अभिनंदन किया. प्रधानमंत्री मोदी ने भी उन्हें निराश नहीं किया और उन्होंने कार्यकर्ताओं का

अभिवादन स्वीकार करते हुए गाड़ी के अंदर से ही अपना हाथ हिलाकर धन्यवाद दिया.

सुमधुर करम गीतों के साथ करम गोसाईं करम डाईर को दी गई भावभीनी विदाई

करम करम विदा कईर दे रे आईयो ...

- गीतों और नृत्यों से अद्भुत समां बांधा सुनील कुमार गुप्ता ने

संवाददाता। बेड़ो

करम करम विदा कईर दे रे आईयो .... करम कर दिना आय गेल.... एतई दिन रहले करम घरे दुवारे, देशे में रहले राइज में रहले करम आइज विदा देवत हों ... जैसे गीतों के साथ बेड़ो प्रखंड के हरिहरपुर जामटोली, बेड़ो बस्ती तथा बारीडीह सहित दर्जनों गांवों में करमा पूजा के दूसरे दिन करम डाईर करम गोसाईं राजा का पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ विसर्जन शोभा यात्रा निकालकर विभिन्न जलाशयों में विसर्जित कर दिया गया. बेडो.प्रखंड के हरिहरपुर जामटोली सहित ईटाचिल्ड्री, पुरियो, जरिया, बारीडीह, मासु, मुडामु, जमनी, पंडरा, जहानाबाज, हुटार सहित दर्जनों गांवों में मांदर, ढोल नगाड़ों के साथ भव्य शोभायात्रा निकालकर पाहन पूजार की अगुवाई में करम गोसाईं राजा करम डाईर का विसर्जन किया गया. हरिहरपुर जामटोली में करम पूजा आयोजन समिति हरिहरपुर जामटोली में संरक्षक अजय लकड़ा एवं अध्यक्ष सुमित्रा उराईन के संयुक्त नेतृत्व में भव्य शोभायात्रा निकाली गई. विसर्जन शोभा यात्रा में मुख्य रूप से आयोजन समिति के बिरसा उरांव, कोषाध्यक्ष शंकर कुजूर, सहयोगी संदीप कुजूर, समाजसेवी पारतो उरांव, पाड़हा राजा विशाल उरांव, सदस्यों में राजेश उराँव, परतो उराँव, पहान सोमरा उराँव,पुजार मंगु उरांव, महतो लखो उराँव सहित गाँव के सैकड़ो युवक-युवतियां बूढ़े बुजुर्ग शोभा यात्रा में अपनी महत्वपूर्ण

हरिहरपुर जामटोली में विसर्जन शोभा यात्रा निकालकर करम गोसाईं को दी गई भावभीनी विदाई.

करम डाली और प्रतिमा को जलाशयों में किया विसर्जन

डकरा। डकरा और आसपास के इलाके में करमा का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया गया. क्षेत्र के मोहन नगर, बरटोला, मानकी, चुरी, भूतनगर, कोकरिया टांड, सुभाष नगर, जामडीह, खूंटीटोला, केडीएच, सहित अन्य जगहों के करमा पूजा स्थलों में करम डाली लगाकर विधि विधान के साथ पूजा किया गया .वहीं बरटोला और कोकरिया टांड के करम अखाड़े को आकर्षक ढंग से सजाकर करमा धरमा की प्रतिमा लगाकर भाई-बहन के प्रतीक करमा कथा सुनी गई. रविवार को सभी पूजा स्थालो से करम डाली एवं प्रतिमाओं को गाजे बाजे के साथ नाचते गाते जलाशयों में विधि विधान विसर्जन किया गया. बरटोला करम अखाड़ा क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ अखाड़ा रहा. यहा शिव चरण पाहन पूजा को सफल बनाने में बालेश्वर गंझू, लालेश्वर, विश्वनाथ, जितवाहन,जगदीश, प्रेम, बैजनाथ, अजय, श्वनाथ,बैजू,संदीप, अमित, नीरज, बादल, रंजीत हॉकर, सब्रोतो, विजय, मास्टर आदि का सराहनीय योगदान रहा.

भूमिका निभाई. करमा की विदाई गीतों के साथ सामूहिक नृत्य करते हुए सैकड़ों की संख्या में युवतियों ने अद्भुत समां बांधी. वहीं बारीडीह में पाहन सोमरा उरांव व फगुआ उरांव, महतो सुका उरांव , पुजार प्रकाश उरांव के संयुक्त नेतृत्व में करम गोसाईं विसर्जन शोभा निकाली गई. यहां विसर्जन शोभा यात्रा के पूर्व करम अखरा में मांदर की थाप पर थिरकते हुए उत्साह और उल्लास के साथ अखरा में चार चांद लगाया. गांव के बुद्धिजीवी एवं पूर्व उप प्रमुख धनंजय कुमार राय ने बताया कि करम करम विदा कईर दे रे आईयो .... करम कर दिना आय गेल.... एतई दिन रहले करम घरे दुवारे, देशे में रहले राइज में रहले करम आइज विदा देवत हों ... जैसे गीतों के साथ करम डाईर का विसर्जन किया गया. वहीं दूसरी ओर बेड़ो करम अखरा में स्थापित करम गोसाईं राजा का पूरी श्रद्धा और भक्ति से पूजा अर्चना कर करम की डाल का विसर्जन शोभा यात्रा निकालकर विसर्जित किया गया. बेड़ो के करम अखरा में करमा पूजा को सफल बनाने में छोटू तिर्की, सावन तिर्की, विपिन टोप्पो, विनोद टोप्पो, महादेव तिर्की, बासु उरांव, अमित उरांव, भोला बाड़ा, विकास तिर्की, विनोद लकड़ा आदि शामिल थे.

खलारी में निकाली गई शोभायात्रा

खलारी । खलारी कोयलांचल क्षेत्र और आस-पास के ग्रामीण इलाकों में करमा पूजा को लेकर करम डाली के विसर्जन के लिए विशाल शोभायात्रा निकाली गई. इस शोभायात्रा के दौरान सैकड़ों लोग फिल्मी गीत की धुन पर डांस करते नजर आए. विसर्जन शोभायात्रा के साथ करम डाली का विसर्जन दामोदर नदी व सपही नदी में किया गया. करमा पूजा को लेकर खलारी, चदरा धौड़ा, धमधमिया, करकट्ठा, जेहलीटांड़, महावीर नगर, भूतनगर, बरवाटोली, नया धौड़ा, जीटाईप, गुलजारबाग समेत अन्य गांवों से करम डाली विसर्जन को लेकर शोभायात्रा निकाला गया.

करम पूजा महोत्सव में सम्मिलित हुए उप मुखिया

ओरमांझी। रविवार को ओरमांझी के उप मुखिया संतोष कुमार गुप्ता एवं पूर्व सांसद प्रतिनिधि राजेश गुप्ता ने ओरमांझी स्थित पालू गांव परिसर में आयोजित "करम पूजा महोत्सव" में सम्मिलित हुए. इस अवसर पर उप मुखिया संतोष कुमार गुप्ता ने अखरा में पूजा-अर्चना की तथा करम डाली को प्रणाम कर ओरमांझीवासियों की सुख, समृद्धि,शांति और उन्नति की कामना की. मौके पर उप मुखिया संतोष गुप्ता एवं पूर्व सांसद प्रतिनिधि राजेश गुप्ता ने आदिवासी पारंपरिक वाद्य मांदर भी बजाया.

लापुंग : मुख्य सड़क पर गोबर फेंका, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

सड़क पर पड़ा गोबर.

संवाददाता। लापुंग

लापुंग थाना क्षेत्र के मालगो गांव में कथित रूप से पीसीसी सड़क पर गोबर और कूड़ा कचड़ा को फेंके जाने तथा इसी मामले में दो पड़ोसियों के परिवार वालों के बीच हाथापाई हो गई. दोनों पक्षों में मामूली झड़प और गाली-गलौज का मामला लापुंग थाना तक जा पहुंचा. मालगो गांव के धनेश्वर साहू और ढेना साहु के परिवार के लोगों ने लापुंग थाना में लिखित शिकायत की है. हालांकि लापुंग थाना में रविवार की शाम तक कोई भी मामला दर्ज नहीं हुआ था. गांव के सूरज साहु ने अपने लिखित शिकायत में धनेश्वर साहु के ऊपर घर से पीछे पीसीसी सड़क पर गाय का गोबर और कचड़ा को फेंकने से दुर्गन्ध के साथ पूरा सड़क पर कचड़ा फैलाने का आरोप लगाया है उसने लिखा है कि दुर्गन्ध से गांव में बीमारी फैलने की भी संभावना है. सूरज साहु के द्वारा कथित रूप से गोबर फेंकने से मना करने पर धनेश्वर साहू व कर्मपाल साहू एवम उनका परिवार के लोगो ने मिलकर मारपीट किया. दोनों ओर से लिखित आवेदन दिया गया. एक पक्ष में मुखिया और ग्रामीणों ने हस्ताक्षर कर लापुंग थाना को दिया . हीं गांव की मुखिया ने कहा कि गांव की सड़क को साफ सफाई रखना चाहिए न की गंदगी फैलाना चाहिए गांव में कचड़ा फेकने वाला दंड के भागीदार होंगे.

बुढ़मू के उमेडंडा में ईंद जतरा का आयोजन

बुढ़मू। प्रखंड के उमेडंडा नवदा में रविवार को ईंद जतरा का आयोजन किया गया. संतोष पाहन और शिदेश्वर मिश्रा ने करम डाल स्थापित कर ग्रामीण महिलाओं के साथ पूजा-अर्चना की. वहीं मेला मंच का उद्घाटन भाजपा नेता स्वामी देवेंद्र प्रकाश और जिला परिषद पश्चिमी रामजीत गंझू ने किया. स्वामी देवेंद्र प्रकाश ने कहा कि ग्रामीण भगवान ईंद्र की आराधना कर अच्छी बारिश की कामना की. समाजसेवी रतन प्रकाश सिंह ने बताया झारखंड में पहला ईंद जतरा उमेडंडा से शुरू किया गय. देर रात तक लोग गीतो पर आनंद लेते रहे. वहीं कलाकारों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर लोगों का मन मोह लिया. मौके पर झारखंड की प्रसिद्ध कलाकार सपना गुप्ता, सुनीता कुमारी, प्रीतम कुमार और राजदेव नायक द्वारा नागपुरी संगीतकार द्वारा गीत संगीत की मनमोहक प्रस्तुति की गई. मौके पर सनोज यादव, दिनेश यादव, रतन प्रकाश सिंह, तपेश्वर मिश्र, रोहित उरांव, शिवनंदनमुंडा, कुश कुमार नायक, सुक्खू यादव आदि मौजूद थे.

बुंडू में डायरिया से एक की मौत,15 लोग पीड़ित

संवाददाता। बुंडू

बुंडू स्थित बडकोलमा गांव में डायरिया का प्रकोप पिछले तीन दिनों से फैला हुआ है .जिसमें 15 लोग आक्रांत हो गए हैं. सभी को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है. रविवार को 45 वर्षीय पलानी देवी पति भारत महतो की अस्पताल में ही मौत हो गई. अन्य सभी घायलों का इलाज अस्पताल में ही चल रहा है. डायरिया फैलने की खबर मिलते ही अनुमंडलीय अस्पताल बुंडू के चिकित्सक पदाधिकारी डॉक्टर फारूक के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की एक टीम डायरिया से प्रभावित लोगों को इलाज में जुटे हुए हैं. स्वास्थ्य विभाग के टीम के द्वारा गांव के साफ सफाई एवं शुद्ध पेयजल उपयोग करने की सलाह दी है. उमेश महतो के नेतृत्व में अन्य लोग सहायता में जुटे हैं. मौत की खबर से ही गांव में मातम छा गया है. ग्रामीणों ने सरकार से सहायता शिविर लगाकर सभी लोगों का स्वास्थ्य जांच का दवा व्यवस्था करने की मांग की है. **गांव में दवाओं का वितरण किया गया :** डॉ दिलीप पासवान, उपाधिक्षक, बुंडू अनुमंडल अस्पताल ने बताया कि गांव में दवाओं का वितरण किया गया है .

ब्लीचिंग पाउडर का भी छिड़काव किया गया है . एक डायरिया पीड़ित महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए रिम्स, राँची रेफर किया गया था . किसी मरीज़ के मौत की जानकारी नहीं है . सोमवार को स्वास्थ्य टीम पुनः बड़कोलमा गाँव जायेगी और घर- घर जा कर लोगों का जाँच कर इलाज करेगी.

गांव का दौरा करेंगे एसडीएम

बुंडू । बुंडू के अनुमंडल पदाधिकारी मोहनलाल मरांडी ने बताया कि बुंडू प्रखंड के बडकोलमा गांव में डायरिया से मौत होने की खबर मिली है .सोमवार को चिकित्सक और स्वस्थ टीम के साथ गांव का दौरा कर स्थिति का जायजा लेंगे और पीड़ित परिवारों को तत्काल इलाज की पर्याप्त व्यवस्था कर किया जाएगी . अनुमंडल पदाधिकारी ने अनुमंडल के अस्पताल के उपाधीक्षक से बात कर त्वरित कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया है .

राजनीति काठीटांड़ के ग्रामीणों ने कांग्रेस नेता के समक्ष रखी समस्या

जल्द ही होगा समस्या का निराकरण: अजय नाथ शाहदेव

संवाददाता। रातू

रातू प्रखंड के काठीटांड़ में सड़क निर्माण सहित मूलभूम समस्याओं के निदान के लिए स्थानीय लोगों ने कांग्रेस के नेता अजय नाथ शाहदेव से मुलाकात की . ग्रामीणों ने मांगपत्र सौंपते हुए अपनी समस्याओं से अवगत कराया. ग्रामीणों ने बताया कि काठीटांड़ के विभिन्न गांवों में सड़क, बिजली और पेयजल के साथ ही स्वास्थ्य सुविधा का नहीं होना एक बड़ी समस्या है. इसे लेकर कई बार विभिन्न विभागों के अधिकारियों से संपर्क किया गया. आज तक एक भी समस्या का समाधान नहीं किया

कांग्रेस नेता से मुलाकात करते ग्रामीण.

गया. ग्रामीणों ने कांग्रेस नेता अजय नाथ शाहदेव से क्षेत्र की समस्या के समाधान कराने का अनुरोध किया. जिसपर कांग्रेस नेता अजय नाथ शाहदेव ने कहा जल्द ही ग्रामीण विकास मंत्री डॉ इरफान अंसारी से मुलाकात कर क्षेत्र की समस्याओं का निराकरण किया जायेगा. मांग पत्र सौंपने वालों में कुशल उरांव,सरिता कुजूर ,तारा मानी तिग्गा, ललिता देवी, अंशु पाठक , बशन्ती देवी, शान्ति देवी , राजेश्वर उरांव, सोमेस्वर उरांव व अन्य लोग मौजूद थे।

भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व है करम

रातू। करम पूजा पर कांग्रेस नेता अजय नाथ शाहदेव ने हटिया विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों के अनेक अखड़ा स्थलों में जाकर पूजा महोत्सव में शामिल हुए. इस दौरान नेता अजय नाथ शाहदेव का विभिन्न पूजा समितियों ने पारंपरिक रुप से स्वागत किया. इस दौरान अजय नाथ शाहदेव ने कहा कि करमा प्रकृति, संस्कृति और बेटी को बचाने के साथ-साथ उनका सम्मान करने का संदेश देता है. यह पर्व कृषि, दर्शन और भाई-बहन के प्रेम की अभिव्यक्ति का प्रतीक पर्व है. इस दौरान श्री शाहदेव करम अखड़ा में मांदर की थाप पर झूमते हुए करम झूमर भी खेला। उनके साथ और भी लोगों ने भाग लिया.

न्यूज अपडेट

जिकरा फॉल में गोस्सनर कॉलेज का छात्र डूबा

बुढ़मू। प्रखंड के घने जंगल के बीच स्थित जिकरा फॉल घूमने आया आईटीआई मेजर कोठी रांची निवासी आर्यन उरांव रविवार को दिन में फॉल में डूब गया. बताया जाता है कि आर्यन समेत नौ दोस्त प्रिंस मुंडा, अभिषेक मुंडा, आशीष केरकेट्टा, अभिजीत टोप्पो, पुलकित भगत, पंकज रजक, अभिषेक केरकेट्टा और एक अन्य के साथ रविवार को दिन में बाइक से जिकरा फॉल पहुंचे. सभी दोस्त जिकरा फॉल के आसपास घूमने लगे और आर्यन सहित चार दोस्त जिकरा फॉल के नीचे जाकर सेल्फी लेने लगे. सेल्फी लेने के दौरान आर्यन फिसलकर गहरे पानी में डूब गया. बाकी दोस्त उसे लकड़ी के सहारे निकालने का प्रयास किया, परंतु असफल रहे. इसके बाद तीन दोस्त फॉल के ऊपर बगल में स्थित बैगी गांव पहुंचे और ग्रामीणों को इसकी सूचना दी. ग्रामीणों से सूचना मिलने पर एएसआई मजीद आलम पुलिस बल के साथ जिकरा फॉल पहुंचे. ग्रामीणों केसहयोग सेआर्यन को निकालने का प्रयास किया. गांव के एक तैराक ने गहरे पानी में उतरकर आर्यन को खोजने का प्रयास किया, परंतु वह भी असफल रहा. सुबह से हो रही बारिश के कारण डूबे युवक को खोजने में कठिनाई हो रही है.

प्रेम प्रसंग में आधी रात को धुर्वा डैम में युवती कूदी

पिस्कानगड़ी। थाना क्षेत्र के धुर्वा डैम में रविवार को प्रेम प्रसंग में एक युवती के कूदकर आत्महत्या करने की आशंका जताई जा रही है. युवती का चप्पल और स्कूटी डैम के फाटक के पास से नगड़ी पुलिस ने बरामद किया है. घटना के संबंध में बताया गया कि युवती धुर्वा की रहनेवाली है और शनिवार की रात में ढाई बजे अपने घर से बिना किसी को कुछ बताए स्कूटी लेकर निकली थी. उसके घर से निकलने की जानकारी होते ही परिजन उसे आसपास खोजने लगे. खोजते हुए जब वे डैम की ओर गए तो उन्हें युवती की चप्पल और स्कूटी खड़ी मिली. परिजन डैम में युवती द्वारा छलांग लगाने की आशंका से घबराकर धुर्वा थाना पहुंचे वहां उन्हें बताया गया कि मामला नगड़ी थाना का है. इसके बाद वे रविवार की सुबह साढ़े चार बजे नगड़ी थाना पहुंचे और घटना की जानकारी दी. पुलिस द्वारा एनडीआरएफ की टीम को सूचना दी गई थी, परंतु वह शाम में डैम पहुंची. शाम मेंअंधेरा होने के कारण युवती की तलाश नहीं की जा सकी.

सड़क हादसे में युवक की मौत, एक घायल

चान्हो। थाना अंतर्गत खलारी मुख्य पथ पर स्थित अम्बाटांड़ के निकट हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गईं तथा दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया . घटना रविवार दोपहर लगभग एक बजे की है. बताया जाता है कि चौड़ा निवासी 32 वर्षीय सीताराम उरांव और 30 वर्षीय छोटू उरांव अपने गांव से ताला की ओर ग्लैमर बाइक से जा रहे थे. इसी दौरान उक्त स्थान के निकट एक अज्ञात ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया. इस हादसे में छोटू उरांव को जहां हल्की चोट आई है वहीं सीताराम बुरी तरह से घायल हो गया है, उसके पैर की एक हड्डी टूट चुकी है. घटना की जानकारी मिलते ही चान्हो पुलिस ने उन्हें तत्काल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चान्हो पहुंचाया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद सीताराम की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज हेतु रिम्स रेफर कर दिया गया, रिम्स ले जाने के क्रम में सीताराम की मौत हो गईं.

नामकुम में मनाया गया अभियंता दिवस समारोह

कार्यक्रम का उद्घाटन करतीं सांसद डॉ महुआ मांझी व अन्य.

नामकुम। डिप्लोमा अभियंता संघ, झारखंड के रांची व खूंटी जनपद की ओर से अभियंता दिवस समारोह का आयोजन नामकुम के अंबेडकनगर स्थित केन्द्रीय कार्यालय में आयोजित किया गया. समारोह के मुख्य अतिथि में राज्यसभा सांसद डॉ महुआ मांझी व विशिष्ट अतिथि इ. शेखर कुमार केन्द्रीय अंकेक्षक, अखिल भारतीय डिप्लोमा अभियंता महासंघ, नई दिल्ली व इ. श्यामदास सिंह, पूर्व अध्यक्ष, डिप्लोमा अभियंता संघ के अध्यक्ष गुप्तेश्वर राम के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलीत कर किया गया. समारोह के दौरान सांसद महुआ मांझी के द्वारा सेवानिवृत सदस्य इ. जयप्रकाश सिंह, इ. दिलीप कुमार, इ. महेन्द्र प्रताप सिंह, इ. सुनील खलको, इ. हरिशचन्द्र प्रसाद राजेश, के साथ 20 सदस्यों को सम्मानीत किया गया. वहीं संघ के अध्यक्ष गुप्तेश्वर राम की अध्यक्षता में उपस्थित सभी सदस्यों को संगठन को मजबुती प्रदान कर विभिन्न माँगों को सरकार से लागू करने हेतु अपनी एकजुटता का प्रदर्शन करने का अनुरोध किया गया.कार्यक्रम के संयोजक इ. ज्ञानदेव महतो के द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापन करते हुये सभा समाप्त की गई.

पिठोरिया दुर्गापूजा समिति के अध्यक्ष बने अनिल केसरी

कांके। दुर्गापूजा समिति पिठोरिया का गठन कर लिया गया. नवनिर्वाचित समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार केसरी, कार्यकारी अध्यक्ष कृष्ण कुमार महतो, महामंत्री शंकर महतो, कोषाध्यक्ष प्रमोद केसरी, प्रदीप केसरी, अमर ठाकुर और आलोक कार्यकारी ठाकुर, मुख्य पुरोहित अखिलेश्वर पाठक होंगे. इसके अतिरिक्त 12 उपाध्यक्ष और 15 सचिव के पद का चुनाव किया गया. नवनिर्वाचित समिति की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि तीन अक्तूबर से नवरात्र शुरू होगा और उसी दिन से श्रीरामचरित मानस का पाठ और प्रवचन का विशेष कार्यक्रम शुरू होगा. आठ अक्तूबर को बेलवरण पूजा, नौ को सप्तमी पूजा, 10 को अष्टमी पूजा, 11 को नवमी पूजा और 12 को विजयादशमी मनाई जाएगी. पूजा समिति की ओर से मंदिर परिसर पर सप्तमी सेदशमी तक मेले का आयोजन किया जाएगा.

लुंडरी और सिलागाईं में पहुंचा हाथियों का झुंड

चान्हो। थाना क्षेत्र के लुंडरी और सिलागाईं में बाईस जंगली हाथियों के झुंड के पहुंचने से क्षेत्र में दशहत का माहौल है.बताया जाता है कि दोनों गांवों के सीमाने पर स्थित एक झाड़ीनुमा खेत में रविवार अहले सुबह 22 की संख्या में हाथियों के झुंड के पहुंचने की सूचना ग्रामीणों को मिली. हाथियों को देखने के लिए आसपास के कई गाँवो से सैकड़ों की संख्या में लोग जमा हो गए. भीड़ में शामिल लोगों द्वारा बीडीओ बनाने और हल्ला करने से गुस्साए हाथी बीच बीच में ग्रामीणों को खदेड़ रहे थे. वन क्षेत्र पदाधिकारी ने बताया कि विभाग हाथियों पर नजर बनाए हुए है, वनकर्मी वहां मौजूद हैं. उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि हाथियों को न छेड़े और उनके पास नहीं जाए. देर शाम हाथियों को वापस जंगल भेजने का प्रयास होगा.

आत्म मूल्यांकन का समय

ईडी और सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए गए नेताओं को जमानत देते हुए जिस तरह की टिप्पणियां अदालतों ने की है, उससे अनेक तकनीकी सवाल पैदा होते हैं. विपक्ष के इस आरोप में दम भी नजर आता है कि नेताओं की गिरफ्तारी के पीछे मूल मकसद राजनीतिक है. एजेंसियों को आत्ममूल्यांकन करते हुए अपनी स्वायत्तता और जांच की निष्पक्षता की रक्षा करनी चाहिए. दिल्ली शराब घोटाले के आरोप में गिरफ्तार चार नेताओं को जमानत मिल चुकी है. इसके साथ ही झारखंड जमीन मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री को मिली जमानत में अदालत की टिप्पणी जांच एजेंसी के लिए आत्म मूल्यांकन का अवसर प्रदान करती है. कई महीने जेल में गुजारने के बाद आखिरकार आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत मिल ही गई. लेकिन हरियाणा विधानसभा चुनाव से महज कुछ हफ्ते पहले हुई इस रिहाई की राजनीतिक चश्मे से अलग-अलग व्याख्या की जा रही है. भले ही फैसले से आप ने राहत की सांस ली हो, लेकिन जमानत के विरोध को लेकर सीबीआई की विश्वसनीयता पर भी प्रश्न उठे हैं. शीर्ष अदालत ने केजरीवाल को शराब घोटाले में ईडी द्वारा दर्ज मामले में यह जमानत दी है. हालांकि, अब केजरीवाल हरियाणा में चुनाव लड़ रहे आप उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन वे इस मामले के गुण-दोष को लेकर कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं कर सकेंगे. साथ ही सामान्य रूप से वे मुख्यमंत्री के रूप में अपने दायित्वों का भी पालन नहीं कर सकेंगे. इन सीमाओं और शर्तों के बावजूद उनकी पार्टी राहत की सांस ले सकती है. उनकी रिहाई से हरियाणा में पार्टी के उम्मीदवारों का मनोबल बढ़ेगा. रिहा होने के बाद केजरीवाल ने कहा भी है कि जेल से आने के बाद मैं सौ गुना ताकतवर महसूस कर रहा हूं. वहीं सीबीआई के लिए यह असहज करने वाली स्थिति है कि मामले की सुनवाई कर रही बेंच के एक न्यायाधीश ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत देने में सीबीआई द्वारा बाधा डालने की बात कही है. सार्वजनिक विमर्श में भी यह बात उठती रही है कि एक मुख्यमंत्री व एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के नेता को सामान्य अपराधी की तरह ज्यादा समय तक जेल में नहीं रखा जाना चाहिए. अदालत ने इस आशंका को भी खारिज किया कि रिहाई के बाद मुख्यमंत्री सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं. इसके बावजूद केजरीवाल न्यायिक प्रक्रिया के दायरे में हैं. वे ही सवाल सीबीआई की कार्यशैली व विश्वसनीयता को लेकर भी उठे हैं. वैसे भी यदि सीबीआई के पास पुख्ता सबूत थे तो उसे जमानत को लेकर सवाल नहीं उठाने चाहिए थे, जिसके चलते विपक्ष को सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध के रूप में कार्रवाई करने के आरोप लगाने का मौका मिला. केजरीवाल की रिहाई के बाद दिल्ली कांग्रेस प्रमुख की तीखी प्रतिक्रिया से कयास लगाये जा सकते हैं कि इस फैसले का असर हरियाणा चुनाव पर पड़ सकता है. केजरीवाल की जमानत के बाद यह विमर्श भी तेज होना चाहिए कि जांच एजेंसियों को राजनीतिक दबाव से मुक्त बनाने की अचार संहिता बने.

> सार्वजनिक विमर्श में भी यह बात उठती रही है कि एक मुख्यमंत्री व एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के नेता को सामान्य अपराधी की तरह ज्यादा समय तक जेल में नहीं रखा जाना चाहिए. अदालत ने इस आशंका को भी खारिज किया कि रिहाई के बाद मुख्यमंत्री सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं.

सुभाषित

गुरु शुश्रूषया विद्या पुष्कलेन् धनेन वा।
अथ वा विद्यया विद्या चतुर्थो न उपलभ्यते॥

तीन तरीकों से विद्या प्राप्त की जाती है. चौथा कोई मार्ग नही है. पहला मार्ग है गुरु की सेवा शुश्रूषा से यानी गुरु कृपा से विद्या की प्राप्ति होती है. दूसरा पुष्कल धन देकर किसी से विद्यार्जन करना और तीसरा मार्ग है थोड़े ज्ञान के होने से पुस्तक पढ़कर या प्रयोग करकर विद्या से विद्या की प्राप्ति हो सकती है. इनके सिवा अन्य कोई मार्ग नही है.

विकास पुरुष के अवतार में राहुल गांधी

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तात्कालिक लाभ के लिए कभी कुछ नहीं करते. उनका मकसद शुरू से देशहित में बड़ा बदलाव रहा है. यही वजह है कि इन दिनों राहुल गांधी वोटरों की व्यापक चिंताओं के मुद्दों जैसे नौकरी की कमी वगैरह पर कम बोल रहे हैं, विचारधारा पर ज्यादा बोल रहे हैं. विचारधारा केंद्रित अभियान का चुनाव में सीमित लाभ होता है.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

अभी हाल ही में अमेरिका की अपनी यात्रा में राहुल गांधी की कुछ टिप्पणियों को भाजपा और उसके सहयोगियों ने तिल का ताड़ बनाने की कोशिश की. हालांकि इससे बेफिक्र राहुल अपनी एकला चलो की नीति से लगातार भाजपा को पछाड़ रहे हैं. उनकी कही एक-एक बात पर भाजपा का आईटी सेल तोड़-मरोड़ करने के लिए तैयार बैठा रहता है, चिल्लाता भी है, लेकिन राहुल गांधी अगली चाल चल कर उसकी सारी रणनीति की हवा निकाल देते हैं. अपनी अमेरिका यात्रा में उन्होंने कांग्रेस के दृष्टिकोण को खुल कर पेश किया, जिसमें उनका जोर दो मुख्य विषयों पर रहा. निष्पक्षता और बहुलवाद. राहुल ने इसकी तुलना भाजपा के दृष्टिकोण से की, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि यह जाति पदानुक्रम और बहुसंख्यकवाद पर आधारित है. उन्होंने ऐसी व्यवस्था की भी निंदा की, जिसमें 90% लोगों को अवसर नहीं मिल पाते. आरक्षण में वृद्धि सहित जाति जनगणना के नीतिगत मुद्दों पर राहुल गांधी ने कहा कि यह इस पर निर्भर करेगा कि इनकी स्टडी में क्या निकलता है. राहुल के जवाब में भाजपा विपक्ष के नेता बिना किसी राजनीतिक दृष्टिकोण आधी-अधूरी बात को लेकर बेवजह विवाद करने की कोशिश करते हैं. उन्हें शायद यह नहीं मालूम कि आज के डिजिटल युग में राहुल गांधी का हर वक्तव्य पब्लिक डोमेन में होता है. इस पर अफवाह फैलाने वालों पर ही लोग हंसते हैं. दिलचस्प बात यह है कि राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा पर भाजपा ने जितना झूठ फैलाने की कोशिश की, उतना ही अधिक लोगों ने कांग्रेस नेता का ओरिजनल वक्तव्य यू ट्यूब पर जाकर देखा. इससे लगता है कि भाजपा ही राहुल गांधी को हीरो बनाने पर तुल गई है.

आपको बता दें कि भारत में, मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग है, जो क्रॉस-कटिंग वैलेंस मुद्दों पर काम करने के लिए पार्टियों की क्षमता पर अपना मतदान विकल्प आधारित करता है. वैचारिक लगाव कमजोर हो सकता है. सिर्फ एक उदाहरण के लिए, बंगाल और त्रिपुरा में लंबे समय से हावी सीपीएम के नाटकीय पतन पर विचार करें. उनके बड़े वामपंथी वोटिंग ब्लॉक का तेजी से लुप्त होना, इस बात का संकेत है कि किसी पार्टी का सामाजिक समर्थन आधार काफी हद तक सत्ता-अधिग्रहण में उसकी विश्वसनीयता और सार्वजनिक वस्तुओं को वितरित करने की क्षमता से प्राप्त होता है. इन आकर्षक कारकों के बिना, वैचारिक स्थिति अप्रासंगिक हो जाती है.

राजनीतिक दार्शनिक जॉर्जेस सोरेल ने कहा कि एक

राजनीतिक दृष्टि और कुछ नहीं, बल्कि सामाजिक मिथक है - भविष्य का एक प्रतीकात्मक, अक्सर काल्पनिक दृष्टिकोण जो व्यापक जनता को एक राजनीतिक ताकत के पीछे प्रेरित कर सकता है. यह विचारधारा से उच्च स्तर पर स्थित है, जो दृष्टि को प्राप्त करने का मार्ग बनाती है. राहुल के नेतृत्व में, कांग्रेस के जहाज ने धीरे-धीरे खुद को एक समतावादी वामपंथी ताकत के रूप में फिर से स्थापित किया है. पार्टी ने समझदारी से मतदाताओं के अपने कैचमेंट क्षेत्र को बढ़ाया है, विशेष रूप से उन क्षेत्रवादी, पिछड़ी जाति और अंबेडकरवादी निर्वाचन क्षेत्रों को आकर्षित किया है, जो कभी इसे संदेह की दृष्टि से देखते थे. हालांकि, असमानता को कम करने का इसका मुख्य संदेश देश के विकास की एक आकर्षक दृष्टि से जोड़ कर अधिक जोरदार तरीके से व्यक्त किया जा सकता है, जो सभी के लिए ऊपर की ओर गतिशीलता और विस्तारित आजीविका के अवसरों का वादा करता है.

इस साल की शुरुआत में सीएसडीएस-लोकनीति सर्वे में पाया गया कि बेरोजगारी लगभग दो-तिहाई मतदाताओं के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है. इसमें सबसे अधिक अनुपात ओबीसी, मुस्लिम और दलित मतदाताओं में पाया गया. मतदाताओं का बाकी हिस्सा न केवल सांप्रदायिक मुद्दों के प्रति सजग है, बल्कि रोटी-रोजी की चिंताओं से भी उतना ही जुड़ा हुआ है. पिछले 10 वर्षों में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए के फीके प्रदर्शन ने इस दृष्टि को बुरी तरह से प्रभावित किया है. निजी निवेश का स्तर (सकल स्थिर पूंजी निर्माण के संदर्भ में मापा गया) प्रभावशाली नहीं रहा है, जबकि रोजगार सृजन स्थिर रहा है. विश्व बैंक ने बताया कि भारत में मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर का 2022 में सकल घरेलू उत्पाद में 13% हिस्सा था, जो 2010 में 17% था यानी 4 प्रतिशत की गिरावट आई. राहुल गांधी ने देश के सामने बेरोजगारी, महंगाई, जातीय असमानता का मुद्दा जोरदार तरीके से रखा है, जो आम लोगों को विशेष तौर पर आकर्षित कर रहा है. मोदी के मित्रों को मिल रहे प्रोत्साहन का मुद्दा भी अब सबको समझ में आने लगा है. संयोग से एनडीए 3.0 को रोजगार सृजन पर सवालों का सामना करना पड़ रहा है. इसलिए, यह राहुल के लिए नौकरियों पर एक वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रदान करने का एक सुनहरा अवसर है. न केवल गरीब मतदाताओं से जुड़ने के लिए, बल्कि मनमोहन सिंह-मिड्ल क्लास वर्ग के साथ कांग्रेस के संबंधों को फिर से जगाने के लिए भी. इसी वर्ग ने 2009 में कांग्रेस को वोट दिया था. अपने अमेरिकी दौरे में, राहुल ने बेरोजगारी संकट को संबोधित किया, एक बिंदु पर सुझाव दिया कि भारत उपभोक्ता-केंद्रित अर्थव्यवस्था से उत्पादन-केंद्रित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने में चीन और वियतनाम से सीख सकता है. इसके अलावा, उन्होंने मैन्यूफैक्चरिंग-बेस्ड अप्रोच की वकालत की और तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे राज्यों द्वारा की गई प्रगति का हवाला दिया. सभी विचार दिलचस्प हैं, लेकिन उन्हें विस्तार देने की जरूरत है. व्यापक आर्थिक चिंताओं, विशेष रूप से नौकरियों के लिए कांग्रेस के समाधान, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए उसके अभियानों में जांच के दायरे में आ सकते हैं. पहले दो राज्यों में, कांग्रेस गठबंधन प्रमुख कृषि जातियों (जाट और मराठा) के समर्थन पर निर्भर है. इसलिए, उसे जाति-आधारित वितरण न्याय पर अपनी अपील को सावधानीपूर्वक जांचने की जरूरत होगी.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष डॉ. एसके पाण्डेय

की तुम राम दीन अनुरागी

साधन संपन्न लोगों से तो बहुतेरे प्रेम करते हैं. अनुराग रखते हैं. लेकिन जो विपन्न हो, दीन-हीन हो उससे कोई अनुराग नहीं रखता. ऐसे लोगों से तो लोग मुंह फेर लेते हैं. बात करने की बात तो दूर, कोई उसका चेहरा भी देखना पसंद नहीं करता. लेकिन एक मात्र सीतारामजी महाराज ऐसे हैं. जिनको ऐसे ही लोग प्रिय होते हैं. गोस्वामीजी मानस में कहते हैं- 'वन्दौं सीताराम पद जिनहिं परमप्रिय खिन्न'. रामजी का यह वाना है- दीनों की सुनना और उनसे अनुराग रखना. इसलिए ही दीन-हीन युगों-युगों से उनके इस वाने के बल पर जीते आ रहे हैं. इसलिए हम भी रामजी को सुनाते हैं. रामजी का विरद ही अपना बल है-

सुनते न दीनों की जो उन्हें ठुकुराते.
मोसे दीन मतिहीन किसको सुनाते.

जो पतित और अधम हैं. उनके भी तारनहार राम जी हैं. क्योंकि रामजी पतितपावन हैं और अनेकों अधमों को अपना लिए हैं. लोक, वेद-पुराण, भक्त और देवी-देवता इसके साक्षी हैं. भगवान का विरद गवाह है कि रामजी कभी पतितों से मुँह नहीं फेरते. यदि वे ऐसा करते तो मुझ जैसों का क्या होता-

पतितों से जो तू मुँह फेर जाते.
मोसे दोष-कोष अघी कहीं न समाते.

विभीषणजी लंका में ऐसे रहते थे जैसे दांतों के बीच में जिह्वा रहती है. दांतों के बीच में जिह्वा की क्या स्थिति होती है, इससे कौन अनभिज्ञ है? दुष्टों के बीच में उनका वास था. दुष्टों के बीच में रहने की अपेक्षा नर्क का वास अच्छा कहा गया है. लेकिन कुछ भी हो विभीषणजी को पता था कि हमारे प्रभु दीन-मलीनों से अनुराग रखने वाले हैं. वे दीनों की सुनते हैं. उन्हें अपनाते हैं. कभी ठुकुराते नहीं हैं. तो एक न एक दिन मेरी भी सुनेंगे. मैं कितना ही अधम क्यों न हूं. वे मुझसे मुंह नहीं फेरेंगे. क्योंकि उनका स्वभाव ही ऐसा है. कोई मुझसे मिले अथवा न मिले. कोई मुझसे कोई सरोकार रखे अथवा न रखे. लेकिन हमारे स्वामी तो दीन अनुरागी हैं. अतः वे तो रखेंगे ही. विभीषण से जब हनुमानजी महाराज विप्र रूप में मिले तो उनको बहुत आश्चर्य हुआ कि विप्र और लंका में? और मुझसे मिलने. इसमें क्या रहस्य है. कोई विप्र हमसे मिलने क्यों आएगा? कोई आये अथवा न आये लेकिन मेरे स्वामी तो आ ही सकते हैं. और वे आयेंगे भी, क्योंकि उन्हें अपने विरद की लाज रखनी है. इसलिए विभीषणजी ने हनुमानजी महाराज से वही पूंछ लिया, जिसके स्मरण मात्र से मन पुलकित हो जाता है- की तुम राम दीन अनुरागी, आयहु करन मोहि बड़भागी.

विनियंत्रण के युग में अकल्पनीय है तेल मूल्य

• बाजार

एन.बनर्जी

भारत में खनिज तेल की खुदरा कीमतों पर से नियंत्रण हटाना स्थानीय खुदरा बाजार की कीमतों को वैश्विक मूल्य प्रवृत्तियों से जोड़ने के किसी ईमानदार उद्देश्य से ज़्यादा आम जनता और सीधे-साधे उपभोक्ताओं को धोखा देना है. पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि जब भी वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो खुदरा तेल की कीमतें अक्सर तेज़ी से बढ़ जाती हैं, परन्तु जब वैश्विक बाजार में कीमतें घटती हैं तब भारत में खनिज तेल की खुदरा कीमतें तेजी से नहीं घटतीं. सबसे पहले 2010 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पेट्रोल की खुदरा कीमतों पर और उसके बाद 2015 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा डीजल की कीमतों पर से नियंत्रण हटाया गया. देश लगभग 87 प्रतिशत आयातित खनिज तेल पर निर्भर है. आयात की कीमतों में गिरावट आने पर भी खुदरा तेल की कीमतें शायद ही कभी कम होती हैं, यहां तक कि काफी लंबे समय तक भी नहीं. पेट्रोल और डीजल की कीमतें केंद्र और राज्य सरकारों के कर राजस्व और शुल्क का सबसे बड़ा स्रोत है. यहीं पर समस्या है. बहुत ही सावधानी से पेट्रोलियम को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे से बाहर रखा गया है. जून 2022 के मध्य से, वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की मासिक औसत कीमत में काफी गिरावट आई है - अपने चरम पर 116 डॉलर प्रति बैरल से अब 76.8 डॉलर प्रति बैरल तक. वास्तव में, अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतें चालू वर्ष के दौरान अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई हैं. दुर्भाग्य से, सरकार की तथाकथित खुदरा मूल्य नियंत्रण नीति बाजार की वास्तविकता से पूरी तरह से अलग है. न तो सरकार और न ही तेल कंपनियों ने कच्चे तेल की गिरती आयात लागत को ध्यान में रखते हुए खुदरा तेल की कीमतों को नीचे समायोजित करने का कोई प्रयास किया है. इसके बजाय, तेल कंपनियां उच्च लाभ कमा रही हैं. सरकार का कर राजस्व भी अप्रभावित रहा है. व्यवहार में, बहुप्रचारित तेल मूल्य नियंत्रण एक बड़ा दिखावा प्रतीत होता है. अक्सर तेल और रसोई गैस की खुदरा कीमतें वैश्विक कीमतों या कच्चे तेल की आयात लागत के साथ उनके अपेक्षित प्राकृतिक जुड़ाव की तुलना में केंद्र और राज्यों में चुनावों से अधिक जुड़ी होती हैं. आधिकारिक तौर पर, सरकार द्वारा नियंत्रित सार्वजनिक क्षेत्र के तेल विपणन संगठन पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों को निर्धारित करने के लिए जिम्मेदार हैं. उदाहरण के लिए, 2013 से 2018 के बीच पांच साल की अवधि में वैश्विक कच्चे तेल (भारतीय बास्केट) की कीमत लें. जनवरी 2013 में यह 110 अमेरिकी डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जबकि मार्च 2018 में कीमत घटकर 64 अमेरिकी डॉलर रह गई. इस बीच, जनवरी 2016 में कीमत घटकर 28 डॉलर रह गई थी. इस तथ्य पर विचार करते हुए कि इन पांच सालों की अवधि में वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में 42 प्रतिशत की गिरावट आई थी, भारत में पेट्रोल की खुदरा कीमत वास्तव में आठ प्रतिशत और डीजल की खुदरा कीमत में 33 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई.यह तथाकथित तेल मूल्य विनियंत्रण के युग में अकल्पनीय है, जिसमें घरेलू खुदरा कीमतों को कच्चे तेल के थोक आयात लागतों से जोड़ा जाता है, जबकि सरकार अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि होने पर पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों को बढ़ाने का कोई मौका नहीं छोड़ती है. सरकार ने खुदरा पेट्रोल और डीजल की कीमतों को विनियंत्रण करने के पीछे के उद्देश्य के बारे में लोगों को पूरी तरह से गुमराह किया है. यह धारणा बनाई गई है कि भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों से जुड़ी हैं, जो पूरी तरह से गलत प्रतीत होती है. सिद्धांत रूप में, यदि कच्चे तेल की अन्तरराष्ट्रीय कीमतें गिरती हैं, जैसा कि 2022 की तीसरी तिमाही से काफी हद तक चलन रहा है, तो खुदरा तेल की कीमतें भी कम होनी चाहिए और यदि अन्तरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ती हैं तो भारत में भी खुदरा मूल्य बढ़ना चाहिए. हालांकि, व्यवहार में ऐसा नहीं हो रहा है.सबसे बड़े लाभार्थी सरकार द्वारा नियंत्रित तेल कंपनियां हैं, जो मोटा मुनाफा कमा रही हैं, और फिर सरकार है जिसका कर राजस्व बरकरार है. सरकार ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले 14 मार्च को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी. यह पूरी तरह से एक राजनीतिक निर्णय था.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> वास्तव में, अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतें चालू वर्ष के दौरान अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई हैं. दुर्भाग्य से, सरकार की तथाकथित खुदरा मूल्य नियंत्रण नीति बाजार की वास्तविकता से पूरी तरह से अलग है. न तो सरकार और न ही तेल कंपनियों ने कच्चे तेल की गिरती आयात लागत को ध्यान में रखते हुए खुदरा तेल की कीमतों को नीचे समायोजित करने का कोई प्रयास किया है.

लोकतंत्र में जनता की सर्वोच्चता निर्विवाद

• विमर्श

विश्वनाथ सचदेव

कुछ अरसा पहले वाराणसी में एक टी.वी. इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ ऐसा कह दिया था, जिससे कोई भी चौंक सकता था. प्रधानमंत्री ने कहा था, 'पहले मैं यह माना करता था कि मेरा जन्म बायलॉजिकल था. कालांतर में मुझे विश्वास हो गया कि मुझे भगवान ने किसी विशेष काम के लिए भेजा है'. उनके इस कथन ने बहुतों को चौंकाया था. ऐसा नहीं है कि अलौकिक शक्तियों से युक्त होने के दावे पहले नहीं किये गये, पर अक्सर ऐसी बातों को भुला दिया जाता है. प्रधानमंत्री की 'गैर बायलॉजिकल' होने वाली बात को भी भुला ही दिया गया था. अच्छी बात यह भी है कि स्वयं प्रधानमंत्री ने भी अपनी इस बात को दुहराना ज़रूरी नहीं समझा. लेकिन हाल ही में केरल में हुई संघ-परिवार की तीन दिवसीय बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया मोहन भागवत ने बिना प्रधानमंत्री का नाम लिए कुछ ऐसा कहना ज़रूरी समझा कि अनायास ही प्रधानमंत्री की कही बात याद आ गयी. भागवत ने केरल में कहा, 'किसी को स्वयं को भगवान नहीं समझना चाहिए, भगवान लोग बनाते हैं'. ज्ञातव्य है कि संघ-प्रमुख बिना किसी का नाम लिए यह भी कह चुके हैं कि एक स्वयंसेवक को अहंकारी नहीं होना चाहिए. संघ-प्रमुख ने भले ही अपने भाषण में किसी का नाम न लिया हो, पर समझने वालों के लिए संकेत समझना मुश्किल नहीं था. और अब इस बारे में कयास लगाये जा रहे हैं कि उन्होंने यह बात कहना ज़रूरी क्यों समझा. बहरहाल, आजादी मिलने से कुछ ही पहले की बात है. जवाहरलाल नेहरू ने 'चाणक्य' छद्मनाम से एक लेख लिखकर देश की जनता को सावधान किया था कि यदि जवाहरलाल नेहरू को नियंत्रित नहीं रखा गया तो यह व्यक्ति तानाशाह भी बन सकता है. उनके शब्द भले ही कुछ और रहे हों, पर मंतव्य यही था. उन्होंने देश की जनता को आगाह किया था कि जनतांत्रिक व्यवस्था में किसी को भी स्वयं को अपनी कथित अलौकिकता का दावा करने का अधिकार नहीं है. महान वही है, जिसे जनता उसके कार्यों के आधार पर महान समझे. जवाहरलाल नेहरू ने जब छद्मनाम से वह लेख लिखा था तो वे वस्तुतः स्वयं को आगाह कर रहे थे कि उन्हें संयम से, सीमा में, रहना होगा. आज मोहन भागवत स्वयं को भगवान समझने वालों को यही संदेश दे रहे हैं. वस्तुतः यह संदेश नहीं, चेतावनी है. उनके लिए भी चेतावनी जो स्वयं को महान अथवा अलौकिक समझते हैं और जनता के लिए भी जो किसी कथित अलौकिकता का शिकार बन सकती है, बन जाती है. नेताओं को संयम में रहना चाहिए और जनता को भी उनकी नकेल अपने हाथ से नहीं छोड़नी चाहिए. केरल की उस बैठक में संघ-परिवार के सभी घटक सम्मिलित हुए थे. संघ की राजनीतिक शाखा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी वहां उपस्थित थे. हाल ही में हुए आम चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा-अध्यक्ष ने स्पष्ट शब्दों में यह कहा था कि 'अब भाजपा को संघ की बैसाखी की आवश्यकता नहीं है.' संघ के नेतृत्व को यह बात रास नहीं आयी, और कहते हैं, भाजपा को चुनाव में पर्याप्त सफलता न मिलने का एक कारण संघ के स्वयंसेवकों की बेरुखी भी थी. संघ प्रमुख द्वारा बार-बार बिना नाम लिए प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाना भी यह बताता है कि संघ और भाजपा के रिश्तों में कहीं कुछ खटास आयी है. यह खटास कैसे दूर हो सकती है, इस बारे में संबंधित पक्षों को ही सोचना और कुछ करना होगा, लेकिन भाजपा के नेतृत्व को, विशेष रूप से प्रधानमंत्री को, कुछ निर्णायक कदम उठाने ही होंगे. भाजपा के नेतृत्व को यह समझना होगा कि विपक्ष दुश्मन नहीं होता, कि जनतांत्रिक व्यवस्था में अहंकार के लिए कोई स्थान नहीं है, कि कोई अपने आप को सर्वोपरि मानकर देश का नेतृत्व नहीं कर सकता. आज भी विश्व-व्यवस्था में भारत जैसे बड़े देश का अपना महत्व है. आज़ादी मिलने के बाद से ही विश्व भारत की ओर आशाभरी निगाहों से देखता आ रहा है. हमारी गुट-निरपेक्षता की नीति कई बार अपना महत्व रेखांकित कर चुकी है. आज भी प्रधानमंत्री से अपेक्षा की जा रही है कि वे दुनिया पर गहराते युद्ध के बादलों को दूर करने में सक्रिय भूमिका निभाएं. रूस और यूक्रेन में चल रहा युद्ध हो अथवा इजराइल-फलस्तीन की लड़ाई, भारत की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> ज्ञातव्य है कि संघ-प्रमुख बिना किसी का नाम लिए यह भी कह चुके हैं कि एक स्वयंसेवक को अहंकारी नहीं होना चाहिए. संघ-प्रमुख ने भले ही अपने भाषण में किसी का नाम न लिया हो, पर समझने वालों के लिए संकेत समझना मुश्किल नहीं था. और अब इस बारे में कयास लगाये जा रहे हैं कि उन्होंने यह बात कहना ज़रूरी क्यों समझा.

मीडिया में अन्यत्र

भारत के खाद्य खपत में हो रहा बदलाव

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद द्वारा प्रकाशित एक नए कार्यपत्र 'भारत के खाद्य उपभोग में बदलाव और उसके नीतिगत निहितार्थः घरेलू खपत व्यय सर्वेक्षण 2022-23 और 2011-12 का एक व्यापक विश्लेषण' ने देश के खाद्य उपभोग संबंधी रुझानों के दिलचस्प पहलुओं पर प्रकाश डाला है.घरेलू खपत व्यय सर्वेक्षण 2011-12 और 2022-23 के आंकड़ों की तुलना बताती है कि देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के ग्रामीण और शहरी इलाकों में घरेलू स्तर पर औसत मासिक प्रति व्यक्ति व्यय में महत्त्वपूर्ण इजाफा हुआ है. वास्तव में ग्रामीण परिवारों के एमपीसीई में 164 फीसदी की वृद्धि हुई जबकि शहरी इलाकों के परिवारों का एमपीसीई 146 फीसदी बढ़ा.इसके अलावा औसत एमपीसीई में शहरी और ग्रामीण इलाकों के बीच का अंतर 13 फीसदी कम हुआ. इस संदर्भ में पर्चे ने खाद्य खपत रुझानों में बदलावों को अच्छी तरह दर्ज किया है. भारत जैसे विकासशील देश में यह घरेलू व्यय का बड़ा हिस्सा है.आंकड़े आगे दिखाते हैं कि खाद्य उत्पादों का कुल घरेलू व्यय ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों में काफी कम हुआ है. पहली बार खाद्य क्षेत्र का औसत घरेलू व्यय परिवारों के समग्र मासिक व्यय के आधे से भी कम है. इससे संकेत मिलता है कि तमाम परिवारों की स्थिति में सुधार हुआ है. यह बात ऐंजल कर्व परिकल्पना के अनुरूप ही है, जो यह मानती है कि किसी परिवार की आय बढ़ने के साथ-साथ खाद्य पदार्थों पर होने वाला व्यय कम होता है.एचसीईएस के आंकड़े न केवल भारतीयों के कुल व्यय में खाद्य उत्पादों की हिस्सेदारी में गिरावट की ओर संकेत करते हैं, बल्कि वे यह भी बताते हैं कि खाद्य व्यय के घटकों में बदलाव आया है. अनाज से दूध और दुग्ध उत्पादों, ताजे फलों, अंडों, मछली और मांस की ओर.

दूसरे शब्दों में कहा जाए तो खाद्य खपत बास्केट कैलरी वाले भोजन से प्रोटीन और सूक्ष्म पोषक तत्त्वों वाले भोजन की ओर जा रही है. व्यापक स्तर पर खाद्य खपत रुझानों में बदलाव को देखते हुए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के भार में संशोधन का मामला बनता है. बहरहाल, इस कवायद को अंजाम देने के पहले समझदारी यही होगी कि 2023-24 के एचसीईएस के परिणामों की प्रतीक्षा की जाए, जो अगले वर्ष के आरंभ में आने हैं.ध्यान देने वाली बात यह है कि अनाजों पर होने वाले व्यय में कमी उन परिवारों में अधिक है जो आय वितरण के निचले 20 फीसदी में आते हैं. ऐसे ही रुझान प्रति व्यक्ति घरेलू स्तर पर विभिन्न खाद्य पदार्थों की वास्तविक मात्रा के लिए भी देखने को मिले. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

मान/श्रीमान्

कोई रूठ जाये तो उसे मनाना पड़ता है. जब वह मान जाता है तो खुशी होती है. जब कोई आपकी बात मान लेता है तो संतोष होता है. कुछ लोग अपनी बात मान लेने के लिए दूसरों पर दबाव डालते हैं, जैसा इस गाने में है-मान मेरा एहसान अरे नादान कि मैंने तुझसे किया है प्यार. इन वाक्यों में प्रयुक्त मान हिंदी का बहुप्रचलित तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसके अनेक अर्थ हैं. जैसे भार, तौल, किसी पदार्थ या वस्तु की नाप, मूल्य आदि परिमाण जानने का साधन, पैमाना, मापदंड, आदर, सम्मान, काव्यशास्त्र के अनुसार नायिका या नायक के प्रति उदासीनता का भाव, रूठना. यही मान अकर्मक क्रिया के रूप में जब आता है तो इसका मतलब हो जाता है राजी होना, सहमत होना, समझना, फर्ज करना, मन में आना, खुश होना, अनुकूल होना, किसी के प्रति आदर भाव रखना, कायल होना, भरोसा होना. इसी प्रकार सकर्मक क्रिया के रूप में इसका मतलब है विश्वास करना, स्वीकार करना, अंगीकार करना, सहन करना, किसी के निर्देश या आज्ञा का पालन करना, कर्तव्य निभाना, खयाल रखना. उपसर्गों के प्रयोग से मान के अर्थ में चमत्कार उत्पन्न होता है. जैसे अप उपसर्ग लगेगा तो अपमान, अभि उपसर्ग लगेगा तो अभिमान, सम् उपसर्ग लगेगा तो सम्मान, वि उपसर्ग लगेगा तो विमान, अनु उपसर्ग लगेगा तो अनुमान. इन शब्दों को तो हर कोई महसूस करता है. कुछ लोगों का मान बहुत जल्दी खंडित भी हो जाता है. इसलिए वे रूठ जाते हैं. गाना बनता है-रूठा है तो मना लेंगे.. स्त्रियों का जब मान खंडित होता है और वे क्रोधित हो जाती हैं तो जैसा कि परम्परागत रूप से कहा गया है, वे कोप-भवन में चली जाती हैं. उन्हें भी मनाना पड़ता है. मान शब्द की मैत्री जब श्री शब्द से होती है तो शब्द बनता है श्रीमान. श्री शब्द धन-संपदा, सुख-सौभाग्य, कांति, शोभा तथा गौरव की देवी लक्ष्मी का पर्यायवाची है. श्रीमान् का आशय है पुरुषों के नाम के आगे लगाया जानेवाला आदरसूचक शब्द, अमीर, धनवान, शोभायुक्त, गौरवशाली.

डर है कि कहीं कट न जायें चोटियां

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

आश्चर्य है, राजस्थान से जो चोटियां कटने का सिलसिला शुरू हुआ, थम ही नहीं रहा है. दिल्ली होता हुआ उत्तरप्रदेश में और फिर गुजरात तक में इसने अपनी पहुंच बना ली. आज तक व्याख्या नहीं हो पाई कि आखिर कौन काट रहा है, ये चोटियां. दहशत फ़ैल गई है. समाधान के अबतक कई विकल्प आ चुके हैं. शायद कोई चुड़ैल है, या कुछ चुड़ैलें हों जो इसे अंजाम दे रहीं हैं. एक महिला को तो चुड़ैल मानकर पीट पीट कर मार ही डाला गया. कुछ लोगों का कहना है चोटियां कटने की बात केवल एक अफवाह है. वास्तव में तो चोटियां कटी ही नहीं हैं. कुछ उदाहरण ऐसे मिले भी. लेकिन कुछ की चोटियां यतार्थतः कटी देखी भी गईं हैं. कोई न कोई तो चोटी-कटवा है- इससे इनकार नहीं किया जा सकता. एक व्याख्या यह भी है कि दरअसल एक बरसाती कीड़ा है जो बालों में घुस जाता है और पूरी की पूरी चोटी साफ़ हो जाती है. कितने ही लोग ऐसे हैं जो चोटियां रखते हैं. स्त्रियों की तो आमतौर पर चोटियां होती ही हैं, तमाम पुरुष भी ऐसे हैं की जिनके चोटियां हैं. भले ही वे स्त्रियो की तरह उनकी पीठ पर न लहराएं, पर अनेक हिन्दू लोगों के सर पर बीचों-बीच बालों का एक गुच्छा जो हजामत बनाते वक्त छोड़ दिया जाता है, वह उनकी चोटी, जिसे शिखा भी कहा जाता है, ही तो है. वाराणसी में आपको न जाने कितने ऐसे 'चोटी के विद्वान' मिल जाएंगे. मेरी एक महिला मित्र हैं. उनके बड़े लम्बे बालों की लम्बी सी एक चोटी है. अच्छी तो लगती है लेकिन वे उसके रख-रखाव से दुखी हैं. कटवाना चाहती हैं. लेकिन घरवाले नहीं चाहते की इतने सुन्दर बालों को काट दिया जाए ! पर वे सैलून पहुंच ही गईं. लेकिन वहां भी बाल काटने वाले ने उन्हें हिदायत दे डाली कि वे अपने लम्बे बालों पर गर्व करें और रहम करें. चोटी न कटाएँ. फिर क्या था ! रात में जब सब सो रहे थे उन्होंने अपनी लंबी चोटी खुद ही काट डाली और लगे हाथों यह अफवाह उड़ा दी की कोई चोटी-कटवा उनकी चोटी काट ले गया. ...और लगीं विलाप करने! पर्वतारोहण की शौकीनों ने न जाने कितने पर्वतों की चोटियां फतह कर डाली हैं. शायद ही कोई ऐसी चोटी रह गई हो जो फतह न हुई हो. हिमालय की सर्वोच्च चोटी, एवरेस्ट, पर कई देशों का झंडा कई बार लहराया जा चुका है. कई भारतीयों ने भी यह करिश्मा कर दिखाया. चोटियां स्त्रियों की ही कट रही हैं. स्त्रियां "सॉफ्ट टारगेट" हैं. स्त्रियों को वश में करना, उन्हें अपने अधीन कर लेना आसान है. उनकी चोटी काटने, कतरने में, उन्हें अपने आधिपत्य में ले लेने में, पुरुष ने दक्षता प्राप्त कर ली है. क्या किया जाए ? इसका एकमात्र समाधान यही है कि स्त्रियां पुरुषों से स्वयं को किसी तरह हीन न माने. अपना आत्मविश्वास जगाएं. स्त्रियों में एक बार यदि यह आत्म-विश्वास पैदा हो गया तो निःसंदेह सारे चोटी-कटवाओं की चोटियां कट जाएंगी.

सुकून

इन दिनों मेरी किताब

कानों में कुछ कह गईं मौसीक़ी सी सरगोशियां

चारूमित्रा

प्रसिद्ध कवयित्री संगीता कुजारा टाक का यह दूसरा काव्य -संग्रह है. प्रस्तुत संकलन स्त्रियों के प्रति गहरी संवेदना के साथ समाज में उनकी दशा-दिशा को रेखांकित करता है. युग बदलता है, समय बदलता है मगर स्त्रियों की स्थिति नहीं बदलती. "सरगोशियां" संकलन में जो त्रिवेणियां हैं, इसमें कवयित्री ने भावों, अनुभूतियों और कथ्य को बहुत सहज, सरल और आत्मीय ढंग से लयात्मक शब्दों में पिरोया है. जो धीरे से कानों में कुछ कहती है और पाठक की संवेदनाओं को झकझोरती है. गुलज़ार साहब को समर्पित ये त्रिवेणियां अपनी संवाद-शैली के चमत्कारिक प्रयोग से हर पाठक को विस्मित कर देती हैं.

गुलज़ार की लिखी त्रिवेणी है- "दो सोंधे जिस्म जिस वक्त/एक मुट्ठी में सो रहे थे/लबों की मद्धम तवील सरगोशियों में सांसें उलझ गयी थीं." गुलज़ार की यह नज़्म और दूसरी नज़्में कभी हम घूंट -घूंट पीते हैं, कभी चखते हैं, कभी उनका स्पर्श महसूस करते हैं और कभी उनका नशा हम पर तारी होता है. कभी उनमें हम गहरे डूबते हैं और कभी ख़यालों की भीनी -भीनी फुहार में भीगने के बाद देर तक गीले रहते हैं. ख़याल कभी इकहरे नहीं होते, धूप-छांव की तरह मिज़ाज बदलते रहते हैं. गुलज़ार की तरह संगीता कुजारा टाक की त्रिवेणियां भी हमारा ध्यान आकृष्ट करती हैं.

संगीता जी की त्रिवेणी पढ़ते हुए महसूस होता है, इन्होंने कविता के मर्म को न सिर्फ बचाया है बल्कि चाक्षुष माध्यम से लफ़्ज़ों के मानी को और ज्यादा प्रभावी बनाया है. कुछ कविताएं --

"मीलों फैली खामोशी/मेरा आकार लेती जा रही है/उसका नाम अब सन्नाटा है."

"तुझसे इश्क़ मेरा रोज़ा/लेकिन मेरी किस्मत/चांद मयस्सर नहीं मुझे."

इस त्रिवेणी को पढ़ते हुए गुलज़ार याद आ रहे हैं ---

"मैं एक सदी से बैठी हूं/इस राह से कोई गुज़रा नहीं/कुछ चांद के रथ तो गुजरे थे/पर चांद से कोई उतरा नहीं."

कभी -कभी संगीता कुजारा की त्रिवेणियां तीखी और शोख सुरूर का एहसास कराती हैं. कभी आंखों के झरोखे में रात भर बतिया जाती हैं - "ख़्वाब सोने नहीं देते/सो जाएं तो उठने नहीं देते/खुदा! मिट्टी पलीद कर दी आपने आंखें दे कर." या फिर यह – "ख़त्म हो गई/आंखों की रसद/आना पड़ेगा अब तुम्हें."

गुलज़ार की नज़्म है - जब भी ये दिल उदास होता है/जाने कौन आस -पास होता है. "कुछ ऐसी मुश्किलें होती हैं जिनका शायद ही कोई हल होता है. मुश्किल को समझना उसे हल करने की पहली कोशिश है और इस प्रक्रिया में अपने - आप से जूझने की जो जद्दोजहद है, उसे त्रिवेणियों का लिबास पहनाना संगीता जी की ख़ासियत है. कुछ त्रिवेणियां जो गहरे उतरती हैं-

"ख़ुद को रेत रहने दिया/तुझे ज़रखेज किया/मैंने दुआओं का बहाव तुम्हारी तरफ़ किया."

"तमन्ना नहीं की/ज्यादा की मैंने/बस,आधे चांद से ख़ुश रही."

कबीर, तुलसी, जायसी, सूरदास, रहीम और ग़ालिब आज भी ज़िंदा हैं. कविताओं में ,नज़्मों में कहीं ना कहीं ये मिल जाते हैं. इन सबसे अलग कविताएं सिर्फ जाने - पहचाने रास्तों पर नहीं चलतीं, न जाने कितनी ऐसी पगडंडियां हैं जिनसे होकर कविताएं गुजरती हैं और किसी और ही दुनिया में पहुंचा देती हैं. संगीता कुजारा की ये त्रिवेणियां क्रमशः डॉ. अशोक प्रियदर्शी और सौरभ पाण्डेय जी के लिखे पुरोवाक से अच्छी समीक्षा इस पुस्तक की हो ही नहीं सकती है. इनके शब्दों का चयन जीवन के सहज प्रवाह की तरह होता है. उसमें गहरी ध्वन्यात्मता और तरलता है, जो संगीता की त्रिवेणियों के हर पहलू से हमारा परिचय कराती हैं.

संगीता जी की लिखी त्रिवेणी स्त्री के अविदित भाग्य को रचनात्मक विवेक के साथ सामने रखती है। इनमें नारी - मुक्ति को लेकर न नकली बौद्धिकता है,न दिखावे का संवेदन। ऊपर से शांत दिखने वाली इन त्रिवेणियों में ऐसी आग समाहित है, जिसका ताप फफोले छोड़ जाता है __

'कुछ शब्द हैं/तुम्हारे साथ बांटना चाहती हूं/हम,घर और बच्चे.'

'आंसुओं ने आंखों में घर बना रखा है/दौड़ रही हूं मैं/ख़्वाब हाथों में लेकर...'

143 पृष्ठों की त्रिवेणियों का यह संग्रह नूतन- नवीन चेतनाओं से युक्त है जो नितांत पठनीय है. हर पृष्ठ पर जो रेखांकन है वह कवयित्री की ही कला है और इससे किसी हद तक उस त्रिवेणी का अर्थ खुलता है. यह कवयित्री की कठिन काव्य -साधना से सिंचित है. इन शब्दों के साथ मैं आपको यह संकलन पढ़ने के लिए आमंत्रित करती हूं.

पुस्तक : सरगोशियां,
लेखिका : संगीता कुजारा टाक
प्रकाशन : श्वेतवर्णा नोएडा (उ.प्र.)
पृष्ठ संख्या-143
मूल्य-249

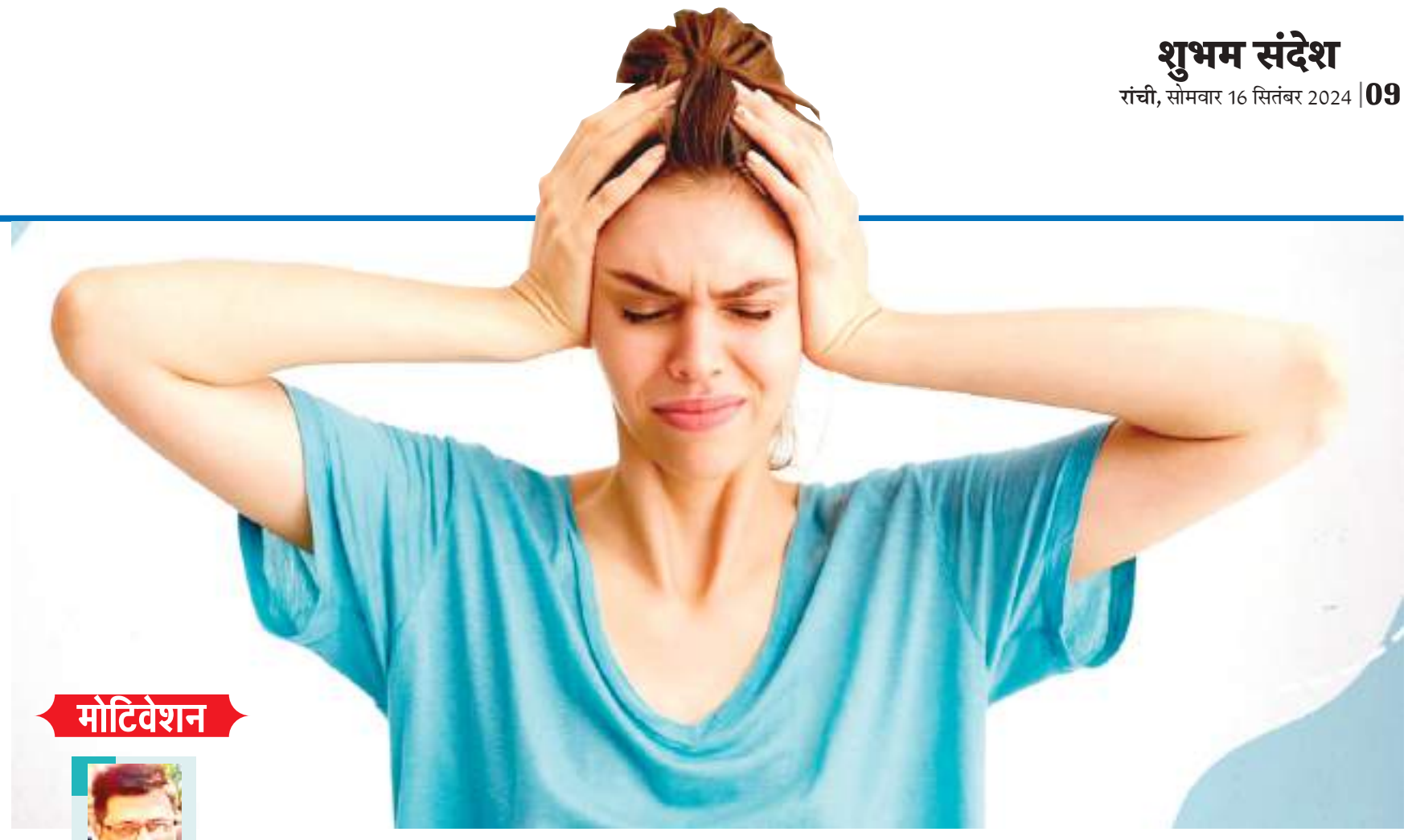

मोटिवेशन

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

हमारी उदासी और परेशानी की एक मुख्य वजह है सच्चाई को स्वीकार न करना. अक्सर कुछ ऐसे कटु अनुभवों से हमारा सामना होता है, जो हमें हिला कर रख देते हैं, हमारी खुशियां हमसे छीन लेते हैं. आज हम ऐसे ही 10 कटु सत्य के बारे में जानते हैं जिन्हें बोल्डली स्वीकार कर लेना जिंदगी को आसान बनाएगा.

बातें कड़वी हैं पर सच्ची हैं

1. हम हर किसी को खुश नहीं कर सकते

हम चाहे कितनी भी दयालुता बरतें, दूसरों का काम कर दें, कुछ लोग पता नहीं किस मिट्टी के बने होते हैं, उनकी शिकायतें और अपेक्षाएं कभी समाप्त नहीं होतीं. वे अपने कटु शब्दों से या अपने चेहरे के जहरीले भावों से हमें आहत करने से नहीं चूकते. बेहतर होगा, हम अपना काम करें, और इनसे किसी तरह की कोई अपेक्षा न करें.

2. हर कोई हमारी प्रगति से खुश नहीं होता

सफलता मिलने पर हम अपनी खुशी साझा करते हैं, इस उम्मीद के साथ कि उन्हें भी खुशी होगी. यह कटु सत्य है कि हमारी तरक्की या सफलता से गिने-चुने लोगों को ही खुशी होती है, कुछ लोगों को जलन होती है और कुछ तरक्की में बाधा डालने की कोशिश करते हैं. अच्छा होगा, अपनी खुशी को गिने-चुने हमारे वेल विशर से शेयर करें.

3. बहुत कम रिश्ते टिकाऊ होते हैं :

कई बार हमारा कोई करीबी हमसे अजनबी की तरह पेश आता है तो हम हर्ट फील करते हैं, हमें बहुत गुस्सा आता है. यह कटु सत्य है कि ज्यादातर रिश्ते जरूरत और काम पर टिके हुए हैं. हम भी अपवाद नहीं. इसलिए अगर कोई हमसे दूरी बनाता है, तो इसे स्वाभाविक रूप से लेना चाहिए. यह मानकर कि उससे हमारा इतने दिनों का ही संबंध था.

4. पोस्ट, पावर और पैसा बोलता है

आजकल योग्यता बाद में पहले पोस्ट, पावर और पैसा आता है. किसी भी कार्यक्रम में पावर, पोस्ट या पैसे वालों को मुख्य अतिथि या विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता है. ऐसे लोगों का काम आसानी से हो जाता है, जबकि योग्य, गुणी लोगों को सारी प्रक्रियाओं से होकर गुजरना पड़ता है. यह आज का कटु सत्य है, इसे स्वीकार कर लेने में ही भलाई है. इसके बारे में सोच-सोच कर मन खट्टा करने से कोई फायदा नहीं होने वाला.

5. वक्त पर कोई मदद के लिए नहीं आता :

यह कटु सत्य है कि जब हमें सबसे ज्यादा जरूरत होती है, हमारी मदद के लिए कोई नहीं आता, चाहे वह हमारा कितना भी करीबी क्यों न हो. उस समय हम बहुत असहाय से हो जाते हैं. खुद को मजबूत बनाएं जाए, ताकि जब कभी ऐसी परिस्थितियों से गुजरना पड़े, तो हम टूटें नहीं और समस्या को अपने बलबूते पर सुलझा सकें.

6. स्वार्थी लोग ज्यादा सफल होते हैं

आज के समय में यह बहुत कॉमन हो गया है. अयोग्य लोग सक्षम लोगों को सरपास कर रहे हैं. ये आला दर्जे के चापलूस होते हैं, सफलता पाने के लिए किसी स्तर तक गिर सकते हैं. इन्हें सफल होता देख हमारे तन-बदन में आग जाती है. क्या हम उनके स्तर तक गिरने के लिए तैयार हैं? नहीं न! तो फिर उनकी सफलता से जलने, व्यवस्था को कोसने की कोई जरूरत नहीं.

7. हर इंसान अकेला है

अगर आप अकेलेपन से जूझ रहे हैं, तो उदास होने की जरूरत नहीं है. आज लगभग हर इंसान इस समस्या से जूझ रहा है. फिलहाल इसका एक-दो उपाय अपनाएं. एक कि हम अपनी कंपनी खुद इंज्वाय करना सीखें और दूसरा, अपने आप को सकारात्मक हॉबिज में व्यस्त रखें.

मूल मंत्र

आइए इन कटु सत्यों को समझकर, इन्हें स्वीकार कर, अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाएं. सेनेका ने बहुत सही बात कही है – हम कल्पना में वास्तविकता से अधिक पीड़ा सहते हैं. ओवरथिंकिंग से बाहर निकलें, इन कटु सत्यों को मुस्कुराते हुए स्वीकार करें, जिंदगी वाकई खूबसूरत हो जाएगी.

8. जैसा दिखता है, वैसा होता नहीं है

सोशल साइट्स पर लोगों के हंसते-खिलखिलाते फोटो देखकर हमें लगता है, सबसे गये-गुजरे हम ही हैं. दूसरे मस्त जिंदगी जी रहे हैं. सच तो यह है कि सभी की जिंदगी में तमाम परेशानियां हैं. हां, इससे सबक लेने की जरूरत है कि दूसरे इतनी परेशानियों के बावजूद खुश दिख सकते हैं, तो हम क्यों नहीं!

9. मेरे बिना काम नहीं चलने वाला

सच्चाई यह है कि हमारे न रहने से 99% लोगों को कोई फर्क नहीं पड़ता. ऑफिस दूसरे दिन ही किसी और को हमारी जगह रख लेगा. परिवार भी कुछ समय बाद हमारे बिना रहने की आदत डाल लेगा. इसलिए अपनी अहमियत को ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर नहीं आंकना चाहिए.

10. किताबी बातें ज़िन्दगी में बहुत कम काम आती हैं

व्यावसायिक पढ़ाई और डिग्रियां केवल व्यावसाय तक सीमित रहती हैं, जबकि वास्तविक जीवन में साधारण गणित, हिन्दी, अंग्रेज़ी और व्यवहारिक ज्ञान ही काम आता है. असल में, जीवन में बात-व्यवहार, स्मार्टनेस, कॉमन सेंस और क्षेत्र विशेष में हमारा अनुभव सबसे ज्यादा मायने रखता है.

बागवानी

सर्दियों में करें तैयारी इन फूल–सब्जियों की

सितंबर आधा गुजर गया है. ठंड की आहट है और बरसात की विदाई. यह समय है सर्दियों में आने वाले फूलों व सब्जियों को लगाने का. इस समय आप अपने किचन गार्डन में कुछ खास तरह के फूल और सब्जियां लगा सकते हैं.

लगाएं मोगरा/ चमेली की कलमें

इस सीजन में फूलों वाले पौधों की पौध जैसे गेंदा, जीनिया, बालसम की देखभाल करें व तैयार पौध की रोपाई का कार्य करें. इस समय गुलदाउदी, मोगरा व चमेली की कलमें लगाई जा सकती हैं. रजनीगंधा में पोषक तत्वों के मिश्रण का 15 दिन के अंतराल पर छिड़काव करें तथा स्पाइक की कटाई करें.

ये सब्जियां लगाएं

सब्जियों में गाजर की देसी किस्म जैसे पूसा केसर की बुवाई बड़े गमले/ग्रोवर बैग में करें. इसके लिए 0.5 ग्राम प्रति वर्गमीटर की दर से बीज की आवश्यकता रहेगी. वहीं मूली की जापानीज वाइट किस्म की बुवाई बड़े गमले/ग्रोवर बैग में करें.

रमता जोगी

मानवता की शिक्षा का यह केंद्र

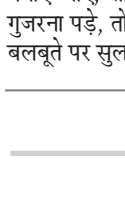
नूपुर अशोक

केंब्रिज स्थित पेम्ब्रोक कॉलेज की प्रोफेसर ने कॉलेज कैम्पस दिखाते हुए हमें कई बातें बताईं. इसकी स्थापना 1347 में हुई थी. हमें यह जानकर बहुत आश्चर्य हुआ कि 1970 तक केंब्रिज में महिला विद्यार्थियों का प्रवेश वर्जित था. पेम्ब्रोक केंब्रिज का तीसरा सबसे बड़ा कॉलेज है और अपना चैपल यानी ईसाई प्रार्थनागृह बनाने वाला पहला. वहां के विभिन्न विभागों के सामने से गुजरते हुए, गलियारों में लगे मेधावी विद्यार्थियों के नाम के पट्ट देखते हुए हम चैपल में पहुंचे.

अपने सभी धार्मिक स्थानों के प्रति वहां के लोगों में सम्मान, श्रद्धा और गर्व का भाव है. उन सब स्थानों को देखते हुए मैं सोच रही थी कि क्या भारत के शिक्षा संस्थान अपने कैम्पस में मंदिर स्थापना को इतना महत्व देते हैं? क्यों नहीं देते?

खैर, उन्होंने गर्व के साथ हमें वह चैपल दिखाया जिसे 1665 में बनाया गया था. जैसे हम अपने छात्र जीवन में क्लास के दौरान बेंचों और डेस्कों पर अपने नाम उकेरते रहते थे, उसी तरह वहां के छात्रों ने भी चैपल की डेस्कों पर अपने नाम और कई जगह तारीख भी उकेर रखी थी. उनमें हमें 18वीं, और 17वीं शताब्दी की तारीखें दिखीं. यह सोचना रोमांचकारी था कि जब हमारे यहां मुगलों का शासन चल रहा था, यहां यह कॉलेज चल रहा था. उन्होंने चैपल की उन चार सौ साल पुरानी गद्दियों को भी वैसे ही संरक्षित रखा है. लेकिन सब से अधिक जिस चीज़ ने मेरा ध्यान आकर्षित किया वह था एक क्रॉस. कुछ टेढ़ी सी आकृति का वह क्रॉस प्रार्थना गृह में लगा हुआ था. उन्होंने हमें बताया कि एक बेहतर जीवन की तलाश में कई बार अन्य देशों से लोग नावों में सवार होकर इंग्लैंड आने की कोशिश करते हैं. परंतु समुद्र के थपेड़ों में कई नावें डूब जाती हैं. उन लोगों के प्रति अपनी करुणा व्यक्त करने के लिए ऐसी ही एक नाव के एक हिस्से से इस क्रॉस को बनाया गया है और इसके आधार स्थान को लाइफ जैकेटों के सहारे खड़ा रखा गया है. क्रॉस ऑफ माइग्रेंट्स नाम का यह क्रॉस लोगों को यह याद दिलाने के लिए है कि जब तक इस दुनिया में लोग एक बेहतर ज़मीन की तलाश में समुद्र की गहराइयों में समा रहे हैं तब तक मानवता को शर्मसार होना चाहिए.

PEMBROKE COLLEGE · CAMBRIDGE
The Cross of Migrants

आगे वहां हमने उद्यान का एक हिस्सा देखा जिसमें केले के पेड़ लगे हुए थे. उस देश में ये पहले केले के पेड़ थे जिसे उन्होंने हमें एक दर्शनीय स्थल की तरह दिखाया. पर हमें उससे अधिक प्रभावित किया उन पेड़ों ने जो लोगों ने अपने परिवार के नाम पर लगाए थे. उन्होंने बताया कि आप अपने बच्चों के नाम पर यहां पेड़ लगाने के लिए कॉलेज में आवेदन कर सकते हैं और पेड़ लगा सकते हैं.

हमने वह पेड़ भी देखा जो उन्होंने अपने बच्चे के नाम पर लगाया था जिस पर उसके नाम की तख्ती लगी हुई थी. अपने बच्चे के साथ-साथ इसे भी फलते-फूलते देखना और नाव से बनी उस क्रॉस को देखकर इस दुनिया को बेहतर बनाने के संकल्प को जीवित रखना, क्या शिक्षा का, सामान्य विषयों के ज्ञान से इतर, ऐसा ही एक महत उद्देश्य नहीं होना चाहिए?

टॉमी को मार्केट के फूड ही नहीं घर का खाना भी खिलाएं

इन दिनों मार्केट में पालतू कुत्तों के लिए पैकेट बंद आहार की भरमार है. आमतौर पर पेट पैरेंट्स उन्हें खरीद और अपने पालतू को परोस कर उनकी पौष्टिकता के लिए आश्वस्त हो जाते हैं. लेकिन अपने पालतू के लिए बाजार के फूड पर ही निर्भर नहीं रहें. उन्हें घर का खाना खिलाएं. बाजार के फूड के अलावा घर के खाने में रोटी, दूध, दही, छाछ, सलाद, उबले हुए आलू, अंडे आदि सभी चीजें खिलानी चाहिए. पालतू को सुबह-शाम एक-एक कैल्शियम बोन चबाने के लिए जरूर दें, इससे पालतू को दांतों में खुजली की समस्या नहीं होगी. आइए, घर के उन आहारों की चर्चा करें जिसे आप अपने फर बेबी को परोस सकते हैं-

- **अंडा**

आप अपने पालतू कुत्ते को उनके भोजन के अलावा अंडा और अंडा से बने डिशेज खिला सकते हैं. कुत्ते को आप साधारण अंडा के अलावा उबला हुआ अंडा भी खाने को दे सकते हैं.

- **मांस**

कुत्तों के लिए फ्रेश मांस और मांस से बने साधारण डिश अच्छे माने गए हैं. मांस के सेवन से उन्हें ताकत और पोषण दोनों मिलती है. मांस में आप मीट, या चिकन खिला सकते हैं.

- **फल**

जी हां, कई बार कुत्तों को फल बेहद चाव से खाते देखा गया है. पालतू कुत्ते और बिल्लियों के कोई न कोई फेवरेट फ्रूट होते हैं जिसे देखकर वे टूट पड़ते हैं. आप अलग-अलग मौसम के अनुकूल स्थानीय फल उन्हें परोस कर देखें, जल्दी ही उनकी पसंदगी का पता चल जाएगा.

- **सब्जी**

कुत्ते को बचपन से ही फल और सब्जी खिलाएं ताकि बड़े होने पर वे इसे खाने में नखरे न करें. उबले या कच्चे गाजर उन्हें दे सकते हैं. इसके अलावा वे टमाटर, खीरा का सेवन कर सकते हैं. उन्हें हल्की बॉइल्ड फूलगोभी भी परोस सकते हैं.

- **डेयरी प्रोडक्ट**

कुत्तों को डयरी प्रोडक्ट बहुत पसंद होता है. कच्चा पनीर उसे दिया जा सकता है. बिना नमक या चीनी मिलाए दही भी परोस सकते हैं. दूध तो हमेशा से कुत्तों का पसंदीदा रहा है. दूध के साथ रोटी उनका परफेक्ट आहार है.

- **साधारण भोजन**

कुत्तों को चावल, दाल और रोटी भी खिलाएं. अपने लिए बनाया हुआ चावल, दाल और रोटी उन्हें भी खिलाने की आदत रखना सुविधा और स्वास्थ्य, दोनों लिहाज से बेहतर है.

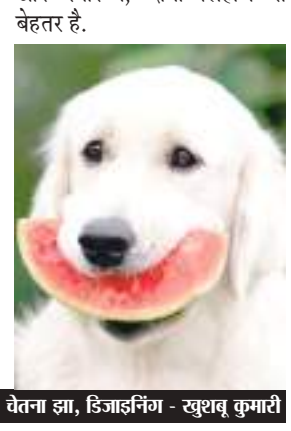

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रुसेल्स में डायमंड लीग फाइनल में 87.86 मीटर थ्रो किया

नीरज से शीर्ष स्थान से चूके, दूसरे स्थान पर रहे

एजेंसी। ब्रुसेल्स

शीर्ष भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा रविवार को ब्रुसेल्स में डायमंड लीग फाइनल में 87.86 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे. नीरज केवल एक सेमी के अंतर से शीर्ष स्थान पाने से चूक गए. एंडरसन पीटर्स ने नंबर एक स्थान हासिल करने के लिए 87.87 मीटर की दूरी तक भाला फेंका. उन्होंने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता. इस बीच, जर्मनी के जूलियन वेबर 85.97 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे. चौथे स्थान पर रहे एड्रियन मारडेयर ने 82.97 मीटर का थ्रो दर्ज किया. जापानी थ्रोअर जेनकी रोड्रिक डीन अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पांचवें

स्थान पर रहे, जिसने बमुश्किल 80 मीटर के निशान (80.37 मीटर) को पार किया. यूक्रेनी आर्थर फेल्फ़नर अपने अंतिम प्रयास में 79.86 मीटर की सबसे लंबी थ्रो के साथ छठे स्थान पर आए.

भारतीय ने प्रतियोगिता की शुरुआत 86.82 मीटर के थ्रो के साथ की. उन्होंने 83.49 मीटर का थ्रो किया. नीरज ने अपने तीसरे प्रयास में 87.86 मीटर की दूरी तक भाला फेंका. वह एंडरसन के निशान के करीब पहुंच गया था और उससे सिर्फ एक सेमी की दूरी पर थ. नीरज अपने अगले दो प्रयासों में 85 मीटर का आंकड़ा पार नहीं कर सके. उन्होंने 86.46 मीटर के थ्रो के साथ स्पर्धा समाप्त की. नीरज के सर्वश्रेष्ठ थ्रो ने उन्हें एक बार फिर दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया. नीरज इस सीजन में अपनी फिटनेस को लेकर संघर्ष कर रहे हैं और उम्मीद है कि वह अपनी कमर की चोट को ठीक करने के लिए डॉक्टर से मिलेंगे, जिसने पूरे सीज़न उन्हें प्रभावित किया है और 90 मीटर का आंकड़ा छूने की उनकी खोज में बाधा उत्पन्न हुई है. नीरज चोपड़ा ने खुलासा किया कि वह शनिवार रात के डायमंड लीग फाइनल में टूटी हुई हाथ की हड्डी के साथ हिस्सा ले रहे थे.

मेसी की दो गोल के साथ शानदार वापसी, फिलाडेल्फिया को 3-1 से हराया

मेजर लीग सॉकर

एजेंसी। वाशिंगटन

लियोनल मेसी ने दो महीने की चोट के बाद दो गोल और एक सहायता के साथ वापसी की, जिससे इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर में फिलाडेल्फिया पर 3-1 से घरेलू जीत हासिल करने के लिए एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी की. मेहमान टीम ने दूसरे ही मिनट में बढ़त ले ली जब मिकेल उहरे ने अपने मार्कर के अंदर कट किया और एक लंबी दूरी का प्रयास किया जो गोलकीपर ड्रेक कॉलेंडर के दस्तानों से टकराकर नेट में जा गिरा. मेसी ने एक डिफेंडर को छकाकर और अपने कमजोर दाहिने पैर से दूर कोने में एक निचला शॉट भेजकर बराबरी कर ली. पूर्व बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन स्टार ने बाएं विंग से जोर्डी अल्बा के क्रॉस के बाद 15 गज की दूरी से गेंद को गोल में पहुंचाकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई. लुइस सुआरेज़ ने मेसी के पास के बाद 18-यार्ड बॉक्स के किनारे से पहली बार स्ट्राइक करके बढ़त को 3-1 पहुंचा दिया. फोर्ट लॉडरडेल के चेज स्टेडियम के परिणाम ने इंटर मियामी को एमएलएस ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर मौजूद सिनसिनाटी से 10 अंक आगे पहुंचा दिया है.

19 सितंबर से भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज की होगी शुरुआत

चेन्नई टेस्ट के लिए बहाया पसीना

एजेंसी। चेन्नई

भारत अपने घरेलू सत्र की शुरुआत 19 सितंबर को यहां टेस्ट सीरीज के पहले मैच में बांग्लादेश से भिड़ने से करेगा. यह मुख्य कोच गंभीर और उनके नए सहयोगी स्टाफ के तहत भारत की पहली टेस्ट सीरीज होगी, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल को भी नए गेंदबाजी कोच के रूप में शामिल किया गया है. भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी शुरू कर दी है. रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम चेन्नई में पहला टेस्ट मैच खेलेगी. विराट कोहली भी ट्रेनिंग में हिस्सा ले रहे हैं. उन्होंने प्रैक्टिस के दौरान काफी पसीना बहाया.

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने हाल ही में टीम इंडिया की प्रैक्टिस का वीडियो शेयर किया है. इसमें कोहली अपने फेवरेट शॉट खेलते हुए नजर आ रहे हैं. कोहली की वजह से बांग्लादेश की मुश्किल बढ़ सकती है. कोहली ने प्रैक्टिस के दौरान कई शॉट खेले. उन्होंने इस दौरान पुल शॉट पर काफी मेहनत की. अगर कोहली का चेन्नई में बल्ला चल गया तो बांग्लादेश की दिक्कत बढ़ सकती है. बांग्लादेश के लिए जीत आसान नहीं होगी. विराट टीम इंडिया के लिए कई बार विस्फोटक बैटिंग कर चुके हैं. अहम बात यह है कि उनका चेन्नई में रिकॉर्ड भी अच्छा रहा है. वे इस मैदान पर शतक जड़ चुके हैं. लिहाजा वे बांग्लादेश को मुश्किल में डाल सकते हैं.

चेन्नई में दमदार रहा है कोहली का रिकॉर्ड

कोहली ने चेन्नई में अभी तक 4 टेस्ट मैच खेले हैं. उन्होंने इस दौरान 6 पारियों में 267 रन बनाए हैं. कोहली यहां एक शतक और दो अर्धशतक लगा चुके हैं. उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 107 रन रहा है. केएल राहुल, ऋषभ पंत और रविचंद्रन अश्विन भी इस मैदान पर खेल चुके हैं. अश्विन ने 6 टेस्ट पारियों में 229 रन बनाए हैं. वे एक शतक और एक अर्धशतक लगा चुके हैं.

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए टीम इंडिया

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह और यश दयाल.

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश की टीम

नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), महमुदुल हसन जॉय, जाकिर हसन, शादमान इस्लाम, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिटन दास, मेहदी हसन मिराज, तैजुल इस्लाम, नईम हसन, नाहिद राणा, हसन महमूद, तस्कीन अहमद, सैयद खालिद अहमद, जेकर अली अनिक.

शुभमन को टी20 सीरीज में दिया जाएगा आराम

भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज के बाद टी20 सीरीज भी खेली जाएगी. दोनों टीमों के बीच तीन टी20 मैच होंगे. इस सीरीज को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है. टीम इंडिया के एक स्टार खिलाड़ी को इस सीरीज में आराम दिया जाएगा. ये खिलाड़ी स्टार ओपनर शुभमन गिल हैं, जो टेस्ट में तीसरे नंबर पर खेलते हैं और टीम के अहम खिलाड़ियों में से एक हैं. टीम इंडिया को बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी टेस्ट में भिड़ना है. ऐसे में रिपोर्ट्स के मुताबिक, वर्कलोड मैनेजमेंट को देखते हुए शुभमन गिल को टी20 सीरीज में आराम दिया जाएगा, क्योंकि इस सीजन में उनके पूरे 10 टेस्ट मैच खेलने की संभावना है. गिल टेस्ट फॉर्मेट में रोहित शर्मा, विराट कोहली और यशस्वी जायसवाल के साथ टीम के टॉप ऑर्डर में अहम खिलाड़ी हैं.

लाल मिट्टी की पिच पर हो सकता है मैच

टीम इंडिया चेन्नई में लाल मिट्टी की पिच पर खेल सकती है. बांग्लादेशी खिलाड़ी अपने देश में काली मिट्टी की पिच पर खेलते रहे हैं. लेकिन यहां टीम इंडिया लाल मिट्टी की पिच पर टेस्ट खेल सकती है. अगर ऐसा हुआ तो बांग्लादेशी खिलाड़ियों को दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है.

बांग्लादेश के खिलाफ 7 अक्टूबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज को लेकर बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, 'हां, शुभमन गिल को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए आराम दिया जाएगा. अगर आप मैचों की संख्या देखें तो तीन टी-20 मैच 7 अक्टूबर, 10 और 13 को खेले जाएंगे. इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 16 अक्टूबर से शुरू होगा. इसलिए तीन दिन के गैप को देखते हुए गिल को आराम देना महत्वपूर्ण है

बांग्लादेश के खिलाफ अबतक टेस्ट मैच में पेस बॉलर्स ने मारी है बाजी

एजेंसी। नयी दिल्ली

19 सितंबर से शुरू होने वाली भारत बनाम बांग्लादेश टेस्ट सीरीज में भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन हमेशा की तरह अहम होगा. भारतीय पिचों पर स्पिनरों को मदद मिलती रही है. हालांकि भारत-बांग्लादेश टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा विकेटों के मामले में जो गेंदबाज नंबर एक पर है वह एक तेज गेंदबाज है. बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों पर एक नजर डालने पर पेस बॉलर्स स्पिनरों पर भारी पड़ते हैं. इस मामले में बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान नंबर एक पर हैं. जहीर खान ने बांग्लादेश के खिलाफ 7 टेस्ट मैचों में 31 विकेट लिए हैं. उनकी घातक स्विंग और सटीक लाइन-लेंथ ने बांग्लादेशी बल्लेबाजों को हमेशा परेशान किया है. जहीर ने यह विकेट 24.25 की औसत के साथ लिए हैं. इस लिस्ट में दूसरे गेंदबाज भी पेसर हैं. लंबे कद के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने भी बांग्लादेश के खिलाफ 7 टेस्ट में मात्र 20.88 की औसत के साथ 25 विकेट चटकाए हैं. उनकी उछाल और मूवमेंट बांग्लादेशी बल्लेबाजों के खिलाफ काफी कारगर साबित हुई है. तीसरे नंबर पर इस लिस्ट में स्पिनर की एंट्री होती है. ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 6 टेस्ट में बांग्लादेश के खिलाफ 23 विकेट लिए हैं. उनकी विविधता और घूमती गेंदें बांग्लादेशी बल्लेबाजों के लिए हमेशा चुनौती रही हैं. अश्विन ने यह विकेट 26.78 की औसत के साथ लिए हैं. चौथे नंबर पर एक बार फिर से तेज गेंदबाज ने वापसी की है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज उमेश यादव ने भी 6 टेस्ट में बांग्लादेश के खिलाफ 22 विकेट अपने नाम किए हैं. उनकी रफ्तार और स्विंग ने बांग्लादेशी बल्लेबाजों को खूब परेशान किया है.

हम भारत से दोनों मैच जीतने के लिए खेलेंगे : नजमुल शांतो

ढाका। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने कहा कि उनकी टीम भारत के खिलाफ 19 सितंबर से चेन्नई में शुरू होने वाले दोनों टेस्ट मैच जीतने की कोशिश करेगी. बांग्लादेश की टेस्ट टीम रविवार दोपहर ढाका से चेन्नई के लिए रवाना हुई. चेन्नई में पहला टेस्ट 23 सितंबर को समाप्त होने के बाद, कानपुर का ग्रीन पार्क स्टेडियम 27 सितंबर से एक अक्टूबर तक भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा. बांग्लादेश इस सीरीज में रावलपिंडी में ऐतिहासिक परिणाम में पाकिस्तान को 2-0 से हराने के बाद उतरेगा. यह निश्चित रूप से हमारे लिए एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण सीरीज होने जा रही है. एक अच्छी सीरीज के

बाद निश्चित रूप से टीम में, देश के लोगों में एक अतिरिक्त आत्मविश्वास है. हर सीरीज एक अवसर है.

टीम के चेन्नई रवाना होने से पहले एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात करते हुए द डेली स्टार ने शांतो के हवाले से कहा, हम दोनों मैच जीतने के लिए खेलेंगे. जीतने के लिए जो चीजें मायने रखती हैं, प्रक्रिया मायने रखती है...हमारा लक्ष्य काम को सही तरीके से करना होगा.

ओलिविया गैडेकी पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल में

जैपोपन। ऑस्ट्रेलियाई क्वालीफायर ओलिविया गैडेकी ने सेमीफाइनल में कोलंबिया की कैमिला ओसोरियो को 6-2, 6-3 से हराकर ग्वाडलाजारा ओपन एक्रोन में अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए फाइनल में जगह बना ली. उनके रास्ते में पोलैंड की नंबर 5 सीड मैगडालेना फ्रेच खड़ी हैं, जिन्होंने नंबर 4 सीड कैरोलिन गार्सिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद फाइनल में अपनी जगह बनाई. फ्रेच ने दोनों सेटों में पीछे से संघर्ष किया और अंततः 7-6(4), 7-5 से जीत हासिल कर साल के दूसरे डब्ल्यूटीए फाइनल में जगह बनाई.

दलीप ट्रॉफी : कोटियन और मुलानी ने 7 विकेट झटके

इंडिया ए ने इंडिया डी को 186 रनों से हराया

एजेंसी। अनंतपुर

तनुश कोटियन और शम्स मुलानी की मुंबई की ऑलराउंड जोड़ी ने सामूहिक रूप से सात विकेट चटकाए, जिससे इंडिया ए ने रविवार को ग्रामीण विकास ट्रस्ट स्टेडियम 'ए' में खेले गए दलीप ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैच में इंडिया डी को 186 रनों से हराकर बड़ी जीत दर्ज की. खेल के अंतिम दिन, ऑफ स्पिनर कोटियन ने चार विकेट लिए, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर मुलानी ने तीन विकेट लिए, जिससे भारत ए ने भारत डी को 301 रन पर आउट करके एक सत्र शेष रहते जीत सुनिश्चित की. भारत डी के लिए 488 रनों का पीछा करना हमेशा असंभव था, और किसी भी बल्लेबाज ने रिकी भुई का साथ नहीं दिया, जिन्होंने 113 रनों की संघर्षपूर्ण शतकीय पारी खेली. 19 ओवर में 62/1 से आगे खेलते हुए, भुई और यश दुबे ने खुलकर रन बनाए, क्योंकि दुबे ने 69 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया. लेकिन दूसरे विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी तब समाप्त हुई जब दुबे 37 रन बनाकर मुलानी द्वारा रन आउट हो गए. अपने अगले ओवर में मुलानी ने देवदत्त पडिक्कल को ड्राइव करने के लिए ललचाया और उनका लेग-स्टंप उखाड़ दिया. भुई और कप्तान श्रेयस अय्यर ने 53 रनों की साझेदारी करके स्थिति को स्थिर किया, इससे पहले मुलानी ने अय्यर को बोल्ड कर दिया. संजू सैमसन शानदार फॉर्म में दिखे और उन्होंने कोटियन और मुलानी की गेंदों पर तेजी से चौके जड़े और 45 गेंदों पर 40 रन बनाए, लेकिन बाएं हाथ के स्पिनर ने उन्हें विकेट के पीछे कैच करा दिया. भुई ने 170 गेंदों पर बेहतरीन शतक जड़ा, लेकिन कोटियन की गेंद पर आउट होने से भारत ए की जीत की राह आसान हो गई.

सलीमा इम्तियाज आईसीसी की पहली महिला अंपायर बनीं

नयी दिल्ली। सलीमा इम्तियाज आईसीसी के डेवलपमेंट अंपायरों के अंतरराष्ट्रीय पैनल में नामित होने वाली पाकिस्तान की पहली महिला बन गई हैं. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने रविवार को यह जानकारी दी. इस नामांकन के बाद

सलीमा महिलाओं के द्विपक्षीय अंतरराष्ट्रीय मैचों और आईसीसी महिला क्रिकेट के वैश्विक आयोजनों में अंपायरिंग कर सकेंगी. सलीमा ने कहा, मैं आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ डेवलपमेंट अंपायर में शामिल होकर बेहद रोमांचित हूं. मैं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की आभारी हूं, जिसने मुझे इस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए अमूल्य अवसर दिए.

प्रज्ञान ओझा ने रोहित से मुंबई के साथ बने रहने का आग्रह किया

एजेंसी। नयी दिल्ली

आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी की उल्टी गिनती शुरू होने के साथ ही, भारत के पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा ने मुंबई इंडियंस के स्टार खिलाड़ी रोहित शर्मा के भविष्य के बारे में अपनी राय व्यक्त की है. ओझा ने सलामी बल्लेबाज से फ्रेंचाइजी के साथ बने रहने का आग्रह किया है, उन्होंने उनके महत्वपूर्ण प्रभाव और प्रशंसकों और प्रायोजकों के बीच उनकी वफादारी का हवाला दिया है. मुंबई इंडियंस (एमआई) के साथ रोहित शर्मा का भविष्य चर्चा का विषय बन गया है, क्योंकि पिछले सीजन से पहले उन्हें कप्तानी से मुक्त कर दिया गया था और उनकी जगह हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाया गया था. तब से, शर्मा और एमआई प्रबंधन के बीच संभावित दरार के बारे में अफवाहें फैल रही हैं, जिससे अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह एक नई टीम में शामिल होने की सोच रहे हैं. ओझा, जिन्होंने शर्मा के करियर को करीब से देखा है, उनका मानना है कि क्रिकेटर का मुंबई इंडियंस के साथ जुड़ना पारस्परिक रूप से फायदेमंद रहा है. प्रज्ञान ओझा ने आईएएनएस से कहा, मुझे लगता है कि फ्रेंचाइज़ क्रिकेट राज्य और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बिल्कुल अलग है, क्योंकि इसके नियम बिल्कुल अलग हैं.

सुपर लीग केरल

कालीकट एफसी ने मलप्पुरम एफसी को 3-0 से हराया

मलप्पुरम। सुपर लीग केरल 2024 एक ऐतिहासिक क्षण का गवाह बना, जब बहुप्रतीक्षित पहला मालाबार डर्बी मलप्पुरम के खचाखच भरे मंजेरी पय्यानाड स्टेडियम में मलप्पुरम एफसी और कालीकट एफसी के बीच खेला गया. मलप्पुरम के शुरुआती नियंत्रण के बावजूद, कालीकट एफसी ने धीरे-धीरे अपनी लय हासिल कर ली और 22वें मिनट में उनकी दृढ़ता का फल मिला, जब गनी अहमद ने रक्षात्मक चूक का फायदा उठाया और गेंद को मलप्पुरम के गोलकीपर मिधुन के ऊपर से निकाल दिया, जिससे कालीकट को बढ़त मिल गई. दूसरे हाफ में मलप्पुरम एफसी नए दृढ़ संकल्प के साथ सामने आई और खेल को पलटने के लिए अपने लाइनअप में महत्वपूर्ण बदलाव किए.

आग्रह पाकिस्तान की ओर से मोईन खान ने की मिन्नत, सचिन-गांगुली से की अपील

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत को मनाने की गुहार

एजेंसी। नयी दिल्ली

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोईन खान ने भारत के दिग्गज क्रिकेटर्स से मिन्नतें की हैं. उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, राहुल द्रविड़ और कपिल देव जैसे दिग्गजों से बीसीसीआई को मनाने की अपील की. 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान की मेजबानी में होनी है. इसके लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी को शेड्यूल का ड्राफ्ट भी सौंप दिया है. हालांकि, भारतीय बोर्ड ने अभी तक अभी ये साफ नहीं किया है कि टीम इंडिया इस टूर्नामेंट का हिस्सा होगी या नहीं.

पाकिस्तान में तैयारियां जोरों पर : पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं. पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी सभी स्टेडियम की मरम्मत और अपग्रेड करवाने में जुटे हुए हैं. इसके लिए बोर्ड की ओर से 1280 करोड़ रुपए जारी कर दिए गे हैं. वहीं कुछ समय पहले ही आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 70 मिलियन डॉलर का फंड जारी किया था. हालांकि, इन तैयारियों के बीच बीसीसीआई का रुख अभी साफ नहीं है. इतना ही नहीं अब आईसीसी चेयरमैन पद पर भी बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह बैठ चुके हैं. ऐसे में हाईब्रिड मॉडल की भी उम्मीद की जा सकती है.

पीसीबी पर गंभीर आरोप : मोईन खान ने अपने बेटे आजम खान को लेकर दिए बयान का कारण भी सुर्खियों में छाए हुए हैं.

भारत के पूर्व क्रिकेटर्स से मदद की अपील

मोईन खान ने भारत के पूर्व क्रिकेटर्स से गुहार लगाई है. उन्होंने पाकिस्तानी मीडिया के साथ एक इंटरव्यू में कहा कि सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, कपिल देव और राहुल देव जैसे भारत के सभी पूर्व क्रिकेटर्स को अपने क्रिकेट बोर्ड को सलाह दें. उनसे राजनीति और क्रिकेट को अलग रखने के लिए कहें. राजनीतिक मतभेदों के कारण क्रिकेट नहीं रुकना चाहिए. फैंस भारत और पाकिस्तान को खेलते हुए देखना पसंद करेंगे. इससे पाकिस्तान के साथ-साथ पूरे क्रिकेट जगत को फायदा होगा. मोईन खान ने एक साथ दो तरह की बातें की. उन्होंने पहले भारतीय क्रिकेटर्स से मिन्नतें की फिर तुरंत धमकी दे डाली. पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने भारत को आईसीसी के साथ अपने वादों पर टिके रहने की सलाह दी. उन्होंने बीसीसीआई को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर टीम इंडिया पाकिस्तान नहीं आती है तो आगे से पीसीबी को भी अपने खिलाड़ियों को भारत नहीं जाना चाहिए.

सेमीफाइनल में कोरिया की चुनौती के लिए तैयार भारत

मोकी (चीन)। पांच मैचों में जीत दर्ज करने वाला भारत इस हीरो एशियाई चैंपियंस हॉकी टूर्नामेंट में कोरिया के खिलाफ सेमीफाइनल में दावेदार टीम के रूप में उतरेगा. पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत पांच मैचों में पांच जीत के साथ शानदार फॉर्म में है. उसने चीन को 3-0 से हराया, जापान को 5-1 से हराया और मलेशिया को 8-1 से हराया. फॉर्म में चल रहे ड्रैग फ्लिक स्टार हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम ने कोरिया को 3-1 से हराया और फिर पाकिस्तान को 2-1 से हराया. भारत दूसरे सेमीफाइनल में कोरिया से भिड़ेगा, जबकि पाकिस्तान पहले सेमीफाइनल में चीन से भिड़ेगा. मेजबान टीम ने अपने आखिरी लीग मैच में जापान को 2-0 से हराया.

जेक फ्रेजर व मैकगर्क पर मेरी नजर है : रिकी पोंटिंग

एजेंसी। सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि युवा जेक फ्रेजर-मैकगर्क अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में धूम मचा देंगे. उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से वह दाएं हाथ के बल्लेबाज के करियर पर नजदीकी नजर रख रहे हैं. फ्रेजर-मैकगर्क को डेविड वार्नर के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि उन्होंने इस साल आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए 234.04 की आश्चर्यजनक स्ट्राइक रेट के साथ 330 रन बनाए थे, जिसके मुख्य कोच पोंटिंग थे, लेकिन उन्होंने पिछले हफ़्ते स्कॉटलैंड पर ऑस्ट्रेलिया की 3-0 की जीत में दो शून्य सहित केवल 16 रन बनाकर अपने टी20 करियर की खराब शुरुआत की. साउथम्प्टन में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मैच में नहीं खेलने के बाद, फ्रेजर-मैकगर्क कार्डिफ में दूसरे मैच के लिए वापस आए और 29 गेंदों पर अपना पहला टी20 अर्धशतक बनाया, हालांकि यह मैच हार गए. उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूम नहीं मचाई है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष आय के लिए चंद्रमा और शनि शुभ हैं. आय और व्यापार- व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे. आशंका- कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम हो सकती है. आत्मविश्वास बनाए रखें. बड़ा निर्णय सोच विचार और सलाह ले कर करें.

वृष शनि रक्षा प्रदान करेंगे. पिता तुल्य किसी वरिष्ठ का सहयोग मिलेगा. कर्म का अच्छा फल मिलेगा. पर विवाद हो सकता है. मान कम होगा. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. निवेश में जल्दबाजी न करें.

मिथुन भाग्य और धर्म के सहारा से कार्य में गति मिलेगी. नया कार्य और आय मिलेगी. कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी कामों में सहूलियत रहेगी. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. कार्य और प्रभाव से कारोबार से लाभ होगा.

कर्क समय सामान्य है. क्रोध से बचना चाहिए. विवाद से बचें. लेन-देन में सावधानी रखें. स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त लाभकारी रहेगी. रोजगार में वृद्धि होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. शिवलिंग पर दूध से अभिषेक करें.

सिंह उदर विकार हो सकता है. जीवनसाथी की सुख वृद्धि होगी. नया काम में मन लगेगा. शोध इत्यादि कार्य सफल रहेंगे. स्वादिष्ट भोजन का लाभ प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. क्रोध से बचना चाहिए. मंदिर में झाड़ू का दान करें.

कन्या हड्डी में कोई कष्ट होता दिख रहा है. दिन सामान्य होगा. मन खिन्न रहेगा. काम में मन नहीं लगेगा. कुसंगति से हानि संभव है. व्यापार ठीक चलेगा. नौकरी में कार्यभार बढ़ सकता है. गणेश चालीसा का पाठ करें.

तुला संतान की गतिविधियों पर नज़र रखने की आवश्यकता है. आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे. थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी. घर-बाहर सम्मान मिलेगा. मेहनत के बल पर व्यापार अच्छा चलेगा.

वृश्चिक घर में किसी के स्वास्थ्य खराब होने से मानसिक तनाव उत्पन्न हो सकता है. बड़ा काम करने का मन बनेगा. शत्रु नतमस्तक होंगे. बुरे लोगों से दूर रहें. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में चैन रहेगा. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी.

धनु छोटे भाई के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी. समय के प्रभाव से कारोबार में वृद्धि होगी. मंदिर में इलेक्ट्रिक सामग्री का दान करें.

मकर क्रोध पर नियंत्रण अति आवश्यक है. यह बेवजह विवाद करवा सकता है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. लाभ होगा. जोखिम न लें. अन्न का दान करें.

कुंभ समय उत्तम है, पर निर्णय लेने में कई प्रकार के बाधा उत्पन्न हो सकता है.व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है. भाग्य का साथ मिलेगा. नेत्र पीड़ा हो सकती है.

मीन रोग या शोक पर खर्च हो सकता है. स्वास्थ्य संबंधिक बाधा को नजरअंदाज नहीं करें. कोई छोटी समश्या आ सकती है. नई योजना बनेगी. कार्यप्रणाली में सुधार हो सकता है. नए काम मिलेंगे. भाग्य की अनुकूलता का लाभ लें.

श्रवण रांची होते जमशेदपुर गए सरयू राय से की चुनावी मंत्रणा

रांची। बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार रविवार को सुबह 7.30 बजे रेल मार्ग से पटना से रांची. रांची रेलवे स्टेशन पर पार्टी के नेता डॉ आफताब जमिल, श्रवण कुमार, सागर कुमार, मनोज सिन्हा, विनय भरत, अशोक शर्मा व अन्य ने उनका स्वागत किया. श्रवण कुमार ने राजकीय अतिथिशाला में पार्टी के पदाधिकारियों से मुलाक़ात की और फिर सड़क मार्ग से जमशेदपुर रवाना हो गये. जमशेदपुर परिभ्रमण के दौरान उन्होंने जदयू विधायक सरयू राय से उनके निवास पर मुलाकात की. सरयू राय ने अपने निवास पर उनका स्वागत किया. इस दौरान दोनों नेताओं में आगामी विधानसभा चुनाव पर चर्चा हुई.

माहौल खराब करने के लिए हिमंता झारखंड में कर रहे कैंप: यशवंत

रांची। पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा ने असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा पर निशाना साधा है. उन्होंने दो टूक कहा कि वे माहौल खराब करने के लिए झारखंड में कैंप कर रहे हैं. सिन्हा ने आशंका जताई है कि झारखंड में दंगा भी हो सकता है, जिसका लाभ भाजपा उठा सकती है. ऐसी परिस्थिति को देखते हुए झारखंड सरकार को उनपर केस दर्ज करना चाहिए. भाजपा के पास हिंदू-मुस्लिम के अलावा कुछ भी नहीं है. इससे पहले यशवंत सिन्हा ने अपनी पार्टी अटल विचार मंच की आधारशिला रखी. सबसे पहले उन्होंने ही पार्टी का फॉर्म भरकर सदस्यता ग्रहण की. उन्होंने कहा कि पार्टी विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी.

तीसरे पारा थ्रो बॉल नेशनल टूर्नामेंट का आयोजन रांची के खेलगांव में 22 और 23 सितंबर का

10 राज्यों के दिव्यांग खिलाड़ी मैदान में दिखाएंगे अपना हुनर

संवाददाता । रांची

तीसरे पारा थ्रो बॉल नेशनल टूर्नामेंट का आयोजन 22 और 23 सितंबर को रांची के खेलगांव स्थित हरिवंश टानाभगत इंडोर स्टेडियम में किया जायेगा. संस्था के अध्यक्ष राहुल मेहता ने जानकारी दी की पैरा ओलंपिक एसोसिएशन ऑफ़ झारखंड के तत्वाधान में आयोजित प्रतियोगिता में 10 राज्यों की 20 टीमें (10 पुरुष 10 महिला) भाग लेंगी. इनमे मेजबान झारखंड के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक, राजस्थान, उत्तराखंड, तमिलनाडु, पुडुचेरी, तेलंगाना और जम्मू कश्मीर शामिल हैं. राहुल मेहता ने कहा इस वर्ष झारखंड के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन किया है. उन्होंने आयोजन समिति की घोषणा की. समिति में मुख्य संरक्षक- डॉ महुआ मांझी (राज्यसभा सांसद), संरक्षक राजेश कश्यप (विधायक) एवं रमेश सिंह (समाजसेवी), अध्यक्ष- राहुल मेहता, वरीय उपाध्यक्ष- कमलेश राम एवं नंद किशोर सिंह चंदेल, उपाध्यक्ष पतरस तिर्की, सचिव- सरिता सिन्हा, कोषाध्यक्ष- विकास कुमार बनाए गए.

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं आयोजक मुकेश कंचन ने कहा कि ऐसे आयोजन दिव्यांग बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल जाता है. जिससे वे भी जीवन के हर मुकाम हासिल करने के लिए प्रेरित रहते हैं. संस्था की सचिव सरिता सिन्हा ने बताया कि विजेता टीम को नगद राशि एवं ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया जाएगा.

प्रतियोगिता के लिए झारखंड टीम घोषित

पुरुष टीम : सनोज महतो(कप्तान), राजेश कुमार मेहता (उप कप्तान),चंदन लोहारा, नितेश साहू, मुकेश कुमार, प्रमोद कुमार, भोला लकड़ा, अमित भास्कर, साजिद अंसारी, कमलेश उरांव, प्रशांत कुमार और शैलेंद्र महतो, वागीश त्रिपाठी, मुकेश कंचन.
महिला टीम : महिमा उरांव (कप्तान), अनीता तिर्की (उपकप्तान), तारामणि लकड़ा, संजुक्ता एक्का, प्रतिमा तिर्की, पुष्पा मिंज, असुंता टोप्पो, निक्की कुमारी, जयश्री कुमारी, सुनीता कुमारी और सरिता भूट कुमारी मुंडा.

थाईलैंड जाकर झारखंड के खिलाड़ी ने जीता गोल्ड

रांची। झारखंड के पवन तिर्की ने थाइलैंड में आयोजित एमएमए में गोल्ड जीता. थाईलैंड के हुआहिन शहर में आयोजित विश्व बॉक्सिंग काउंसिल मु-थाई प्रोफेशनल फाइट का आयोजन किया गया. जिसमें झारखंड के दो खिलाड़ी सूरज कुमार व विनीत पवन तिर्की भारतीय टीम में झारखंड का प्रतिनिधित्व कर रहे थे. रांची के पवन कुमार तिर्की ने अमेरिकन फाइटर लैडर वुड को फाइनल में हराकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया. वहीं सूरज कुमार के पदक से चूक गए. पवन तिर्की एवं सूरज कुमार एमएमए एसोसिएशन के रांची स्थित मुख्य प्रशिक्षण शाखा में मुख्य प्रशिक्षक मोहित कुमार के देखरेख में प्रशिक्षण ले रहे है. दोनों खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन पर एआईएमएमए (ऑल इंडिया मिक्सड मार्शल आर्ट फेडरेशन) के साथ-साथ झारखंड राज्य मिक्स मार्शल आर्ट संघ के सभी पदाधिकारियों, खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों ने बधाई व शुभकामनाएं दी.

राज्यस्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह 23 को रांची विवि के दीक्षांत मंडप में

राज्य भर के तीन हजार से ज्यादा शिक्षकों को सम्मानित करेगा पासवा

संवाददाता । रांची

पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) की ओर से राज्यस्तरीय शिक्षक सम्मान का आयोजन 23 सितंबर को रांची विश्वविद्यालय के मोरहाबादी कैंपस स्थित दीक्षांत मंडप में होगा. पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में पासवा राज्य भर के तीन हजार से ज्यादा शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित करेगा. शिक्षा मंत्री बैजनाथ राम शिक्षक सम्मान समारोह का विधिवत उद्घाटन करेंगे, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव और ग्रामीण विकास मंत्री डॉ इरफान अंसारी शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए सम्मानित करेंगे. रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा,डीएवी के डायरेक्टर एलआर सैनी विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में हिस्सा लेंगे. वे रविवार को मीडिया से बात कर रहे थे. उनके साथ पासवा के जारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष लालकिशोर नाथ शाहदेव, महासचिव डॉ राजेश गुप्ता छोटू, प्रदेश महासचिव सह राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त फलक फातिमा भी मौजूद थे.

कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते आयोजन समिति के सदस्य.

सांस्कृतिक कार्यक्रम की भी रहेगी धूम : फलक फातिमा

पासवा की प्रदेश महासचिव फलक फातिमा ने बताया कि सम्मान समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी. पूर्वाह्न 10 बजे से सम्मान समारोह का आयोजन होगा. बताया कि सर्वप्रथम शिक्षकों के आदर्श सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन के आदर्श पर चलने और उनके जीवन से प्रेरणा लेने के लिए विशिष्ट अतिथि पुष्प अर्पित कर सम्मान प्रकट करेंगे. तत्पश्चात स्कूली बच्चे सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करेंगे. राजधानी रांची सहित विभिन्न जिलों से आए शिक्षाविद और सीमित संसाधन में गुणात्मक शिक्षा प्रदान कर रहे तीन हजार से अधिक स्कूलों के प्राचार्य,शिक्षाविद और शिक्षकों को मेडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया जाएगा.

20 हजार मेधावी स्टूडेंट्स को सम्मानिक किया जा चुका है : डॉ राजेश

डॉ राजेश गुप्ता ने बताया कि दो जुलाई को पासवा ने 20,000 प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स को सम्मानित किया था, जिन शिक्षकों ने हमारे बच्चों को लायक बनाया है, उनके प्रति हम अपनी सामाजिक जिम्मेदारियां का निर्वहन करने के लिए 28 सितंबर को दीक्षांत मंडल रांची विश्वविद्यालय में भव्य समारोह आयोजित कर शिक्षकों को सम्मानित किया जा रहा है. मौके पर मेहुल दुबे,अनिकेत कुमार,रिया कुमारी, स्मृति भारती, फैजान रजा, खालिद रजा, मोहम्मद कैफ, जाकिया आलिया, जाबिर रजा, आसमां परवीन भी उपस्थित थे.

जानिए शिक्षक कहां और कैसे करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

उपाध्यक्ष लालकिशोर नाथ शाहदेव ने कहा शिक्षक सम्मान समारोह में विभिन्न प्रदेशों के अध्यक्ष भी शामिल हो सकते हैं. झारखंड के जिला अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी शिक्षाविद भी शामिल होंगे. कार्यक्रम की सफलता को लेकर पासवा के वॉलिंटियर्स प्राइवेट व सरकारी स्कूलों, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय का दौरा का शिक्षकों को आमंत्रित कर रहे हैं. 19 सितंबर तक रजिस्ट्रेशन किया जाएगा. स्कूल अपने शिक्षकों की सूची रजिस्ट्रेशन के लिए दिए गए मेल आईडी एवं वाट्स ऐप नंबर पर भेज सकते हैं. पासवा ने रजिस्ट्रेशन के लिए वाट्स ऐप नंबर 9431109538, 8210318387 , 9431114487, 7903714760 , 8340510144 और ईमेल आईडी alokdubey .ran@gmail .com व psacwajharkhand@gmail .com जारी किया है.

जायंट्स ने किया निःशुल्क हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन

संवाददाता । गढ़वा

लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बावजूद रविवार को जायंट्स ग्रुप ऑफ़ गढ़वा एवं नारायणा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल गुडगांव के संयुक्त तत्वाधान में निःशुल्क हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में गढ़वा जिले के साथ साथ निकटवर्ती डाल्टनगंज, रामानुजगंज एवं विश्रामपुर के लगभग 22 मरीजों की जांच किया गया. वरिष्ठ हार्ट सर्जन डॉ विकास केशरी ने रोगियों की जांच कर 4 मरीजों में विभिन्न हृदय रोगों की पहचान की. रामानुजगंज से आयी एक पांच वर्षीय बालिका के साथ 3 रोगियों को ओपन हार्ट सर्जरी की सलाह दी गयी. कुछ अन्य रोगियों को हार्ट से संबंधित विशिस्ट जांचों की सलाह दी गयी. हार्ट सर्जन डॉ विकास केशरी ने बताया कि क्षेत्र के रोगियों में जागरूकता का अत्यधिक अभाव है. कई रोगी रोग की जानकारी होने के बाद भी महीनों वर्षों तक उसका समुचित उपचार नहीं करवाते हैं और घरेलू नुस्खों को अपनाते हुए समय व्यर्थ व्यतीत करते हैं. हृदय के रोगों में ऐसा विलंब अत्यधिक घातक सिद्ध हो सकता है क्योंकि हृदय के विकारों का दुष्परिणाम शरीर के अन्य सभी अंगों पर पड़ता है एवं विलंब के कारण उपचार और भी ज्यादा जटिल हो जाता है. मौके पर पूर्व फ़ेडरेशन अध्यक्ष विनोद कमलापुरी, मदन प्रसाद केशरी, स्पेशल कमिटी सदस्य विजय केशरी, मनोज केशरी, जायंटस अध्यक्ष कमलेश कुमार गुप्ता, प्रशासनिक निदेशक मोजिबुद्दीन खान, बिनोद गुप्ता आदि लोग उपस्थित थे.

पेज एक का शेष...

झारखंड के तीन बड़े दुश्मन...

घुसपैठियों-रोहिंग्या के साथ खड़ा झामुमो : पीएम ने कहा, संथाल परगना में आदिवासियों की आबादी तेजी से कम हो रही है. यहां के लोगों की जमीनें हड़पी जा रही हैं. घुसपैठिये पंचायतों पर कब्जा कर रहे हैं. बेटियों पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ रही हैं. जेएमएम के लोग बांग्लादेशी और रोहिंग्या के साथ खड़े हैं. ये घुसपैठिए और कट्टरपंथी जेएमएम को भी अपने कब्जे में लेते जा रहे हैं. इनके लोग झामुमो के भीतर भी घुस गये हैं. जानते हैं ऐसा क्यों हुआ क्योंकि जेएमएम में कांग्रेस का भूत घुस गया है. जब किसी पार्टी में कांग्रेस का भूत घुस जाता है, तो तुष्टीकरण ही उस दल का इकलौता एजेंडा बन जाता है.

औद्योगिक विकास को और देंगे गति : पीएम मोदी ने कहा कि टाटानगर देश का बड़ा औद्योगिक केंद्र है. यातायात ती अच्छी सुविधा वहां के औद्योगिक विकास को और गति देगी. पर्यटन व उद्योगों को बढ़ावा देने से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे. तेजी से विकास के लिए आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्टर जरूरी है. कई नए प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं. झारखंड के विकास के लिए केंद्र ने निवेश भी बढ़ाया है. काम की गति भी तेज की गई है. इस साल झारखंड को रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए सात हजार करोड़ का बजट दिया गया है. पिछले 10 साल की तुलना में यह 16 गुना अधिक है. राज्य में नई रेल लाइन बिछाने, दोहरीकरण करने, स्टेशनों में आधुनिक सुविधा बढ़ाने का काम भी तेजी से हो रहा है.

आदिवासी परिवारों के लिए चल रही है पीएम जन मन योजना : पीएम ने कहा कि झारखंड सहित देश भर के आदिवासी परिवारों के लिए पीएम जन मन योजना चल रही है. इस योजना के जरिए जनजातियों तक पहुंचने की कोशिश हो रही है. जो काफी पीछे हैं वैसे परिवारों को घर, सड़क, बिजली, पानी और शिक्षा देने के लिए अधिकारी खुद इन तक पहुंच रहे हैं. यह प्रयास विकसित झारखंड के संकल्प का हिस्सा है. आप सभी के आर्शीवाद से संकल्प जरूर पूरे होंगे. आज झारखंड के हजारों लाभार्थियों को पक्का घर बनाने की पहली किस्त जारी की गई है. पीएम आवास से गांवों और शहरों में काफी संख्या में रोजगार के अवसर तैयार हो रहे हैं.

करमा पर्व की दी शुभकामनाएं : पीएम मोदी ने झारखंडवासियों को करमा पर्व की शुभकामनाएं दीं. कहा कि आज मंगल दिन है. इस समय झारखंड में प्रकृति पूजा की धूम है. जब सुबह मैं रांची पहुंचा, तो एक बहन ने जावा से मेरा स्वागत किया. इस पर्व में बहनें अपने भाई की कुशलता की कामना करती हैं. एक समय था, जब आधुनिक सुविधाएं कुछ राज्यों तक ही सीमित थीं, झारखंड जैसे राज्य आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्टर और विकास के मामले में पीछे छूट गए थे. झारखंड को विकास का नया आर्शीवाद मिला है. छह वंदे भारत की सौगात मिली है. झारखंड के हजारों लोगों को पक्का घर मिला है. उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा की धरती को नमन करता हूं.

प्रधानमंत्री मोदी पूरी तरह से...

पीएम मोदी ने भूत की बात की. कहा कि किसी पार्टी का भूत किसी और पार्टी में चला जाता है. पीएम मोदी ने ये सही बात कही. जब वे मंच पर गये तो उनको कई भूत नजर आये. कोई जेएमएम से गया हुआ भूत, कोई कांग्रेस से गया हुआ भूत, कोई जेवीएम से गया भूत. इससे पीएम को लगा कि यहां तो सभी भूत हैं. भाजपा के जो 240 सांसद जीत कर आये हैं, उनमें से 140 सासंद भूत ही हैं.यानी दूसरी पार्टियों के हैं. इनमें से 95 सांसद कांग्रेसी भूत हैं. मणिपुर में आग लगाने वाले असम के सीएम भी भूत हैं. वे भी कभी कांग्रेसी थे. डेढ़ साल से जो मणिपुर जल रहा है, इसके सीएम भी भूत हैं. मंच पर आगे की कुर्सियों पर सिर्फ एक बीजेपी का नेता था और वो थे शिवराज सिंह चौहान. कहा कि मंच पर मौजूद स्थानीय सासंद भी भूत ही थे. जो मंच का संचालन कर रही थीं. वो भी भूत हैं. पीएम मोदी के मंच पर भूतों का जमावड़ा लगा हुआ था. पीएम मोदी को सोते हुए में भी हर जगह का हार का भूत दिखाई दे रहा है. हरियाणा के साथ महाराष्ट्र में भी हार का भूत उनको दिखाई दे रहा है.

डीएमएफटी फंड कोई चमत्कार नहीं : सुप्रियो ने कहा कि पीएम ने डिस्ट्रिक माईनिंग फाउंडेशन ट्रस्ट की बात की. यह सिर्फ झारखंड के लिए नहीं है. ये देश के उन सभी राज्यों के जिलों के लिए है, जहां माइन्स और मिनरल्स हैं. इन जिलों से जो रॉयल्टी आती थी, उसका सिर्फ नाम बदल कर डिस्ट्रिक माईनिंग फाउंडेशन ट्रस्ट कर दिया. ये कोई बहुत चमत्कार की बात नहीं थी जिसकी चर्चा की गयी. दूसरी बड़ी बात उन्होंने ये कही कि पीएम आवास योजना को फिर से शुरू करेंगे.

झारखंड आने के बाद उन्हें शहीदों का नाम याद आता है : सुप्रियो ने कहा कि पीएम मोदी ने कभी पोटो हो का नाम नहीं लिया था, जबकि वे 2012 से झारखंड आ रहे हैं. मगर आज उन्होंने लिया. चूंकि सीएम हेमंत सोरेन ने पोटो हो के नाम से युवा वर्ग के लिए योजना की शुरुआत की, तो पीएम मोदी को भी पोटो हो का ख्याल आया. हेमंत ने पोटो हो के नाम से ग्रामीण खेल योजना की शुरुआत की. जब वो संथाल जाते हैं तो फूलो झानो के नाम से हमारी योजना के माध्यम से वे इन वीर क्रांतिकारी संथाली महिलाओं से परिचित होते हैं.

अफवाहों पर ध्यान न दें

ईसीआरकेयू पर भरोसा रखें : मो. जियाउद्दीन

चंदवा (लातेहार)। टोरी स्थित रेल के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों से मिलकर ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री मो ज्याऊद्दीन ने यूपीएस के तहत सेवानिवृत्ति पर पेंशन की गारंटी सहित अन्य बिन्दुओं पर अपनी बात रखी. जियाउद्दीन सीआईसी दौरे के तीसरे चरण में लातेहार से टोरी के बीच के स्टेशनों पर पहुँच कर रेलकर्मियों से मिले और उनके शिकायतों समस्याओं का संकलन किया. रेलकर्मियों ने अपने समस्याओं सहित 24 अगस्त को केन्द्र सरकार द्वारा घोषित यूपीएस के प्रावधानों पर फैल रही अफवाहों और आशंकाओं को उनके समक्ष रखा. मो जियाउद्दीन ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा यूपीएस के तहत केन्द्रीय कर्मचारियों को अंतिम वर्ष के औसत मूल वेतन का पचास प्रतिशत राशि के रूप में पेंशन की गारंटी दी गई है. दस हजार रुपये न्यूनतम पारिवारिक पेंशन, मंहगाई भत्ता तथा मंहगाई राहत , ग्रेच्युटी तथा योगदान राशि में से एकमुश्त राशि का भुगतान की भी व्यवस्था की गई है.

केंद्रीय राज्यमंत्री शांतनु ठाकुर ने किया उदघाटन

बोकारो में योजनाओं का शिलान्यास किया

संवाददाता । रांची

रविवार को बोकारो जिला के पेटरवार प्रखंड स्थित पिछरी (द.) पंचायत में एक भव्य शिलान्यास कार्यक्रम का ऑनलाइन उद्घाटन केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर ने किया. इस कार्यक्रम में 3.63 करोड़ रुपये की लागत से पिछरी (द.) पंचायत के तहत बुनियादी ढांचे को सुधारने के लिए विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया. इस अवसर पर निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्रा, (एसडी और सीएसआर) एसएस. लाल, महाप्रबंधक धोरी क्षेत्र रंजय सिन्हा समेत गणमान्य उपस्थित थे. समारोह के दौरान सीसीएल की सीएसआर के तहत 150 सोलर लालटेन और जूट बैग जनजातीय छात्रों के बीच वितरित किए गए. इसके साथ ही 500 से अधिक लोगों ने स्वच्छता ही सेवा की शपथ ली.

ये परियोजनाएं समुदाय को सशक्त बनाने, सार्वजनिक सुविधाओं को बेहतर बनाने और स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई हैं। ग्रामीणों ने सीसीएल के इस पहल के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया. कार्यक्रम में बेरमो विधायक के प्रतिनिधि उत्तम सिंह, पिछरी (द.) की मुखिया प्रमिला देवी, जिला परिषद सदस्य अशोक मुर्मू, सामाजिक कार्यकर्ता देवीदास, यूनियन प्रतिनिधि जवाहर यादव, कैलाश ठाकुर, भीम महतो, और धोरी क्षेत्र के विभिन्न विभागाध्यक्ष और परियोजना अधिकारी उपस्थित थे.

ये परियोजनाएं शामिल

- करनडीह में पार्क का निर्माण, पेंडरा तालाब का सौंदर्यीकरण, आधुनिक सुविधा युक्त विवाह, मंडप का विद्यापुरी मोहल्ले में निर्माण
- कई वार्डों में 15 सोलर हाई मास्ट लाइट की स्थापना

बेहतरीन नजारा | बरसात में देखते ही बन रही है लोध फॉल और सुग्गा बांध की खूबसूरती

एहतियात की जरूरत,सेल्फी लेने किनारों पर न जाएं: उप निदेशक

आशीष टैगोर । लातेहार

लातेहार को खुबसूरत झरनों व पहाड़ों के लिए जाना जाता है. अगर यह कहें कि प्रकृति ने लातेहार को अपनी सारी नेमतों से नवाजा है तो गलत नहीं होगा. यूं तो जिले के लोध फॉल व सुग्गा बांध की खुबसूरती को शब्दों में बंया करना मुश्किल है. लेकिन बरसात के दिनों में इसकी खूबसूरती को मानो चार चांद लग जाते हैं. विगत कई दिनों से हो रही बारिश के कारण लोध फॉल और सुग्गा बांध में पानी उफान पर है और यही इसके सौंदर्य को बढ़ा रहा है. यही कारण है कि बरसात के दिनों में यहां काफी संख्या में सैलानी आते हैं.

झारखंड का सबसे उच्चा जलप्रपात है लोध फॉल

झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 100 किलोमीटर दूर लातेहार जिला के महुआडांड़ अनुमंडल में लोध जलप्रपात एक दर्शनीय और मनोरम स्थल है. महुआडांड़ से 15 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर पश्चिम दिशा में अवस्थित यह जल प्रपात झारखंड राज्य का सबसे उच्चे जलप्रपातों में यह शुमार है. बुढ़ा नदी पर अवस्थित होने के कारण इसे बुढ़ा घाघ भी कहते हैं. यहां तकरीबन 150 मीटर की ऊँचाई से नीचे पानी गिरता है. इतनी उंच्चाई से गिरते पानी को देखने पर लगता है कि यहां चांदी की कोई परत पड़ी हो. जिस स्थान पर पानी गिरता है वह समुद्रतल से 800 मी. की ऊँचाई पर है.

लेकिन पर्यटन के साथ ही साथ पर्यटकों को एहतियात बरतने की भी जरूरत है.

सुनसान निर्जन वनों के बीच है सुग्गा बांध : बेतला व नेतरहाट के बीच महुआडांड़ से 28 किलोमीटर व बारेसाढ़ थाना से सात किलोमीटर की दूरी पर यह जल प्रपात स्थित है. बेतला नेशनल पार्क से इसकी दूरी लगभग 50 किमी की है. यहां निजी वाहन से आसानी से पहुंचा जा सकता है. अपने अंदर पर्यटन असीम संभावना समेटे सुग्गा बांध चारों ओर ऊंची पहाड़ियों से घिरा है. तकरीबन 100 फीट की ऊंचाई से पानी की अविरल धारा चट्टानों पर गिरती है.

एहतियात बरतने की जरूरत : शनिवार रात से हुई लगातार बारिश के कारण नदियों का जल स्तर काफी बढ़ गया है. नदियों का जल स्तर बढ़ने से लोध फॉल और सुग्गा बांध जल प्रपात का बहाव काफी तेज एवं भयावह हो गया है. भारी बारिश को देखते हुए प्रशासन द्वारा अलर्ट जारी कर दिया गया है. सभी नदिया उफान पर है. पानी की तेज और मोटी धार फॉल से गिर रहा है मगर इन सब के बीच लोध फॉल और सुग्गा बांध फॉल घूमने जाने वालों को पानी के नजदीक जाना काफी खतरनाक भी हो गया है. पीटीआर के उपनिदेशक कुमार आशीष ने लोगो से एहतियात बरतने की अपील किया है. कहा कि बारिश से नदियां उफान पर हैं, ऐसे में सतर्कता के साथ जायें. सेल्फी के चक्कर में तेज धारा के पास जाने से परहेज करें. सुग्गा बांध तक पहुंचने के लिए आवागमन सुगम नहीं होने के कारण सैलानी वहां आसानी से नहीं पहुंच पाते हैं. यहां तक पहुंच पथ को सृदृढ़ करना आवश्यक है. इसके अलावा सैलानियों को बैठने एवं ठहरने की व्यवस्था यहां हो जाने से सैलानियों को यहां आकर्षित किया जा सकता है.

न्यूज अपडेट

मेरठ में मकान गिरने से 10 लोग मरे

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में तीन मंजिला इमारत गिरने के कारण अब तक 10 लोगों की मौत हो गई है. एक अधिकारी ने रविवार को 10 लोगों की मौत की पुष्टि की है. मेरठ के जिला मजिस्ट्रेट दीपक मीणा ने बताया कि मृतकों में एक पुरुष, तीन महिलाएं और छह बच्चे शामिल हैं. उन्होंने कहा कि शनिवार को मेरठ की जाकिर कॉलोनी में अचानक तीन मंजिला इमारत ढह गया था. इसके बाद मौके पर पहुंच बचाव अभियान शुरू किया गया. शनिवार से अब तक 10 लोगों के शव बरामद कर लिये गये हैं.

गाजा पर इजरायली हमलों में 21 मरे

गाजा। गाजा पट्टी में इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 21 फिलिस्तीनी मारे गए हैं. फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि एक इजरायली युद्धक विमान ने गाजा शहर के पूर्व में अल-तुफ्फाह इलाके में एक आवासीय घर पर मिसाइल से हमला किया, जिसमें तीन बच्चों और एक महिला सहित 10 लोग मारे गए. उत्तर-पश्चिम में एक स्कूल के पास हवाई हमले में कम से कम पांच फिलिस्तीनी मारे गए. खान यूनिस शहर के पश्चिम में अल-मवासी क्षेत्र में विस्थापित लोगों के तंबू पर गोलाबारी में छह लोग मारे गए.

हूती विद्रोहियों व सरकारी बलों में झड़प

अदन (यमन)। देश के दक्षिणी प्रांत लाहज में हूती विद्रोहियों और सरकार समर्थक बलों के बीच भीषण झड़पें हुईं. स्थानीय अधिकारी ने शिन्हुआ को बताया कि शनिवार को सशस्त्र संघर्ष तब शुरू हुआ जब हूती विद्रोहियों ने लाहज और तैज प्रांतों की प्रशासनिक सीमाओं पर रणनीतिक पहाड़ी स्थानों पर नियंत्रण करने का प्रयास किया. हूती नए क्षेत्र पर कब्जा करने में नाकाम रहे, लेकिन उन्होंने संपर्क लाइनों के पास सैन्य ठिकाने स्थापित कर लिए. प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले कई परिवारों को अपने घर खाली करने पड़े.

जादू टोना के शक़ में हमला, 3 की मौत

सुकमा। मालदीव छत्तीसगढ़ के सुकमा ज़िले के कोंटा थाना क्षेत्र में जादू-टोना के शक में पांच ग्रामीणों पर लाठी-डंडों से हमला किया गया है. माओवाद प्रभावित इस ज़िले के एतकल नाम के गांव में हुई इस घटना में तीन महिलाओं समेत कुल पांच ग्रामीणों की मौत हो गई है. सुकमा पुलिस अधीक्षक किरन चव्हाण ने बीबीसी संवाददाता विष्णुकांत तिवारी को बताया है कि ₹एतकल गांव में प्रधान आरक्षक के परिवार के पांच लोगों की जादू टोने के शक में ग्रामीणों ने हत्या कर दी है. इस मामले में अभी जांच जारी है.

मिस्र में 2 ट्रेनों की टक्कर में तीन की मौत

काहिरा। मिस्र की राजधानी काहिरा के उत्तर में शर्किया प्रांत में दो ट्रेनों की टक्कर हो गई. इस दुर्घटना में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 49 अन्य घायल हो गए. शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि 44 लोगों को मामूली चोटें आई हैं. वहीं अन्य पांच लोग गंभीर रूप से घायल हैं. इस बीच, गवर्नर हजेम अल-अश्मौनी ने बताया कि दोनों ट्रेनों से सभी यात्रियों को निकाल लिया गया है तथा रेलवे लाइन पर ट्रेन यातायात बहाल करने के प्रयास जारी हैं.

ग्रेनेड हमले का दूसरा आरोपी गिरफ्तार

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में बुधवार को एक कोठी पर हुए ग्रेनेड हमले के दूसरे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. पंजाब पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से आरोपी को गिरफ्तार किया है. आरोपी की पहचान विशाल मसीह पुत्र साबी मसीह के रूप में हुई है. वह गांव ध्यानपुर (गुरदासपुर) का रहने वाला है. इसे पंजाब पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है. इससे पहले पंजाब पुलिस ने केंद्रीय एजेंसी के साथ संयुक्त अभियान चलाकर ग्रेनेड हमले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया था.

पुंछ में सुरक्षाबलों व आतंकियों में मुठभेड़

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच बीती रात मुठभेड़ हो गई. पूरी रात सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच रुक-रुककर गोलीबारी जारी रही. अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के बाद सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शनिवार शाम मेंढर के गुरसाई टॉप के पठानतीर इलाके की घेराबंदी की, तभी छिपे हुए आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई. इसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी हुई.

पीएम का तीन दिनी गुजरात दौरा आज से

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार से तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर रहेंगे. प्रधानमंत्री के तीन दिवसीय दौरे पर गुजरात को कई परियोजनाओं की सौगात मिलेगी. वह रेलवे से संबंधित परियोजनाओं को हरी झंडी दिखाएंगे. प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा के अभियान का शंखनाद किया. रविवार को प्रधानमंत्री झारखंड में थे.

'वक्फ सं. विधेयक लाने की जरूरत नहीं थी'

पटना। वक्फ (संशो. विधेयक, 2024 को लेकर पटना में इमारत-ए-शरिया ने एक बैठक की. इस बैठक में कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश शाहिदुल्लाह मुंशी ने भी शिरकत की. उन्होंने कहा कि वक्फ विधेयक, 1995 में साल 2013 में जो संशोधन लाया गया था, उसके बाद मौजूदा सरकार द्वारा प्रस्तावित संशोधनों की जरूरत नहीं थी. न्यायमूर्ति (रि.) मुंशी ने कहा, 'केंद्र द्वारा विधेयक संसद में पेश किया गया. विरोध के बाद इसे संयुक्त संसदीय समिति में भेज दिया गया है. इस विधेयक से सिर्फ नुकसान ही होगा'

देश और दुनिया में उत्साह से मनाया गया शासन के सबसे लोकप्रिय रूपों में से एक लोकतंत्र का अंतरराष्ट्रीय दिवस

लोकतंत्र आज दुनिया में सरकार के सबसे लोकप्रिय रूपों में से एक है. हर साल की तरह 15 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के रूप में मनाया गया. 2007 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिन की स्थापना के लिए एक प्रस्ताव पारित किया. लोकतंत्र का अंतरराष्ट्रीय दिवस ये याद करने का अवसर प्रदान करता है कि लोकतंत्र लोगों के बारे में और लोगों के लिए है. लोकतंत्र का मतलब होता है, न कोई राजा और न कोई गुलाम इसमें सब एक समान हैं. हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का अधिकार है. लोकतंत्र एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें किसी भी देश के नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करके एक प्रतिनिधि को चुनते हैं. बेंगलुरु के विधान सौधा में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के अवसर पर मानव श्रृंखला आंदोलन के उद्घाटन में कलाकार भाग लेते हुए.

डेमोग्राफी देश के विकास में निभाएगी महत्वपूर्ण भूमिका

एजेंसी। नयी दिल्ली

- 2045 तक 17 .9 करोड़ बढ़ जाएगी कामकाजियों की संख्या

भारत की डेमोग्राफी आने वाले वर्षों में देश के विकास में बड़ी भूमिका निभाएगी. 2045 तक देश में कामकाजी लोगों की संख्या में 17.9 करोड़ का इजाफा होगा. एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है. मौजूदा समय में भारत की कामकाजी लोगों की संख्या 96.1 करोड़ है और बेरोजगारी दर पांच वर्ष के निचले स्तर पर है.

वैश्विक निवेश फर्म जेफरीज के अनुसार, भारत में कामकाजी लोगों की संख्या (25 से 64 वर्ष की आयु) में इजाफा हो रहा है और कुल आबादी का एक बड़ा हिस्सा सेविंग्स और निवेश को लेकर सकारात्मक है. भारत में कामकाजी लोगों में महिलाओं की संख्या बढ़ रही है, जो कि लेबर फोर्स बढ़ने की अहम वजह है. जेफरीज के ताजा नोट में कहा गया है कि कामकाजी लोगों की संख्या में बढ़ोतरी में धीमापन 2030 से आना शुरू हो जाएगा. सांख्यिकी मंत्रालय के डेटा के मुताबिक, भारत में श्रम बल भागीदारी दर 15 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों में अप्रैल-जून में बढ़कर 50.1 प्रतिशत हो गई है, जोकि अप्रैल-जून 2023 में 48.8 प्रतिशत थी, जो दिखाता है कि देश में रोजगार में इजाफा हो रहा है. इस साल अप्रैल से जून की अवधि में 15 वर्ष या उससे अधिक की उम्र की महिलाओं में एलएफपीआर दर बढ़कर 25.2 प्रतिशत हो गई है, जोकि 2023 की समान अवधि में 23.2 प्रतिशत थी.

नाटो बोला-यूक्रेन सहयोगियों से मिले हथियारों का इस्तेमाल करे, रूस की चेतावनी; कहा

पश्चिमी देशों की दखलंदाजी से खत्म हो रहा है हमारा धैर्य

एजेंसी। मास्को/प्राग

रूसी सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने कहा है कि पश्चिमी देशों की दखलंदाजी से रूस का धैर्य खत्म हो रहा है. मेदवेदेव ने टेलीग्राम चैनल के जरिए चेतावनी भरे अंदाज में ये बात कही. मेदवेदेव ने कहा कि "परमाणु संघर्ष किसी के हित में नहीं है. रूस ने खासतौर पर रूसी क्षेत्र में बहुत अंदर तक सटीक हमले करने के मामले में अब तक पश्चिमी देशों की दखलंदाजी के जवाब में अपनी परमाणु क्षमताओं का इस्तेमाल करने में संयम बरता है. हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि 'सबसे बड़े धैर्य की भी अपनी सीमाएं' होती हैं. इसी बीच, उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की सैन्य समिति के अध्यक्ष रॉब बाउर ने कहा कि यूक्रेन को जो हथियार सहयोगियों से मिले हैं उनके इस्तेमाल पर प्रतिबंध नहीं लगाया जाना चाहिए.

समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, यह चेतावनी यूक्रेनी सेना को सामरिक मिसाइल प्रणाली प्रदान करने के संबंध में अमेरिका द्वारा की गई चर्चा के बाद आई है. रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने दावा किया कि पश्चिमी नेताओं ने पहले ही निर्णय ले लिया है कि यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलों के इस्तेमाल की अनुमति दी जाए- उन्होंने कीव को भी इसकी जानकारी दे दी है, जिसके बाद मॉस्को को अपनी तरह से जवाब देने के लिए मजबूर होना पड़ेगा. सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए के अनुसार रयाबकोव ने कहा, "निर्णय हो चुका है, पूर्ण स्वतंत्रता और सभी रियायतें (कीव को) दे दी गई है, इसलिए हम हर चीज के लिए तैयार हैं." क्रेमलिन ने भी बढ़ते खतरे को भांपते हुए सजग रहने का संकेत दिया है, क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि रूस जवाबी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है.

'यूक्रेन को मिले हथियारों के इस्तेमाल पर से बैन हटे'

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्राग में नाटो सैन्य समिति की बैठक के बाद बाउर ने कहा कि यूक्रेन को मिले हथियारों के इस्तेमाल पर से प्रतिबंध हटाना चाहिए. ऐसा करना सैन्य नजरिए से तर्कसंगत होगा. उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर राजनीतिक चर्चा हो रही है. चेक न्यूज एजेंसी के मुताबिक, यूक्रेन को मिले हथियारों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध को लेकर विभिन्न स्तरों पर बहस चल रही है. चेक गणराज्य, स्वीडन और नीदरलैंड जैसे देश हथियारों के इस्तेमाल के लिए कोई शर्त नहीं रखते हैं. बता दें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को चेतावनी दी थी कि यूक्रेन को लंबी दूरी के हथियार उपलब्ध कराने का मतलब, पश्चिमी देशों के रूस-यूक्रेन संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होना होगा. रूसी मीडिया ने पुतिन के हवाले से कहा कि ऐसी परिस्थितियों में रूस को नए खतरों के आधार पर "उचित निर्णय" लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा. वेस्टर्न मीडिया के अनुसार, यूक्रेन अपने पश्चिमी सहयोगियों से लगातार अपील कर रहा है कि वे उसको अपनी मिसाइलों का इस्तेमाल करने की अनुमति दें. ताकि कीव रूसी क्षेत्र में भीतर तक हमला कर सकें. कीव जिन मिसाइलों के इस्तेमाल की अनुमति मांग रहा है उनमें लंबी दूरी की मिसाइलें भी शामिल हैं.

पश्चिम देशों के प्रतिबंध पर भड़के ईरान के विदेश मंत्री

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अर्घची ने कुछ पश्चिमी देशों द्वारा तेहरान पर लगाए गए नए प्रतिबंधों की आलोचना की. ईरान के विदेश मंत्री ने आईआरआईबी समाचार एजेंसी को दिए इंटरव्यू में इस मुद्दे पर बात की है. ईरान पर अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी ने नए प्रतिबंध लगाए हैं. ईरान पर रूस को बैलिस्टिक मिसाइल बेचने का आरोप है. सैय्यद अब्बास अर्घची ने इंटरव्यू के दौरान कहा, "पश्चिमी देशों को पता होना चाहिए और यह आश्चर्यजनक है कि वे अभी भी नहीं जानते हैं कि प्रतिबंध एक विफल उपयोग है और वे प्रतिबंधों के माध्यम से ईरान पर अपने इरादों को नहीं थोप पाएंगे, चाहे परमाणु मुद्दे हो या अन्य देशों के संबंध में हों." शिन्हुआ के मुताबिक, उन्होंने कहा कि ईरान मजबूती के साथ अपनी राह पर आगे बढ़ता रहेगा. हालांकि, हमारा देश हमेशा बातचीत के लिए रास्ता खुला रखेगा, लेकिन ऐसी कूटनीतिक प्रक्रिया आपसी सम्मान पर आधारित होनी चाहिए. ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नासिर कनानी ने शनिवार को कहा कि ईरान द्वारा रूस को बैलिस्टिक मिसाइलों की बिक्री के बारे में कोई भी दावा निराधार है.

...तो सत्ता में बैठे कुछ लोगों की बलि देकर आजादी हासिल करनी होगी

- संजय राउत बोले-नितिन गडकरी को पीएम पद का ऑफर देना गलत नहीं

एजेंसी। मुंबई

लोकसभा चुनाव 2024 के कई महीने बाद केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने चौंकाने वाला खुलासा किया है. उन्होंने कहा कि विपक्ष के एक नेता ने उन्हें पीएम पद का ऑफर दिया था. उनके इस बयान के बाद राजनीति गरमा गई है. शिवसेना नेता संजय राउत ने रविवार को इस पर प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा, "नितिन गडकरी भाजपा के सबसे सर्वमान्य नेता हैं और मुझे नहीं लगता कि किसी ने उनसे प्रधानमंत्री पद के लिए पैरवी करने को कहा होगा. जिस तरह से इस देश में तानाशाही चल रही है और जिस तरह से दस साल पहले आपातकाल की शुरुआत हुई थी. उन्हें अगर यह सलाह किसी ने दी है, विपक्ष के किसी नेता ने दी है तो मुझे इसमें कुछ भी गलत नहीं लगता."

संजय राउत ने कहा, "मुझे लगता है कि अगर कोई मौजूदा सरकार में रहते हुए भी इस देश के मूल्यों, लोकतंत्र, न्यायपालिका और स्वतंत्रता से नहीं जुड़ता है, तो यह राष्ट्रीय अपराध है. नितिन गडकरी ने हमेशा इन सबके खिलाफ बोला है, आवाज उठाई है और अपने विचार व्यक्त किए हैं. इसलिए अगर विपक्ष के किसी बड़े नेता ने, जिनका वह बहुत सम्मान करते हैं, उन्हें कुछ सलाह दी है, तो इसमें दुखी होने की जरूरत नहीं है. जगजीवन राम ने इन्हीं मूल्यों के कारण 1977 में कांग्रेस पार्टी छोड़ दी थी और इंदिरा गांधी की हार हुई थी. अगर देश में आजादी, लोकतंत्र और न्यायपालिका को बनाए रखना है, तो सत्ता में बैठे कुछ लोगों की बलि देकर आजादी हासिल करनी होगी."

क्या खुलासा किया था गडकरी ने : आपको बता दें कि नितिन गडकरी ने यह खुलासा लोकसभा चुनाव संपन्न होने के करीब 3 महीने बाद किया है. उन्होंने यह खुलासा शनिवार को नागपुर में पत्रकारिता पुरस्कार समारोह के दौरान किया. हालांकि, 21 अगस्त 2023 को शिवसेना (यूबीटी) नेता विनायक राउत का एक बयान सामने आया था, जिसमें उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को इंडिया ब्लॉक में शामिल होने का न्योता दिया था. विनायक राउत ने कहा था कि उनकी पार्टी गडकरी को अगला प्रधानमंत्री बनाने की कोशिश करेगी. उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व गडकरी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार मानता है और उनके राजनीतिक करियर को खत्म करने की साजिश कर रहा है.

फिलीपींस में तूफान 'बेबिंका' के कारण छह लोगों की मौत

मनीला। तूफान 'बेबिंका' के कारण फिलीपींस में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम दो लोग लापता हो गए और हजारों लोग बेघर हो गए. राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन परिषद ने जानकारी दी कि दक्षिणी फिलीपींस के जाम्बोआंगा प्रायद्वीप में दो लोगों की मौत हुई, जबकि मुस्लिम मिंडानाओ के बंगसामोरो स्वायत्त क्षेत्र में चार लोगों की जान गई. एजेंसी ने कहा कि चक्रवात 'बेबिंका' ने लगभग 300 गांवों के 200,000 से अधिक लोगों को प्रभावित किया.

रोमानिया का गलाती काउंटी भीषण बाढ़ से कर रहा संघर्ष

बुखारेस्ट। रोमानिया का गलाती काउंटी तूफान 'बोरिस' से आई भीषण बाढ़ से उबरने के लिए संघर्ष कर रहा है. स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, चक्रवात (तूफान) के कारण शनिवार को भारी बारिश हुई. इसके कारण बाढ़ आने से पांच लोगों की जान चली गई और 250 से अधिक निवासी विस्थापित हुए हैं. वहीं 25,000 से ज्यादा घरों में बिजली गुल हो गई और 12 शहरों के 5,000 से अधिक घर प्रभावित हुए. रोमानियाई सरकार ने आपातकालीन संसाधन जुटाए हैं.

मौलाना महमूद मदनी का ऐलान डीजे बजा तो नहीं होने देंगे शादी!

एजेंसी। नयी दिल्ली

- कानून बनाया जाए, क्योंकि इतनी धूमधाम से शादियां गरीबों का मजाक बनाती हैं

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना मदनी ने मुसलमानों की शादी को लेकर बड़ी बात कही है. उन्होंने कहा कि जिस शादी में डीजे होगा और जरूरत से ज्यादा खर्च किया जाएगा, उस शादी को हम होने नहीं देंगे. उन्होंने कहा कि सरकार को कानून बनाना चाहिए क्योंकि इतनी धूमधाम से शादियां गरीबों का मजाक बनाती हैं. आप की अदालत कार्यक्रम में एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, हम यह फैसला कर रहे हैं कि जिस शादी में जरूरत से ज्यादा खर्च किया जाएगा और रौशनी की जाएगी. जिस शादी में पर्यावरण का ध्यान नहीं रखा जाएगा. जिस शादी में गरीब की गुरबत का मजाक उड़ाया जाएगा. उस शादी को हम होने नहीं देंगे. गरीब को पीने का ठीक-ठाक पानी नहीं मिल रहा है और आप शादी में इतना खर्च करते हैं. आप कैसा मुल्क बनाना चाहते हैं. उन्होंने कहा, यह समाज का मामला है. हमें आपको और पूरे समाज को मिल कर यह काम करना चाहिए. समाज को गलत रास्ते पर नहीं जाने देना चाहिए. सब लोगों को ठीक से बैठ कर चिंता करनी चाहिए. इस कार्यक्रम में महमूद मदनी ने गैंगस्टर से राजनेता बने मुख्तार अंसारी की जम कर तारीफ की. उन्होंने कहा कि मुख्तार गरीबों के मसीहा थे. मदनी ने कहा, आप जाकर पता कर लीजिए. उनके साथ बड़ी संख्या में गैर मुस्लिम थे. वह गरीबों का आदमी था. मौलाना मदनी ने कहा कि कि किसी के जो भी अच्छे काम हैं उनके बारे में कहना ही पड़ेगा. एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि टूथपेस्ट में भी हलाल का सर्टिफिकेट होना चाहिए. इसमें कहीं-कहीं जिलेटिन का इस्तेमाल किया जाता है, जो कि जानवरों की हड्डियों से बनाया जाता है. ऐसे में पता लगाना जरूरी है कि यह पाक है या नहीं.

दिल्ली के सीएम केजरीवाल के इस्तीफे के ऐलान पर भाजपा व कांग्रेस की तीखी प्रतिक्रिया, कहा

'खुशी होती अगर वह यह फैसला पहले लेते'

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को अपने पद से इस्तीफा देने का ऐलान करके राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी. उनके इस ऐलान पर भाजपा और कांग्रेस की ओर से तीखी प्रतिक्रियां सामने आई हैं.

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने मुख्यमंत्री केजरीवाल के इस्तीफे पर कहा, "हम उनके इस फैसले का स्वागत करते हैं. उन्होंने देर से ही सही, लेकिन अच्छा फैसला लिया है. लेकिन अब इसमें भी दो दिन का किस बात का इंतजार है, मुझे समझ नहीं आ रहा है. लेकिन जब जागो तभी सवेरा. मुझे खुशी होती अगर वह यह फैसला आज से चार महीने पहले लेते, जब दिल्ली की जनता विभिन्न प्रकार की दुश्वारियों से जूझ रही थी, लेकिन उस वक्त उन्होंने कोई फैसला नहीं लिया." कांग्रेस नेता ने आगे कहा, "मैं एक बार फिर इस बात पर बल देना चाहता हूं कि केजरीवाल ने बिल्कुल बेहतर फैसला लिया है, लेकिन मुझे यह समझ नहीं आ रहा है कि वह किस बात का इंतजार कर रहे हैं. आखिर दो दिन में ऐसा क्या बदल जाएगा, जिसका वह इंतजार कर रहे हैं. आखिर उन्हें इस्तीफा देना था, तो तुरंत देते. आखिर दो दिन का इंतजार किस बात का, हम तो पहले से ही इस बात पर जोर देते आए हैं कि जेल से रहकर बेहतर तरीके से प्रशासनिक व्यवस्था का संचालन नहीं किया जा सकता है. मैं फिर से इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि अगर वह यह फैसला चार महीने पहले लेते, तो ज्यादा बेहतर रहता."

भाजपा नेता हर्ष मल्होत्रा ने केजरीवाल के इस्तीफा देने के ऐलान पर प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा, "ऐसा मुख्यमंत्री जो दिल्ली की जनता के लिए कोई नीति निर्धारित करने की दिशा में किसी भी प्रकार का हस्ताक्षर नहीं कर सकता, उन्हें इस पद पर रहने का कोई नैतिक हक नहीं है. आम आदमी पार्टी में इतने सारे कार्यकर्ता हैं, उनमें से किसी एक को मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए. मुख्यमंत्री अब खुद के महिमामंडन में लग गए हैं. कहां शहीद-ए-आजम भगत सिंह, जिन्होंने देश को आजादी दिलाने के लिए जेल गए और फांसी के फंदे को चूमा.'

'सुप्रीम कोर्ट भी केजरीवाल को सीएम के लायक नहीं मानता'

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि केजरीवाल को काफी पहले इस्तीफा दे देना चाहिए था. अब इस इस्तीफे का कोई मतलब नहीं है. नैतिकता की दवा देकर वह मुख्यमंत्री तो बन गए, लेकिन उन्होंने इसकी कोई झलक नहीं दिखाई. सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देते हुए कहा है,आप दफ्तर नहीं जा सकते, आप अधिकारियों से नहीं मिल सकते, आप वहां कोई फाइल साइन नहीं कर सकते. सुप्रीम कोर्ट को अरविंद केजरीवाल पर भरोसा नहीं है. यह ऐसा व्यक्ति है जो 'उनकी नजर में इस समय मुख्यमंत्री बनने के लायक नहीं है.'

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव राजौरी के युवा मतदाता मतदान को लेकर उत्साहित, बातचीत में उठाए कई मुद्दे

महिलाओं की सुरक्षा व समाज के विकास को प्राथमिकता देंगे मतदाता

एजेंसी। राजौरी

जम्मू-कश्मीर में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर मतदाता काफी उत्साहित हैं. दरअसल राज्य में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हो रहे हैं. युवा मतदाता अपने वोट की अहमियत समझ रहे हैं और वोट डालने से पहले कई तरह के मुद्दे उनके जेहन में हैं. इनमें मुख्य रूप से महिला सुरक्षा, देश में बदलाव और तरक्की लाने के लिए मजबूत सरकार जैसे मुद्दे शामिल हैं. युवाओं का कहना है कि वे अपने वोट का इस्तेमाल समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए करेंगे, खासकर महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देंगे. इन सभी मुद्दों पर राजौरी पीजी कॉलेज के कुछ छात्रों ने आईएएनएस से बात की है.

छात्रा रितिका शर्मा ने कहा कि वह पहली बार वोट डालेंगी. वह अपनी सरकार चुनने के लिए काफी उत्साहित हैं. उन्होंने कहा कि पहले वह सुनती थी कि देश और समाज में एक वोट का बहुत बड़ा योगदान होता है. लोगों को अपने वोट का प्रयोग उन्हीं के लिए करना चाहिए जो समाज और राज्य का विकास करे. उन्हें छोटी-बड़ी स्थानीय समस्याओं का समाधान करना चाहिए. रितिका ने कहा कि वह अपने प्रत्याशी से उम्मीद करती हैं कि वह सबसे पहले महिला सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाएं. वह राज्य में सत्ता में आने वाली सरकार से महिलाओं पर अत्याचार करने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग करती हैं. उन्होंने कहा कि सरकारों ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान चलाए हैं, लेकिन उस पर कोई काम नहीं हो रहा है. सत्ता में आने वाली सरकार को सबसे पहले महिलाओं के कल्याण के बारे में सोचना चाहिए. प्रदेश में बेरोजगारी से जूझ रहे युवाओं के बारे में कहा कि प्रदेश में युवा बड़ी-बड़ी डिग्रियां लेकर घूम रहे हैं.

जो भी सरकार आए, उसे महिलाओं की सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाना चाहिए

एक अन्य छात्रा पायल शर्मा भी पहली बार वोट डालने को लेकर उत्साहित हैं. महिला सुरक्षा पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि आज देश में महिलाओं के साथ इतना दुर्व्यवहार हो रहा है कि लोग घर से बाहर निकलने से भी डरने लगे हैं. प्रदेश में जो भी सरकार आए, उसे महिलाओं की सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाना चाहिए. इसके साथ ही पायल ने आने वाली सरकार से युवाओं के लिए रोजगार की उम्मीद भी जताई है. नरगिस जमील ने कहा कि वह पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगी.

अपनी आजादी के नाम पर वोट देना चाहिए : जुल्फिकार अली पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करने जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हमने देखा है कि कुछ लोग चंद पैसों के लिए अपना वोट बेच देते हैं, लेकिन हमें विकास और अपनी आजादी के नाम पर वोट देना चाहिए. हमें वोट बेचने की पुरानी प्रथाओं को छोड़कर समाज के हित में वोट करना चाहिए. नदीम ने कहा कि उनकी विधायक से अपेक्षा है कि वह विकास के लिए काम करेगा. धर्म और जातिवाद से ऊपर उठकर वोट करना चाहिए.

अनिल विज बोले- मैं मुख्यमंत्री पद के लिए दावेदारी पेश करूंगा

एजेंसी। अंबाला

हरियाणा में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के वरिष्ठ नेता और अंबाला से विधायक अनिल विज ने रविवार को मुख्यमंत्री पद के लिए दावेदारी की बात कही है. अनिल विज ने रविवार को अंबाला में अपने चुनाव कार्यालय में संकल्प पत्र जारी करने के दौरान यह बात कही है.

भाजपा नेता ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, "मैं हरियाणा का वरिष्ठ विधायक हूं. मैं छह बार विधायक बन चुका हूं और सातवीं बार चुनाव लड़ रहा हूं. मैंने आज तक पार्टी से कभी कुछ नहीं मांगा, लेकिन इस बार मुझ पर पूरे हरियाणा और अंबाला की जनता का मुख्यमंत्री बनने के लिए बहुत दबाव पड़ रहा है." उन्होंने आगे कहा, "इसलिए इस बार मैं वरिष्ठ नेता होने के दम पर मुख्यमंत्री पद का दावा करूंगा. वो मुझे सीएम बनाते हैं या नहीं ये उनका अधिकार क्षेत्र है. यदि मुझे मुख्यमंत्री बना दिया तो मैं हरियाणा की तकदीर बदल दूंगा, मैं हरियाणा की तस्वीर बदल दूंगा." बता दें कि अनिल विज इस बार वह सातवीं बार चुनावी मैदान में हैं. इसके अलावा वह हरियाणा सरकार में गृहमंत्री भी रह चुके हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)